PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, शुक्रवार
13.11.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 13, अंक : 21

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374



राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

आसियान-भारत, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने 16-18 नवंबर तक फिलीपींस जाएंगे मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 16 से 18 नवंबर तक फिलीपींस की राजधानी मनीला की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ भारत की सहभागिता हमारी 'एक्ट ईस्ट नीति' की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। मनीला प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर द्वारा आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में शामिल होंगे। इसके अगले दिन वे आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की प्रक्रिया में भाग लेंगे तथा इस दौरान अन्य वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय समुदाय की भारी मांग को देखते हुए प्रधानमंत्री के



कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद को शामिल करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। आसियान के साथ मजबूत आर्थिक साझेदारी को रेखांकित करते हुए टंडन ने कहा कि इस क्षेत्र के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 122 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे यह समूह भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार बन गया है। उन्होंने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री क्षेत्र से सटे एक हिंद महासागर देश के रूप में भारत का दृढ़ विश्वास है कि सामूहिक रूप से और इसके सभी 11 सदस्य देशों के साथ अलग-अलग मजबूत रणनीतिक संबंध तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य से निपटने में दोनों पक्षों को अधिक सक्षम बनाएंगे और समग्र एशिया में शांति एवं स्थिरता में योगदान देंगे। फिलीपींस की अध्यक्षता में "नेविगेटिंग द फ्यूचर" (भविष्य को दिशा देना) विषय के तहत आयोजित होने वाला 21वां पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन एक अनूठा मंच है, जहां आसियान देशों और आठ संवाद साझेदार देशों के शीर्ष नेता अनौपचारिक माहौल में वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों और साझा चिंता के मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हैं। टंडन ने इस प्रक्रिया को आसियान की सफल सामूहिक कूटनीति का एक उल्लेखनीय उदाहरण बताया।

आर्थिक मोर्चे पर सचिव (पूर्व) ने आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की चल रही समीक्षा को यथाशीघ्र पूरा करने की भारत की इच्छा दोहराई। उन्होंने स्वीकार किया कि बहुपक्षीय व्यापार वार्ता में कई पक्षों के बीच आम सहमति बनाने में समय लगता है लेकिन आश्वस्त किया कि भारत अपने व्यापारिक हितों की रक्षा और दोनों पक्षों की कंपनियों के लिए नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से द्विपक्षीय स्तर पर भी व्यापार सुगमीकरण की कई पहलों और समझौतों पर काम कर रहा है। पारंपरिक व्यापार के अलावा भारत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वदेशी 4जी दूरसंचार तकनीक और क्षेत्रीय पावर ग्रिड एकीकरण जैसे उभरते और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आसियान के साथ सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है, जहां भारत के पास हार्ड और सॉफ्ट इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का व्यापक अनुभव है। क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री सहयोग पर बोलते हुए टंडन ने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री क्षेत्र में 'मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस' (समुद्री क्षेत्र की निगरानी और जागरूकता) को बढ़ाना भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत मलक्का जलडमरूमध्य से बाहर स्थित है, जो कुछ विशिष्ट आसियान सदस्य देशों के क्षेत्रीय जलक्षेत्र में आता है। हालांकि, इतने विशाल समुद्री क्षेत्र की प्रभावी निगरानी, समुद्री डकैती तथा अवैध, बिना सूचना और अनियमित (आईयूयू) मछली पकड़ने पर अंकुश लगाने और समुद्र में सुव्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भारत समन्वित गश्त (कोऑर्डिनेटेड पेट्रोलिंग) का पक्षधर है। दक्षिण चीन सागर पर भारत के स्पष्ट रुख को दोहराते हुए टंडन ने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। इसलिए, आसियान और चीन के बीच बातचीत के जरिए तैयार की जाने वाली कोई भी आचार संहिता (कोड ऑफ कंडक्ट) अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के अनुरूप होनी चाहिए और इसमें वार्ता में शामिल न होने वाले देशों के वैध अधिकारों का भी सम्मान किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी का आज कर्नाटक दौरा, 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

एजेंसी, बेंगलुरु : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को कर्नाटक के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे बेंगलुरु और मैसूरु में 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं में शहरी परिवहन, बिजली पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम अवसंरचना, अपशिष्ट प्रबंधन और रेलवे क्षेत्र से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री सुबह करीब 10:45 बजे बेंगलुरु स्थित प्रशांति कुटीरम में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे स्वर्ण जयंती प्रशासनिक भवन की आधारशिला रखेंगे और केरल के तिरुवनंतपुरम में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान के ऑफ-कैंपस केंद्र का शुभारंभ करेंगे। वे समारोह को संबोधित भी करेंगे। वर्ष 1975 में स्थापित प्रशांति कुटीरम आधुनिक विज्ञान और भारत की आध्यात्मिक परंपरा के समन्वय के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

समुद्र में उतरने से पहले वर्चुअल समंदर में होगा जहाजों का इम्तिहान, आईआईटी मद्रास ने बनाया 'सीनैव'

स्वायत्त समुद्री नौवहन के लिए विकसित किया रियल टाइम डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म

एजेंसी, नई दिल्ली



अब जहाजों का समुद्र में उतरने से पहले वर्चुअल समंदर में इम्तिहान होगा। 'सीनैव' तकनीक को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले परखने की चुनौती का समाधान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी),मद्रास के शोधकर्ताओं ने खोजा है। दरअसल, भविष्य की जहाजरानी में इन सवालों के जवाब कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वायत्त प्रणालियां दे सकती हैं। संस्थान ने 'सीनैव' नाम का रियल टाइम डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो समुद्र, जहाजों, लहरों, सेंसरों और पोत यातायात का आभासी प्रतिरूप तैयार कर स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणालियों का परीक्षण, सत्यापन और प्रशिक्षण संभव बनाता है। इसके साथ ही आगे के लिए यह विश्वास पैदा हुआ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वर्चुअल रियलिटी और अत्याधुनिक सेंसर फ्यूजन से लैस यह तकनीक भारत को भविष्य की स्मार्ट जहाजरानी के क्षेत्र में नई ताकत दे सकती है। आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग ने यह प्लेटफॉर्म ऐसी चुनौती के समाधान के लिए विकसित किया है, जिसमें स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणाली को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से परखा जा सके। समुद्र में परीक्षण के लिए विशाल जहाज, विशेषज्ञ दल, ईंधन, समय और अनुकूल परिस्थितियों की जरूरत पड़ती है। किसी तकनीकी चूक से जहाज, माल, पर्यावरण और मानव जीवन पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। 'सीनैव' इस पूरी प्रक्रिया को आभासी वातावरण में ले जाता है। इसमें समुद्र की लहरें, जहाजों की गतिविधियां, मौसम, सेंसरों के संकेत और आसपास चल रहे दूसरे पोतों का यातायात वास्तविक समय में तैयार किया जा सकता है। शोधकर्ता अलग-अलग परिस्थितियां बनाकर जांच सकते हैं कि स्वायत्त प्रणाली किस तरह निर्णय लेती है और कठिन परिस्थितियों में उसका प्रदर्शन कैसा रहता है। उल्लेखनीय है कि शोध दल ने वास्तविक सेंसर इनपुट और समुद्री तरंगों की परिस्थितियों में स्वायत्त पथ-अनुसरण तथा एआई आधारित टक्कर बचाव का प्रदर्शन किया है। यह इस अनुसंधान की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका अर्थ है कि जहाज की दिशा तय करने और संभावित टक्कर से बचने वाली प्रणाली को वास्तविक समुद्री चुनौतियों के अनुरूप परखने की दिशा में कामयाबी मिली है। इस शोध का नेतृत्व करने वाले आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेश राजेंद्रन ने 'सीनैव' की उपयोगिता स्पष्ट करते हुए कहा, "सीनैव स्वायत्त समुद्री नौवहन प्रौद्योगिकियों के विकास और सत्यापन के लिए एक व्यावहारिक तथा विस्तार योग्य मंच प्रदान करता है। डिजिटल ट्विन, एआई, उन्नत सेंसर फ्यूजन और वर्चुअल रियलिटी को मिलाकर हम ऐसा वातावरण तैयार कर रहे हैं, जहां वास्तविक समुद्री परिवेश में तैनाती से पहले स्वायत्त प्रणालियों और मानव संचालकों, दोनों को सुरक्षित और कुशलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा सकता है।"

अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी को जान से मारने की धमकी, 7 करोड़ रुपये की मांगी रंगदारी

एजेंसी, मोहाली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताते हुए सात करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। इस संबंध में दिल्ली के तिलक नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह की शिकायत पर मोहाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विधायक जरनैल सिंह ने मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक



को दी शिकायत में बताया कि छह नवंबर को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। इसके अलावा उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से भी धमकी भरा संदेश भेजा गया। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया। विधायक की शिकायत के अनुसार फोन करने वाले व्यक्ति ने अरविंद केजरीवाल से सात करोड़ रुपये देने की मांग की। उसने धमकी दी कि यदि उसकी मांग पूरी नहीं की गई, तो वह अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता की हत्या कर देगा। विधायक जरनैल सिंह ने शिकायत में कहा कि अरविंद केजरीवाल देश के प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल हैं। ऐसे में उन्हें और उनके परिवार को मिली धमकी गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है। उन्होंने पुलिस से मामले की व्यापक जांच करने और धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने की मांग की है। विधायक ने फोन संबंधी अभिलेखों, इंटरनेट पते और धमकी देने के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण की वास्तविक स्थिति का पता लगाने की भी अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने अरविंद केजरीवाल तथा उनकी बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। विधायक जरनैल सिंह की शिकायत के आधार पर मोहाली पुलिस ने साइबर अपराध थाने में भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से वास्तविक संबंधों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

दिल्ली का एक्यूआई 'बेहद गंभीर' श्रेणी में दर्ज, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी होने के आसार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। गुरुवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 313 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में माना जाता है। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बूंदाबांदी होने के आसार हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार राजधानी के अलावा एनसीआर के अन्य शहरों में भी हवा की गुणवत्ता खराब रही। गाजियाबाद में एक्यूआई 297, नोएडा में 291 और ग्रेटर नोएडा में 257 दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिनों तक सुबह के समय धुंध या हल्का कोहरा छाया रहने के आसार हैं। 13 नवंबर को अधिकतम तापमान 28-30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 14-15 नवंबर को तापमान में हल्की गिरावट के साथ अधिकतम पारा 26-29 डिग्री और न्यूनतम पारा 15-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

वायु सेना कमांडर कामिकेज ड्रोन ऑपरेशंस के लिए हमेशा तैयार रहें : राजनाथ सिंह

- संभावित खतरों को सामने आने से पहले पहचानने की जरूरत पर भी जोर

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेनाओं से आग्रह किया कि वे 'एलीमेंट ऑफ सरप्राइज' को मजबूत बनाए रखें, ताकि तेजी से हो रही टेक्नोलॉजी में तरक्की और मॉडर्न युद्ध की बदलती प्रकृति से पैदा होने वाले पारंपरिक और नए खतरों के खिलाफ ऑपरेशनल तैयारी बनी रहे। उन्होंने इंटेलिजेंस और सर्विलांस क्षमताओं को लगातार मजबूत करने, सिस्टम के बीच इंटीग्रेशन बढ़ाने और संभावित खतरों को सामने आने से पहले पहचानने की जरूरत पर भी जोर दिया। साथ ही ऑपरेशन, एडमिनिस्ट्रेशन और एयरोस्पेस सुरक्षा के लिए विकसित एआई एप्लिकेशन भी लॉन्च किए। नई दिल्ली में एयरफोर्स कमांडर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने निगरानी और काउंटर-ड्रोन अभियानों को लेकर उच्चस्तर की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी डिफेंस फोर्स को ऐसी काबिलियत और तरीके बनाने चाहिए, जिनसे दुश्मन को रिएक्ट करने या संभलने का समय ही न मिले और यह भी पक्का करना चाहिए कि दुश्मन की किसी अचानक हरकत से हम कभी हैरान न हों। सरप्राइज कई तरह से हो सकता है, पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह से। हमारे इंटेलिजेंस और सर्विलांस सिस्टम को और मजबूत करना होगा और ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाना होगा ताकि यह पक्का हो सके कि हमारे लोग किसी भी नई चुनौती का असरदार तरीके से जवाब देने के लिए अलर्ट, फुर्तीले और तैयार रहें। राजनाथ सिंह ने कहा कि आजकल की लड़ाइयां पारंपरिक लड़ाई के मैदानों से आगे बढ़कर नॉन-कॉन्टैक्ट डोमेन तक फैल रही हैं, जिसमें मिसाइल, ड्रोन और एडवांस्ड वेपन सिस्टम अहम भूमिका निभा रहे हैं।



छठ पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या

एजेंसी, नई दिल्ली

छठ पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किया है। यात्रियों, विशेषकर बिहार और पूर्वी भारत की ओर जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के अनुसार, बुधवार (11 नवंबर) को दिल्ली क्षेत्र से कुल 34 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं। इनमें 31 निर्धारित और तीन अनिर्धारित विशेष रेलगाड़ियां शामिल थीं। रेलवे के अनुसार, 11 नवंबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 12, आनंद विहार से नौ, शकूरबस्ती से सात, हजरत निजामुद्दीन से चार, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी चलाई गई। वहीं, गुरुवार (12 नवंबर) को दिल्ली क्षेत्र से कुल 31 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निर्धारित किया गया है। इनमें नई दिल्ली से नौ, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन, रोहतक से एक और दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ और मांग को देखते हुए अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई जाएंगी। उत्तर रेलवे ने शुक्रवार (13 नवंबर) के लिए भी 24 विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की योजना बनाई है। इनमें नई दिल्ली से नौ, आनंद विहार से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से एक, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है।

औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की बनी नई पहचान : मोहन यादव

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार और उद्योग जब साथ मिलकर काम करते हैं तो उनकी क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। इसी का परिणाम है कि जर्मनी के बेनेकोर समूह के संयंत्र का अगस्त 2024 में भूमि पूजन हुआ था और सिर्फ दो साल में उत्पादन शुरू हो गया। राज्य सरकार जो कहती है, वो करती है और समय पर करती है। इससे औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की नई पहचान बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को बेनेकोर प्राइवेट लिमिटेड के भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित संयंत्र के शुभारंभ कार्यक्रम को नई



दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का शुभारंभ जर्मनी की तकनीक और भारत की लगभग सौ साल पुरानी विरासत की साझेदारी है। संयंत्र के पहले चरण में 160 करोड़ रुपये का निवेश है, 300 करोड़ रुपये सालाना कारोबार की क्षमता है, इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। यहां माताओं-बहनों और बच्चों की स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी सामग्री का निर्माण होगा, यह उद्योग आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ हमारी सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है की देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक मध्यप्रदेश आए। प्रदेश में औद्योगिक मित्र नीतियों के साथ-साथ भूमि के ऑनलाइन आमंत्रण और सिंगल विंडो से मंजूरियों की व्यवस्था के परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बना है। अब भोपाल, मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है। हमारा समन्वित प्रयास है कि उद्योग युवाओं को प्रशिक्षण दें, उन्हें अपने यहां काम दें ताकि युवाओं को रोजगार के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेनेकोर समूह के इस संयंत्र के अचारपुरा में स्थापित होने पर स्थानीय विधायक श्री विष्णु खत्री को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि इस संयंत्र में डायपर और सेनिटरी नैपकिन में उपयोग होने वाला हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल तैयार किया जाएगा। अब तक यह मटेरियल बाहर से मंगाना पड़ता था, अब यह देश में ही बनेगा, यह उत्पादन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मज़बूत कदम होगा।

नेतन्याहू ने एकजुटता का आह्वान किया कहा - हार नहीं मानूंगा, अरब दलों पर फिर दी चेतावनी

एजेंसी, तेलअवीव

इजरायल की सत्ता से बेदखल होने की कगार पर खड़े बेंजामिन नेतन्याहू ने अभी भी हार नहीं मानी है। राष्ट्रपति द्वारा उनके प्रतिद्वंद्वी आइजेनकोट को सरकार बनाने का मौका दिए जाने के बाद भी, नेतन्याहू ने एक बार फिर गठबंधन सरकार बनाने की उम्मीद जताई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजरायल मुश्किल वक्त में एक होना जानता है। इतना ही नहीं, उन्होंने देश के नागरिकों और विपक्षी पार्टियों को भी अरब दलों को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। रिपोर्टों के मुताबिक, बुधवार को मीडिया से बात करते हुए इजरायल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी गठबंधन सरकार बनने की



संभावना पर उम्मीद जताई। एक दिन पहले नेसेट में विपक्षी दलों के खिलाफ जमकर अपनी बात रखने वाले नेतन्याहू ने बुधवार को कुछ नरम रुख अपनाया। उन्होंने कहा, कल मैंने बताया था कि राष्ट्रीय एकता सरकार क्यों जरूरी है। आज मैं बताना चाहता हूँ कि यह क्यों संभव है। लंबे समय तक यहूदी देश के प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड रखने वाले नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने मुश्किल समय में एकजुट होने की अपनी क्षमता बार-बार साबित की है और अब देश एक बार फिर ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, यह संभव है क्योंकि यह देश जानता है कि अहम मौकों पर कैसे एकजुट होना है। नेतन्याहू यहां पर युद्ध के समय देश की कैबिनेट में सभी दलों के प्रतिनिधि वाली स्थिति का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष, वामपंथी और दक्षिणपंथी सभी ने कंधे से कंधा मिलाकर एक साथ संघर्ष किया।लगातार राष्ट्रीय एकता सरकार की बात कर रहे नेतन्याहू को अभी तक बहुमत नहीं मिला है, ऐसी स्थिति में अरब पार्टियां किंगमेकर की भूमिका में हैं। हालांकि, नेतन्याहू को अभी भी उम्मीद है कि वह संभावित गठबंधन सहयोगियों को जल्द ही मना लेंगे। उन्होंने कहा कि वह संभावित गठबंधन सहयोगियों से संपर्क करना जारी रखेंगे। उन्होंने देश के सामने बड़ी चुनौतियों और बड़े अवसरों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैं आपको वह सब कुछ नहीं बता सकता जो मुझे पता है, लेकिन ऐसे कई लोग हैं जो जानते हैं कि हमारे सामने कितनी बड़ी चुनौतियां और कितने बड़े अवसर हैं। नेतन्याहू द्वारा अपने गठबंधन की सरकार बनाने की यह अपील ऐसे समय में आई है, जब आइजेनकोट के नेतृत्व में सरकार बनने की संभावना अधिक मानी जा रही है। बुधवार को नेतन्याहू ने आइजेनकोट को समर्थन देने वाले दलों से एक बार फिर उनके साथ आने की अपील की।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर चला बुलडोजर, फुटपाथ से हटाए गए अवैध निर्माण

एजेंसी, कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर के बाहर गुरुवार सुबह कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने बड़ी कार्रवाई की। सांसद के घर (121, कालीघाट रोड) के बाहर फुटपाथ पर बांस से बने अस्थायी ढांचे (शेड) को बुलडोजर से ढहा दिया गया। इस ढांचे के साथ ही सांसद के घर की चहारदीवारी के मुख्य द्वार के बाहर फुटपाथ घेरकर लगाए गए एक लोहे के गेट को भी गैस कटर से काटकर हटा दिया गया।

आरोप है कि यह गेट अवैध रूप से फुटपाथ पर कब्जा करके लगाया गया था। अवैध निर्माण हटाने की इस कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह के विरोध या कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति से निपटने के लिए सांसद के घर के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल और केंद्रीय बलों के जवानों को तैनात किया गया था। शांतिपूर्ण कार्रवाई के बीच केएमसी कर्मियों ने बांस और अन्य मलबे को हटाकर फुटपाथ को पूरी तरह साफ कर दिया। यह मामला पिछले कुछ दिनों से विवादों में था।

संक्षिप्त समाचार

पुराने नोट-सिक्कों के नाम पर ठगी, पलामू में छह से अधिक मामले

पलामू। पुराने नोट और सिक्कों के बदले लाखों रुपये मिलने का लालच देकर साइबर अपराधी लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ठग खुद को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का कर्मचारी या एजेंट बताकर लोगों को फोन और व्हाट्सएप संदेश भेजते हैं। इसके बाद पुराने नोट या सिक्के की तस्वीर मंगाकर मोटी रकम देने का झांसा देते हैं और रजिस्ट्रेशन व प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर पैसे वसूलते हैं। पिछले एक महीने में पलामू साइबर थाना और जिले के विभिन्न थानों में इस तरह की ठगी के छह से अधिक मामले सामने आए हैं। नावा बाजार के कंडा निवासी एक व्यक्ति से पांच रुपये के पुराने नोट के बदले 30 लाख रुपये मिलने का झांसा देकर 4.62 लाख रुपये ठग लिए गए। ठगों ने पहले नोट का नमूना और रजिस्ट्रेशन कराया, फिर वीडियो कॉल पर नोटों की गड्डी दिखाकर अलग-अलग प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर रकम वसूल ली। इसी तरह पाटन थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति से पुराने सिक्के के नाम पर 90 हजार रुपये की ठगी की गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में ठगी के इस गिरोह के तार झारखंड के बाहर के राज्यों से जुड़े होने की जानकारी मिली है। साइबर अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए तकनीकी अनुसंधान किया जा रहा है। एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि मामले में कार्रवाई की जा रही है। सदर एसडीपीओ राजेश यादव ने लोगों से अपील की है कि आरबीआई का अधिकारी या एजेंट बताकर पुराने नोट-सिक्कों के बदले बड़ी रकम देने का दावा करने वालों के झांसे में न आएं और किसी भी तरह का रजिस्ट्रेशन या प्रोसेसिंग शुल्क न दें।

मांडू प्रखंड के नगर परिषद वार्डों की समस्याओं से बीडीओ को कराया अवगत



मांडू : मांडू प्रखंड के अंतर्गत आने वाले रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों की जनसमस्याओं को लेकर गुरुवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने मांडू प्रखंड विकास पदाधिकारी रीना कुजूर से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वार्डों में व्याप्त विभिन्न नागरिक समस्याओं से उन्हें अवगत कराते हुए उनके निराकरण की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति पर चर्चा करते हुए आम लोगों को हो रही परेशानियों की ओर बीडीओ का ध्यान आकृष्ट कराया। वहीं, लोक आस्था के महापर्व छठ को देखते हुए विभिन्न छठ घाटों की साफ-सफाई, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर भी चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने घाटों पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताई, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।बीडीओ रीना कुजूर ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं के समाधान को लेकर आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।मौके पर सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी, वार्ड संख्या छह के पार्षद संदीप साव, भाजपा नेता विनोद प्रसाद, रामचल मुंडा, लक्ष्मण रजवार, विजय रजवार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, परिवार में पसरा मातम

नावाबाजार में बाना गांव के समीप हुआ हादसा, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने किया मृत घोषित



जनतरंग पथदूत संवाददाता मेदिनीनगर। नावाबाजार थाना क्षेत्र के बाना गांव के समीप गुरुवार शाम सड़क हादसे में 24 वर्षीय बाइक सवार युवक की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक को पुलिस ने इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान छतरपुर थाना क्षेत्र के कउवल गांव निवासी जितेंद्र मिश्रा के पुत्र सोनू कुमार मिश्रा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, सोनू गुरुवार शाम करीब छह बजे बाइक से डालटनगंज जाने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान नावाबाजार थाना क्षेत्र के बाना गांव स्थित रिशु होटल के समीप एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नावाबाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल पुलिस चौकी के पदाधिकारी और जवान भी अस्पताल पहुंचे तथा परिजनों से आवश्यक जानकारी ली। पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, दुर्घटना के बाद फरार अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है। इधर, जवान बेटे की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल है।

75 वर्षीय बुजुर्ग के साथ मारपीट और घर में तोड़फोड़ का आरोप, हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज

जनतरंग पथदूत संवाददाता हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के गम्हर विगहा गांव में 75 वर्षीय बुजुर्ग के साथ मारपीट, गाली-गलौज और घर में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित सुरेश सिंह के आवेदन पर हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, घटना 10 नवंबर 2026 की रात के करीब आठ बजे की है। सुरेश सिंह का आरोप है कि वह अपने कमरे में थे, तभी गांव निवासी नितीश कुमार उर्फ चुनचुन सिंह उनके घर पहुंचे और घर का सामान तोड़ने लगे। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए हाथ में पहने कड़े से उन पर हमला कर दिया, जिससे वह जख्मी हो गए। पीड़ित के अनुसार, आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उनकी जान बचाई। उन्होंने अपनी पत्नी शारदा देवी के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है। सुरेश सिंह ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

लातेहार। जिले के मनिका थाना क्षेत्र में गुरुवार की शाम सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा नामुदाग गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर हुआ। मृतकों की पहचान हीरामन नायक (40), ननकू नायक (25)और पंकज कुमार (17) के रूप में की गई है। तीनों मनिका थाना क्षेत्र के नामुदाग गांव के निवासी थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों युवक एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई। सड़क जाम होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी है। घटना की सूचना मिलने पर मनिका थाना प्रभारी विक्रांत उपाध्याय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया। पर लोग जाम हटाने को तैयार नहीं थे। पुलिस द्वारा लोगों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

झारखंड में वीआईपी सुरक्षा पर सालाना 150 करोड़ रुपये खर्च

राष्ट्रीय मुख्यधारा



रांची। झारखंड में वीवीआईपी और वीआईपी समेत 117 विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा पर सरकार सालाना करीब 150 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसके अलावा जिला स्तरीय सुरक्षा समिति की अनुशंसा पर सुरक्षा प्राप्त अन्य लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी खर्च किया जा रहा है। राज्य में मुख्यालय और जिला स्तर की समितियों की अनुशंसा के आधार पर करीब दो हजार जवान सुरक्षा में तैनात हैं। इन जवानों को औसतन 60 से 75 हजार रुपये मासिक वेतन मिलता है। मुख्यालय स्तर की सुरक्षा समिति की समीक्षा और अनुशंसा पर पांच श्रेणियों में सुरक्षा दी जाती है। इनमें जेड प्लस, जेड, वाई प्लस, वाई और एक्स श्रेणी शामिल हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राज्य में पांच लोगों को जेड प्लस, चार को जेड, तीन को वाई प्लस, 28 को वाई और 77 लोगों को एक्स श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रघुवर दास तथा चंपाई सोरेन को दी गई है। जेड श्रेणी में पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक, मुख्य सचिव अविनाश कुमार और डीजीपी शामिल हैं। वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और गृह सचिव को मिली है। वाई श्रेणी में राज्य के मंत्री, कुछ सांसद, पूर्व मंत्री और पुलिस अधिकारी शामिल हैं, जबकि एक्स श्रेणी की सुरक्षा विधायकों, पूर्व विधायकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को दी गई है। जिला स्तर पर गठित सुरक्षा समिति किसी व्यक्ति की सुरक्षा संबंधी मांग और खतरे की समीक्षा कर अपनी अनुशंसा करती है। इसी आधार पर अन्य लोगों को भी सुरक्षा उपलब्ध कराई जाती है।

पुलिसकर्मियों को संपत्ति विवरणी जमा करने के लिए तीन सप्ताह खुलेगा मानव संपदा पोर्टल

राष्ट्रीय मुख्यधारा



रांची। झारखंड सरकार ने पुलिसकर्मियों समेत विभिन्न विभागों के सरकारी कर्मचारियों को राहत देते हुए मानव संपदा पोर्टल तीन सप्ताह के लिए फिर से खोलने का निर्णय लिया है। इससे उन कर्मचारियों को संपत्ति विवरणी जमा करने का अवसर मिलेगा, जो फरवरी में पोर्टल बंद होने के कारण निर्धारित समय पर ऑनलाइन ब्योरा नहीं भर पाए थे। संपत्ति विवरणी लंबित रहने से कई कर्मचारियों की एसीआर तैयार करने और पदोन्नति संबंधी प्रक्रियाओं में बाधा आ रही थी। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित रजक पिछले करीब एक महीने से पोर्टल दोबारा खोलने की मांग को लेकर प्रयास कर रहे थे। एसोसिएशन के प्रदेश संयुक्त सचिव-सह-कोषाध्यक्ष राकेश कुमार पांडेय ने बताया कि वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित प्राधिकार के समक्ष मामला उठाया। इस पहल में सचिवालय में प्रतिनियुक्त अवर निरीक्षक उपेंद्र मिश्रा, एसोसिएशन के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष महताब आलम, प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री ने भी प्रयास किए। राकेश कुमार पांडेय ने कहा कि पोर्टल दोबारा खुलने से छूटे हुए कर्मचारियों को संपत्ति विवरणी जमा करने का अवसर मिलेगा और विभागीय प्रक्रियाओं में आ रही परेशानियां दूर होंगी। उन्होंने सरकार, संबंधित पदाधिकारियों और मीडिया के प्रति आभार जताया। हालांकि, पोर्टल दोबारा खुलने की अवधि के लिए अंतिम तारीख और ऑनलाइन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत निर्देश जारी होने के बाद ही कर्मचारियों को समय-सीमा की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

अवैध शराब के खिलाफ जमशेदपुर पुलिस ने तीन जंगलों में भट्टियां की ध्वस्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा



पूर्वी सिंहभूम । वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. ऐहतेशाम वकारिब के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार को पुलिस ने व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस की इस कार्रवाई में बोड़ाम और सुंदरनगर थाना क्षेत्रों के जंगलों में संचालित कई अवैध शराब भट्टियों को ध्वस्त किया गया। पुलिस टीम ने बोड़ाम थाना क्षेत्र के मुकरूडीह और लाइलोंम के अलावा सुंदरनगर थाना क्षेत्र के करवाडूंगरी स्थित जंगलों में छापेमारी की। इस दौरान जंगलों में अवैध तरीके से शराब तैयार करने के लिए संचालित भट्टियों को चिन्हित कर मौके पर ही ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 850 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया। इसके अलावा लगभग 40 लीटर अवैध शराब भी जब्त की गई। पुलिस ने शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जा रहे उपकरणों और अन्य सामग्रियों को भी नष्ट कर दिया, ताकि इन स्थानों पर दोबारा अवैध शराब का निर्माण शुरू नहीं किया जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण और कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

12.48 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा



पलामू। नशा कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चैनपुर थाना पुलिस ने 12.48 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लेस्लीगंज निवासी सुनित कुमार सिंह और करन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बाइक और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, 11 नवंबर की शाम गश्ती के दौरान एसआई शिवनाथ रंजन को सूचना मिली थी कि गढ़वा की ओर से दो युवक नीले रंग की बाइक पर मादक पदार्थ लेकर शाहपुर चौक की तरफ आ रहे हैं। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम ने मगरदाहा घाटी में वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध बाइक को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन सवार युवक भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में सुनित कुमार सिंह की जैकेट से 12.48 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पुलिस ने बाइक संख्या जेएच03एडी-5535 और दोनों मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। दोनों आरोपितों के खिलाफ चैनपुर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी दल में एसडीपीओ राजेश यादव, थाना प्रभारी लालजी, एसआई शिवनाथ रंजन, राम कुमार उपाध्याय, एएसआई सिंगराय हेम्ब्रम और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

बिरसा महोत्सव को लेकर उलिहातू में तैयारियां का डीसी ने लिया जायजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा



खूंटी । भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को आयोजित होने वाले राजकीय बिरसा महोत्सव-2026 की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में गुरुवार को उपायुक्त मो जावेद हुसैन और पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने अड़की प्रखंड स्थित भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न निर्माण और व्यवस्थागत कार्यों का स्थल निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बिरसा ओड़ा के जीर्णोद्धार, बम्बू कॉटेज निर्माण, लाइब्रेरी के व्यवस्थित संचालन और बिरसा ओड़ा एवं बिरसा कॉम्प्लेक्स में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। परिसर में रंग-रोगन, साफ-सफाई, स्वच्छता और साज-सज्जा पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि महोत्सव में पहुंचने वाले अतिथियों और आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इसके अलावा उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने चयनित एजेंसी से कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी लेते हुए मंच निर्माण, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, साज-सज्जा और अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। उपायुक्त ने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। वहीं, महोत्सव के दौरान सुरक्षा एवं आवागमन को लेकर हेलिपैड निर्माण, पार्किंग और ट्रैफिक व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा संबंधी तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

बोकारो में 11 स्थानों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, व्यवसायी ने दिया सहयोग



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। शहर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और अपराध नियंत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरों का दायरा बढ़ाने की पहल को स्थानीय लोगों का सहयोग मिलने लगा है। पुलिस अधीक्षक की अपील पर सेक्टर-2/सी दुर्गा पूजा कमेटी और फल दुकान संचालक पन्ने लाल चौरसिया ने नगर क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर 11 सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए आर्थिक सहयोग दिया है। 12 नवंबर को पुलिस उपाधीक्षक नगर कार्यालय में डीएसपी नगर और बीएस सिटी थाना प्रभारी की मौजूदगी में सीसीटीवी इंस्टॉलेशन कंपनी को सहयोग राशि सौंपी गई। कैमरे सेक्टर-2/सी, राम मंदिर चौक समेत नगर क्षेत्र के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगाए जाएंगे। बोकारो पुलिस ने इस पहल के लिए दुर्गा पूजा कमेटी, उसके अध्यक्ष संदीप कुमार सिंह और पन्ने लाल चौरसिया के प्रति आभार जताया है। पुलिस ने अन्य व्यवसायियों, सामाजिक संगठनों, संस्थानों और प्रबुद्ध नागरिकों से भी अपने क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, कैमरों का दायरा बढ़ने से अपराध की रोकथाम, नियंत्रण और आपराधिक घटनाओं के त्वरित उद्भेदन में मदद मिलेगी।

दुंदीबाग में दो चोरी की घटनाओं का खुलासा, एक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा



बोकारो। बीएस सिटी थाना क्षेत्र के दुंदीबाग बाजार में हुई चोरी की दो घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दुंदीबाग हटिया निवासी राज कुमार वर्वानी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 12 नवंबर की सुबह करीब तीन बजे दुंदीबाग बाजार स्थित शिव मंदिर के पास चुनचुन राय के घर में चोरी हुई थी। इस मामले में बीएस सिटी थाना कांड संख्या 245/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4)/305 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान राज कुमार वर्वानी को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर एक आसमानी नीले रंग का बक्सा, एसबीआई की चेकबुक और चांदनी कुमारी के शैक्षणिक प्रमाण पत्र बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर 4 नवंबर की रात दुंदीबाग स्थित हरिहर प्रसाद की राशन दुकान में हुई चोरी का सामान भी बरामद किया। इसमें पिस्ता, किशमिश, बादाम और काजू के एक-एक पैकेट शामिल हैं। छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक अनिल कुमार गुप्ता, सहायक अवर निरीक्षक राजू महतो और आरक्षी सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह शामिल थे।

एवीएस कंपनी के साइट कार्यालय पर अपराधियों ने की फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा



चतरा। टंडवा में आम्रपाली कोल परियोजना से शिवपुर तक कोयला ट्रांसपोर्टिंग कर रही एनसीसी की सहायक कंपनी एवीएस के होन्हे स्थित साइट कार्यालय पर बुधवार की देर रात बाइक सवार तीन नकाबपोश अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की। रात करीब 12.30 बजे अपराधियों ने 11-12 राउंड गोलियां चलाईं। संयोगवश कार्यालय में मौजूद निजी सुरक्षा गार्ड बाल-बाल बच गया। गोलीबारी में टैंकर, बाइक, खिड़की, दीवार और दरवाजे को नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद अपराधी धमकी भरा पर्चा छोड़कर फरार हो गए। पर्चे में राहुल दुबे गैंग ने घटना की जिम्मेवारी लेते हुए कंपनी कर्मियों अर्श और आदित्य को चेतावनी दी है। सूचना पर पहुंची टंडवा पुलिस ने मौके से खोखा और पर्चा जब्त किया। एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार, थाना प्रभारी विपिन कुमार और पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान में जुटी है। प्रारंभिक जांच में घटना को लेवी की मांग से जोड़कर देखा जा रहा है। कंपनी कर्मी के अनुसार पिछले दो महीने से गैंग की ओर से लेवी मांगी जा रही थी। उल्लेखनीय है कि चंद्रगुप्त और आम्रपाली कोल परियोजना क्षेत्र में गोलीबारी की यह चौथी घटना है। इससे पहले चंद्रगुप्त परियोजना क्षेत्र में तीन बार फायरिंग हो चुकी है। 23 अगस्त को उड़सू स्थित साइट कार्यालय पर हुई गोलीबारी में एक निजी सुरक्षा गार्ड घायल हुआ था। वहीं, 25 जनवरी को एनसीसी कंपनी के एक हाइवा को जेजेएमपी उग्रवादी संगठन ने आग के हवाले कर दिया था। एवीएस कार्यालय से कुछ ही दूरी पर सीआईएसएफ का कैंप स्थित है। इसके बावजूद अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया।

लुगुबुरू महोत्सव को विश्वस्तरीय स्वरूप देने की तैयारी तेज, डीसी-एसपी ने किया स्थल-निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः संथाल आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था, परंपरा और गौरव को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाने के उद्देश्य से आगामी बाईस से चौबीस नवंबर तक आयोजित होने वाले लुगुबुरू घांटाबाड़ी धोरोमगढ़ राजकीय महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया गया है। इसे ऐतिहासिक, भव्य और विश्वस्तरीय स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने ललपनिया पहुंचकर महोत्सव क्षेत्र का विस्तृत भ्रमण और स्थलीय निरीक्षण किया। इसके उपरांत आयोजन समिति के सदस्यों एवं जिला प्रशासन के संबंधित पदाधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सर्वप्रथम पारंपरिक विधि-विधान और पूरी श्रद्धा के साथ लुगुबाबा की पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, जिला वन पदाधिकारी नीतीश कुमार और अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ मुख्य पूजा स्थल पुनाय थान, चिल्ड्रेन पार्क, मुख्य कार्यक्रम स्थल, टेंट सिटी मैदान और हेलीपैड का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके अलावा चोरगांवा, तिलैया पार्किंग स्थल, सड़क टोला पार्किंग स्थल, न्यू छाई मैदान, अघनु मांझी चौक, स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रतिमा



स्थल, कोदवाटांड़ बजरंगबली मैदान, कोदवाटांड़ दुर्गा मंदिर मैदान, छरछरिया और वहां से तुलबुल जाने वाले मार्ग पर प्रस्तावित नए पार्किंग स्थलों का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्थलों पर उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, श्रद्धालुओं के आवागमन, पार्किंग, सुरक्षा, प्रकाश और स्वच्छता व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम है लुगुबुरू महोत्सवः अजय नाथ झा- समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि लुगुबुरू महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन भर नहीं है, बल्कि यह संथाल आदिवासी समाज की आस्था, संस्कृति, परंपरा, पहचान और गौरव का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रतीक है। इसे इतने भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाना चाहिए कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और अतिथियों के समक्ष झारखंड

▪ समीक्षा बैठक में दिए कई दिशा-निर्देश

की समृद्ध आदिवासी विरासत की एक विशिष्ट और गौरवशाली पहचान स्थापित हो। झारखंड स्थापना दिवस के आयोजनों के बीच इस महोत्सव को आदिवासी गौरव के रूप में प्रस्तुत किया जाए और आयोजन की हर एक व्यवस्था में स्थानीय संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखनी चाहिए।

चिकित्सा व्यवस्था रहेगी सर्वोच्च प्राथमिकता, पहाड़ पर तैनात रहेगी मेडिकल टीम- स्वास्थ्य और चिकित्सा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मेला क्षेत्र, प्रमुख मार्गों और पहाड़ पर चढ़ाई के विभिन्न पड़ावों पर पर्याप्त मेडिकल टीम, प्राथमिक उपचार किट और आवश्यक दवाइयां हर वक्त उपलब्ध रहनी चाहिए। इनकी निगरानी के लिए एक विशेष मेडिकल मॉनिटरिंग सेल का गठन किया जाएगा। बाईस नवंबर को पहाड़ पर तैनात होने वाली मेडिकल टीम चौबीस नवंबर तक लगातार वहीं मौजूद रहेगी। मंदिर के समीप स्थायी मेडिकल टीम के साथ-साथ बीच के रास्ते में भी अस्थायी मेडिकल कैंप स्थापित किए जाएंगे, ताकि किसी भी श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ने पर उसे तुरंत सहायता और स्ट्रेचर की सुविधा मिल सके।

सुरक्षित आवागमन के लिए विशेष यातायात प्रबंधन- आश्रम विद्यालय से महोत्सव स्थल तक लगभग छह किलोमीटर लंबे मार्ग पर विशेष यातायात प्रबंधन किया जाएगा। मार्ग के बीच में डिवाइडर लगाने, सड़क किनारे की झाड़ियों की सफाई और संवेदनशील स्थानों पर मजबूत बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। भारी और हल्के वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था होगी, जहां आश्रम विद्यालय के समीप बड़े वाहनों को रोककर श्रद्धालुओं को आगे ले जाने के लिए ऑटो की व्यवस्था की जाएगी। चौबीस नवंबर को मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन के मद्देनजर विशेष ट्रैफिक प्लान लागू रहेगा, जिसके तहत हेलीपैड और आश्रम विद्यालय के आगे किसी भी बड़ी गाड़ी को खड़ा होने की अनुमति नहीं होगी।

स्वच्छता, आकर्षक साज-सज्जा और परंपरा का सम्मान- महोत्सव के दौरान पूरे मेला परिसर में लगातार साफ-सफाई बनाए रखने के लिए पर्याप्त सफाई कर्मियों की तैनाती की जाएगी और यह अभियान महोत्सव की समाप्ति के बाद भी दो दिनों तक विशेष रूप से चलाया जाएगा। बिरसा चौक से मुख्य प्रवेश द्वार तक आकर्षक स्ट्रीट लाइट और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। विशिष्ट अतिथियों के स्वागत में स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित बांस के सूप में आमंत्रण पत्र और अंगवस्त्र भेंट कर स्थानीय शिल्प को बढ़ावा दिया जाएगा। बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ पूरी जिम्मेदारी से काम करने का निर्देश दिया, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतरीन सुविधाएं और सुरक्षित माहौल मिल सके। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के जिला व प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी और आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

निवारक सतर्कता और पारदर्शी कार्यप्रणाली से मजबूत होगी संगठन की साख : सेल सीवीओ

विशेष सतर्कता अभियान के तहत दो अहम सत्र आयोजित, अधिकारियों ने ली सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा



बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक चलाए जा रहे तीन माह के विशेष निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में दो महत्वपूर्ण और परिणामोन्मुखी कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य संयंत्र की प्रशासनिक और व्यावसायिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही की संस्कृति को जड़ से मजबूत बनाना रहा। पहला संवाद कार्यक्रम बीएसएल के निदेशक प्रभारी सम्मेलन कक्ष में आयोजित हुआ, जिसमें सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) दिलीप कुमार ने संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन के साथ सीधा संवाद किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों को सामूहिक सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाने के साथ हुआ। इस महत्वपूर्ण सत्र में संयंत्र के अधिशासी निदेशकों के साथ-साथ बीएसएल, कोलियरी प्रभाग, झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस (जेजीओएम) और एसआरयू के लगभग 60 मुख्य महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष शामिल हुए। संवाद के दौरान दैनिक कार्यप्रणाली में निवारक सतर्कता (प्रिवेंटिव विजिलेंस) के सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से लागू करने, निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता रखने और हर स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

अभियान की इसी कड़ी में दूसरा विशेष प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रम मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र (एल एंड डी सेंटर) में 'निविदा प्रक्रिया, खरीद एवं अनुबंध प्रबंधन' विषय पर आयोजित किया गया। सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी के परामर्श पर सीएमएमजी और कॉर्पोरेट सतर्कता विभाग द्वारा प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई) के सहयोग से इस विशेष पाठ्यक्रम को तैयार किया गया था।

सत्र में महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) ने मुख्य संकाय सदस्य के रूप में निविदाओं के समयबद्ध निष्पादन, निर्धारित नियमों के प्रक्रियात्मक अनुपालन, क्रय प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रमुख सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस संवादात्मक कार्यशाला में खरीद और अनुबंध प्रबंधन से सीधे जुड़े अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा फील्ड में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों और उनके विधिक समाधानों पर खुलकर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी दिलीप कुमार, कॉर्पोरेट एवं बीएसएल के सतर्कता अधिकारीगण तथा मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नावाडीह में भाकपा का एक दिवसीय धरना संपन्न, बीडीओ को स्मारपत्र सौंपा



बोकारो थर्मल : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) नावाडीह अंचल परिषद की ओर से विभिन्न जनसमस्याओं और चौदह सूत्री मांगों को लेकर गुरुवार को नावाडीह प्रखंड कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन की अध्यक्षता बासुदेव महतो ने की, जबकि कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने स्थानीय और राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर सरकार तथा प्रशासन के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। धरने के माध्यम से मुख्य रूप से भूमि बैंक को तत्काल रद्द करने और गैरमजरूआ बंदोबस्ती जमीन की राजस्व वसूली पुनः चालू करने की पुरजोर मांग उठाई गई। इसके साथ ही तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय पदों पर जिले को स्थानीय मानते हुए शत-प्रतिशत बहाली करने, आवश्यकतानुसार सभी विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति करने तथा पेंक सरकारी अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और नर्सों की नियमित बहाली करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने एसआईआर को रद्द करने, खान खनिज संशोधन विधेयक व चारों लेबर कोड को वापस लेने, झारखंड आंदोलनकारियों को तीस हजार रुपये पेंशन भुगतान के साथ बेहतर चिकित्सा सुविधा देने, प्रवासी मजदूरों की दुर्घटना में हुई मौत पर सरकारी मुआवजा तथा सड़क दुर्घटना में मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग उठाई। इस प्रदर्शन को मुख्य रूप से जिला मंत्री गणेश प्रसाद महतो, रामेश्वर साव, नुनुचंद महतो, अनंतलाल महतो, रीतलाल महतो, रसीद अंसारी, शंकर ठाकुर, थानू महतो, अमरु महतो, चेतलाल महतो, हनीफ अंसारी और जानकी महतो सहित कई अन्य प्रमुख नेताओं ने भी संबोधित किया। अंत में भाकपा का एक शिष्टमंडल प्रखंड विकास पदाधिकारी से मिला और अपनी चौदह सूत्री मांगों से संबंधित एक विस्तृत स्मार पत्र उन्हें सौंपा।

जयपुर की धरती पर गूंजा बोकारो का परचम, कुलदीप ने जीते स्वर्ण और कांस्य पदक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : युवा खेल प्रतिभाओं को तराशने और जमीनी स्तर पर खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में कार्यरत वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के होनहार तीरंदाज कुलदीप महतो ने राष्ट्रीय पटल पर अपनी सटीक निशानेबाजी का लोहा मनवाया है। राजस्थान के जयपुर में 21 से 28 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 46वीं एनटीपीसी जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में कुलदीप ने अद्भुत एकाग्रता और खेल कौशल का परिचय देते हुए दोहरे पदक पर कब्जा जमाया। उन्होंने व्यक्तिगत ओलंपिक राउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक तथा टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर न केवल बोकारो और झारखंड राज्य, बल्कि समूची अकादमी को गौरवान्वित किया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कुलदीप और उनके प्रशिक्षक को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि ईएसएल का दृढ़ विश्वास है कि खेल केवल शारीरिक क्षमता ही नहीं निखारते, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व गुणों का भी संचार करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कुलदीप महतो की यह सफलता उनकी कठोर



▪ 46वीं एनटीपीसी जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी का शानदार प्रदर्शन

▪ बोले सीईओ रवीश - ग्रामीण प्रतिभाओं को वैश्विक मंच देने के लिए प्रतिबद्ध है संस्थान

साधना, समर्पण और अदम्य इच्छाशक्ति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के जरिए कंपनी का निरंतर प्रयास है कि ग्रामीण और स्थानीय अंचलों की छिपी प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, अत्याधुनिक संसाधन और आगे बढ़ने के उचित अवसर मिलें, ताकि वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें। श्री शर्मा ने इस गौरवपूर्ण क्षण के लिए कुलदीप के साथ-साथ उनके कोच बुद्धेश्वर मुर्मू की भी सराहना की।

कुलदीप की यह स्वर्णिम उड़ान ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के सतत प्रयासों का सुपरिणाम है। वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के माध्यम से उभरते तीरंदाजों को पेशेवर मार्गदर्शन, आधुनिक खेल उपकरण, संतुलित पोषण सहायता और बड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाता है। कोच बुद्धेश्वर मुर्मू के कुशल निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कुलदीप ने अपने नियमित अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण से यह मुकाम हासिल किया है। ईएसएल स्टील लिमिटेड शिक्षा, खेल और सामुदायिक विकास के माध्यम से समाज के समग्र उत्थान तथा युवाओं को वैश्विक मंच पर सफल बनाने के अपने संकल्प को निरंतर मजबूती प्रदान कर रहा है।

बोकारो इस्पात संयंत्र में विश्व गुणवत्ता दिवस मनाया गया, उत्कृष्टता और निरंतर सुधार का लिया गया संकल्प



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) में गुरुवार को विश्व गुणवत्ता दिवस पूरी गरिमा, उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर इस्पात भवन परिसर में एक भव्य मुख्य समारोह का आयोजन किया गया, जहां बीएसएल की कार्यकारी निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने विधिवत रूप से गुणवत्ता ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के उपरांत उन्होंने उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने हर कार्य में सर्वोच्च गुणवत्ता बनाए रखने की सामूहिक शपथ दिलाई। इस गरिमामयी आयोजन में अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी. आर. मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीष सेनगुप्ता, अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष और बड़ी संख्या में कर्मियों ने शिरकत की।

समारोह के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सेलेंस) नीता बा ने मंचासीन अतिथियों और कर्मियों का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्व गुणवत्ता दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इसके व्यावहारिक महत्व और उद्योग जगत में इसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके पश्चात महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सेलेंस) अनुपमा तिवारी ने बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन का प्रेरक संदेश पढ़कर सुनाया। अपने संदेश में निदेशक प्रभारी ने सभी कार्मिकों से आह्वान किया कि वे गुणवत्ता को केवल एक औपचारिकता न मानकर अपनी दैनिक कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियों का अभिन्न हिस्सा बनाएं तथा उत्पादन से लेकर प्रबंधन की प्रत्येक प्रक्रिया में इसे आत्मसात करें।

हर कार्य को उत्कृष्टतापूर्वक संपादित करने का आह्वान- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यकारी निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने कहा कि प्रतिस्पर्धी औद्योगिक परिवेश में उत्कृष्टता ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने प्रत्येक कार्य को पूरी निष्ठा व उत्कृष्टता के साथ संपादित करें, निरंतर सुधार की प्रक्रिया को अपनाएं तथा कार्यस्थल पर गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को सदैव कायम रखें। विश्व गुणवत्ता दिवस की कड़ी में संयंत्र के अन्य प्रमुख केंद्रों पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त द्वारा ईडी (संकार्य) भवन परिसर में तथा अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) द्वारा बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) परिसर में गुणवत्ता ध्वज फहराया गया और चिकित्सा व तकनीकी कर्मियों को गुणवत्ता की शपथ दिलाई गई। संपूर्ण समारोह का संचालन सहायक महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सेलेंस) आरती सिन्हा ने किया, जबकि कार्यक्रम के अंत में बिजनेस एक्सेलेंस विभाग के ए. नसर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक, 15 को रांची में भरेंगे हुंकार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः चास बाईपास रोड स्थित झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के बोकारो जिला कार्यालय में गुरुवार को दिन के साढ़े बारह बजे मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजदेव माहथा की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक का संचालन जिला सचिव परमेश्वर मंडल ने किया। बैठक में जिले के तमाम प्रखंडों, नगरों और महानगरों से बड़ी संख्या में पदाधिकारी और झारखंड आंदोलनकारी शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राजदेव माहथा ने कहा कि आगामी पंद्रह नवंबर को रांची स्थित भगवान बिरसा मुंडा चौक पर मोर्चा के बैन, तले झारखंड आंदोलनकारियों की बहुप्रतीक्षित मांगों को लेकर एक विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रदर्शन राज्य सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में लोकतांत्रिक ढंग से किया जाएगा और अब यह आंदोलन आर-पार की लड़ाई का रूप ले चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कई बार के आंदोलनों के दौरान प्रदेश सरकार ने आंदोलनकारियों को केवल झूठे आश्वासन देकर हमेशा छला है, जिसकी सहनशीलता अब अपनी सीमा पार कर चुकी है।

मोर्चा के केंद्रीय संयुक्त सचिव हाबुलाल गोराईं



▪ वादाखिलाफी के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान

ने अपने संबोधन में कहा कि तिल-तिल कर घुट-घुट कर मरने से बेहतर है कि आंदोलनकारी अब अपने अधिकारों के लिए निर्णायक शहादत देने को तैयार रहें। उन्होंने आह्वान किया कि पंद्रह नवंबर को रांची में आयोजित होने वाले इस विशाल प्रदर्शन में बोकारो जिले से अधिक से अधिक संख्या में आंदोलनकारी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

बैठक में उपस्थित सभी आंदोलनकारियों ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि बोकारो जिले के सभी प्रखंडों और नगर क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग रांची कूच करेंगे। इसके लिए व्यापक स्तर पर रणनीति तैयार की गई है और तय किया गया है कि सभी आंदोलनकारी अपनी सुविधा के अनुसार निजी वाहनों और अन्य माध्यमों से रांची पहुंचेंगे। इस अवसर पर जिला संरक्षक साधन माहथा, चास प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, जिला महामंत्री खगेंद्र नाथ वर्मा, जिला सचिव राजकिशोर महतो, चास प्रखंड सचिव संजय लाल महतो, नंदराज महतो, जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष मनीलाल मांझी, सोना राम टुडू, नीलकंठ महतो, नागेश्वर महतो, बनमाली दत्ता, जुबील अहमद, सुनील महतो, शंकर पासवान, लखन खवास, करमचंद गोप सहित सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी उपस्थित रहे।

डीवीसी चेयरमैन से मिले विस्थापित प्रतिनिधि और सांसद प्रतिनिधि, सौंपा मांग पत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मलः गिरिडीह सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव के नेतृत्व में विस्थापितों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बोकारो थर्मल स्थित निदेशक भवन पहुंचकर डीवीसी के चेयरमैन राजेश पांडेय से मुलाकात की और उन्हें एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने 1949-50 के विस्थापितों तथा पुनर्वासित गांव नया बस्ती सहित अन्य विस्थापित क्षेत्रों की ज्वलंत समस्याओं से चेयरमैन को अवगत कराते हुए इस पर सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान मुख्य रूप से डीवीसी प्लांट में विस्थापितों को नियमानुसार उचित रोजगार मुहैया कराने, पुनर्वासित रैयतों की जमीनों के म्यूटेशन का मालिकाना हक शीघ्र दिलाने तथा बोकारो थर्मल में नए पावर प्लांट का निर्माण कार्य जल्द शुरू करने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई गई। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने विस्थापितों के लिए पीएपी कार्ड बनाने, नया बस्ती सहित अन्य विस्थापित क्षेत्रों में निर्बाध बिजली और स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने, डीवीसी पेंशनधारियों के क्वार्टर रेंट में कटौती करने, एएमसी-एआरसी मजदूरों के लिए किराए पर क्वार्टर आवंटन की व्यवस्था करने तथा ऐश पौंड कांटा पर वाहनों की अवैध ओवरलोडिंग पर पूर्ण रोक लगाने की भी मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल में जिप सदस्य शहजादी बानो, दिलीप यादव, भोला तूरी, रीता देवी, बालेश्वर यादव, करीम अंसारी, सुरेंद्र घासी, रवि तूरी, मंजूर आलम, मुखिया विश्वनाथ महतो, महबूब आलम और अकबर हुसैन सहित कई लोग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

बोकारो में उमड़ा कायस्थ समाज का सैलाब, भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमाओं का विसर्जन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः जिलेभर में अराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त के पूजनोत्सव के बाद बुधवार को उनकी प्रतिमाओं की विदाई का पर्व बेहद धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। चित्रगुप्त महापरिवार बोकारो जिला के बैन, तले आयोजित इस भव्य सामूहिक विसर्जन और विशाल शोभायात्रा में जिले के विभिन्न हिस्सों से कुल ग्यारह समितियों ने अपनी-अपनी मूर्तियों के साथ पूरे उल्लास के साथ हिस्सा लिया। इस अनुष्ठान में सेक्टर-1, सेक्टर-3, कोऑपरेटिव कॉलोनी, बारी कोऑपरेटिव, सेक्टर-4एफ, मालती अपार्टमेंट, सेक्टर-8 एवं 9, चीरा चास स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद समिति, वास्तु विहार फेज-2 तथा चास की श्रीश्री चित्रगुप्त महापरिवार समिति के सदस्य अपने पारंपरिक उत्साह के साथ शामिल हुए।



शोभायात्रा की शुरुआत बोकारो स्टील प्लांट के कार्यकारी निदेशक अशोक कुमार दत्ता और मुख्य महाप्रबंधक नवीन श्रीवास्तव द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर की गई। प्रशासनिक भवन के समक्ष स्थित देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात यह विशाल शोभायात्रा आरंभ हुई। प्रशासनिक भवन परिसर से शुरू होकर सेक्टर-1 तक निकली इस मनमोहक शोभायात्रा के दोनों छोरों पर सड़कों के किनारे श्रद्धालुओं और शहरवासियों की भारी भीड़ उमड़ी रही, जो इस सांस्कृतिक और धार्मिक अनुष्ठान की गवाह बनी।

सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति और पारंपरिक जयकारों के बीच यह शोभायात्रा अपने निर्धारित मार्ग से होते हुए सेक्टर-4एफ स्थित सूर्य सरोवर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार और अश्रुपूर्ण नेत्रों के साथ सभी प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन किया गया। विसर्जन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चित्रगुप्त महापरिवार बोकारो जिला की ओर से इस आयोजन में शामिल सभी ग्यारह समितियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत राम मंदिर परिसर में सभी प्रतिभागियों और शोभायात्रा में सेवा देने वाले सदस्यों के लिए अल्पाहार व चाय की विशेष व्यवस्था की गई थी।

इस आयोजन को सफल बनाने में विसर्जन समिति के अध्यक्ष अनल कुमार, जिला अध्यक्ष रमन सिन्हा, जिला मुख्य सलाहकार अरुण सिन्हा, भैया प्रीतम, रतन लाल, राज सिन्हा, सेक्टर-4एफ समिति से अनुराग, चीरा चास से हिमांशु वर्मा व शैलेंद्र सिन्हा, बारी कोऑपरेटिव से संजय श्रीवास्तव व पंकज सिन्हा तथा सेक्टर-9 से सर्वज्ञान सिन्हा सहित महापरिवार के तमाम सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त समाचार

लोक आस्था के महापर्व 'छठ पूजा' को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट; उपायुक्त ने जारी किए विस्तृत सुरक्षा दिशा-निर्देश

- खतरनाक घाटों की बैरिकेडिंग, गोताखोरों और मेडिकल टीमों की तैनाती के निर्देश, 24x7 जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष का होगा संचालन
- नदी घाटों और जलाशयों के आसपास पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन धनबादः लोक आस्था के महापर्व 'छठ पूजा' के सफल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार आदित्य रंजन द्वारा जिले के सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं छठ पूजा समितियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी संभावित जोखिम या आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

खतरनाक घाटों की पहचान एवं बैरिकेडिंगः धनबाद नगर निगम, चिरकुण्डा नगर परिषद, जिला पर्यटन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी तथा सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत खतरनाक घाटों व चिन्हित जलाशयों की पहचान करें। छठ पूजा समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर वहां मजबूत बैरिकेडिंग और सुरक्षा-चिन्ह लगाना सुनिश्चित किया जाए, साथ ही समितियों के माध्यम से पर्याप्त संख्या में वालंटियर्स की प्रतिनियुक्ति की जाए।

घाटों की साफ-सफाई एवं मार्ग व्यवस्थाः सभी संबंधित निकायों और पदाधिकारियों को छठ घाटों व जलाशयों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक छठ घाट पर सामान्य प्रवेश एवं निकास मार्ग के साथ-साथ एक आपातकालीन वैकल्पिक मार्ग को अनिवार्य रूप से चिन्हित करने को कहा गया है।
पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंधः सुरक्षा के दृष्टिकोण से नदी घाटों एवं जलाशयों के आसपास पटाखों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।
गोताखोर एवं मेडिकल टीम की तैनातीः जिला मत्स्य पदाधिकारी एवं जिला पर्यटन पदाधिकारी को सभी प्रमुख छठ घाटों व नदियों पर 'मत्स्य मित्र' एवं कुशल गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, सिविल सर्जन, धनबाद को किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए घाटों पर एम्बुलेंस और मेडिकल टीमों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है।

प्रकाश व्यवस्था एवं 24 घंटे नियंत्रण कक्षः महाप्रबंधक, झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (JBVNL), धनबाद को छठ घाटों और वहां तक पहुंचने वाले सभी मार्गों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, अनुमण्डल पदाधिकारी, धनबाद द्वारा जिला स्तर पर 24 घंटे कार्यरत नियंत्रण कक्ष (Control Room) का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

यातायात, भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा बलः वरीय पुलिस अधीक्षक, धनबाद को सुगम यातायात और भीड़ नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले घाटों को चिन्हित कर वहां विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।
उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं छठ पूजा समितियों को उपरोक्त सभी निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का सख्त आदेश दिया है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में छठ महापर्व मना सकें।

छठव्रतियों के बीच विधायक राज सिन्हा ने बांटी साड़ी, आम की लकड़ी और गंगाजल

विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पहुंचकर किया पूजन सामग्री का वितरण, छठ घाटों पर भी उपलब्ध कराया जाएगा गंगाजल



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन धनबादः लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने बुधवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में छठव्रतियों के बीच साड़ी, आम की लकड़ी और पवित्र गंगाजल का वितरण किया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। विधायक ने कुस्तौर जोड़ाचिमनी नंबर तीन, बेकारबांध दुर्गा मंडप, मां लहरा देवी मंदिर गोधर, केंदुआ पांच नंबर पासवान बस्ती, केंदुआ ई-बी सेक्शन पंचमुखी हनुमान मंदिर, नया धौड़ा कुस्तौर, करकट धौड़ा, बशीर मोड़ कॉलोनी और हीरापुर हिंदू मिशन रोड सहित कई स्थानों पर पहुंचकर छठव्रतियों के बीच पूजन सामग्री वितरित की। उन्होंने छठी मैया से सभी के सुख, समृद्धि और परिवार के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर वार्ड पार्षद अशोक पाल ने कहा कि विधायक द्वारा वर्षों से छठव्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण करना सराहनीय पहल है। वहीं, मंडल अध्यक्ष रंजय सिंह ने कहा कि त्योहारों के अवसर पर जरूरतमंद परिवारों के बीच पहुंचकर उनकी सहायता करना विधायक की जनसेवा और सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विधायक राज सिन्हा ने सभी छठव्रतियों को महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए भगवान सूर्य और छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने बताया कि छठ पूजा के दिन भी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर पूजा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए गंगाजल उपलब्ध कराया जाएगा। इस दौरान हुल्लास दास, पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, टुन्ना सिंह, सरोज शुक्ला, कपिलदेव पासवान, अमित सिंह, बबलू कुमार, राजेश कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

मौर्य एक्सप्रेस में जगह नहीं मिलने पर यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेन से भेजा गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- रेलवे की उद्घोषणा और आरपीएफ की मदद से भीड़ का किया गया प्रबंधन

धनबादः धनबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने वैकल्पिक ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की। बुधवार रात धनबाद से रक्सौल स्पेशल ट्रेन करीब 1200 यात्रियों को लेकर रवाना हुई। इसके बाद रात 9:35 बजे मौर्य एक्सप्रेस के पहुंचने पर करीब 600 यात्री उसमें सवार होने के इंतजार में थे। ट्रेन पहले से ही यात्रियों से भरी होने के कारण करीब 350 यात्री ही इसमें सवार हो सके। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों ने स्लीपर कोचों में जाकर यात्रियों से धैर्य बनाए रखने और चढ़ने के दौरान जल्दबाजी नहीं करने की अपील की। वहीं, वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम ने लगातार उद्घोषणा कर यात्रियों को बरौनी के रास्ते जाने वाली वैकल्पिक स्पेशल ट्रेनों की जानकारी दी। इसी क्रम में रात 10:17 बजे पोत्तनूर-दरभंगा स्पेशल ट्रेन (06189) धनबाद स्टेशन पहुंची। इसमें अपेक्षाकृत कम भीड़ थी। मौर्य एक्सप्रेस में जगह नहीं मिलने वाले शेष यात्रियों ने इस ट्रेन से अपनी यात्रा जारी रखी। रेलवे के अनुसार, कर्मचारियों और आरपीएफ के समन्वित प्रयास से यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेन की सुविधा मिली और भीड़ का प्रबंधन किया गया। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कुछ समाचार पत्रों में भीड़ की स्थिति को अफरा-तफरी के रूप में प्रस्तुत किए जाने से यात्रियों में अनावश्यक भ्रम पैदा हो सकता है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए लगातार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को धनबाद-पटना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का भी परिचालन किया गया। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे उपलब्ध स्पेशल ट्रेनों का लाभ उठाएं, अनुचित टिकट लेकर आरक्षित कोचों में यात्रा न करें तथा ट्रेन में चढ़ते समय धैर्य बनाए रखें और जल्दबाजी से बचें। इससे आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को भी परेशानी नहीं होगी।

बैंक मोड़ के डीएमसी मॉल में नगर निगम का अतिरिक्त काउंटर शुरू, पानी और होल्डिंग टैक्स से जुड़े काम होंगे आसान

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- पुराने कार्यालय का काउंटर भी रहेगा चालू, सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मिलेगी सुविधा

धनबादः शहरवासियों को नगर निगम से संबंधित सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से धनबाद नगर निगम ने एक नई पहल की है। इसके तहत बैंक मोड़ स्थित डीएमसी मॉल में पानी और होल्डिंग टैक्स से संबंधित कार्यों के लिए एक अतिरिक्त काउंटर शुरू किया गया है। यह काउंटर मॉल के ग्राउंड फ्लोर स्थित G-7 में संचालित होगा। नगर निगम की ओर से शुरू किए गए इस काउंटर पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। खास बात यह है कि नगर निगम के पुराने कार्यालय में पहले से संचालित काउंटर भी पूर्व की तरह चालू रहेगा। इससे शहरवासियों को अब दो स्थानों पर निगम से संबंधित कार्य कराने की सुविधा मिलेगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नगर निगम कार्यालय में होने वाली भीड़ और लंबी कतारों को कम करना है। अक्सर पानी और होल्डिंग टैक्स से जुड़े कार्यों के लिए लोगों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है। अतिरिक्त काउंटर शुरू होने से इस समस्या में कमी आने की उम्मीद है। नगर निगम की इस पहल से विशेषकर बैंक मोड़ और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को सहूलियत मिलेगी। दो स्थानों पर काउंटर उपलब्ध होने से नागरिकों का समय बचेगा और निगम की सेवाओं तक उनकी पहुंच भी आसान होगी।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ झारखंड अभिभावक महासंघ ने खोला मोर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- बुक लिस्ट के साथ प्रकाशकों के नाम वेबसाइट पर सार्वजनिक नहीं करने पर जताई नाराजगी, कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

धनबादः निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ झारखंड अभिभावक महासंघ ने मोर्चा खोल दिया है। महासंघ के अध्यक्ष पप्पू सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर जिला स्तरीय शुल्क समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों को सख्ती से लागू कराने की मांग की। महासंघ ने ज्ञापन में बताया कि 22 अप्रैल 2026 को आयोजित जिला स्तरीय शुल्क समिति की बैठक में निर्णय लिया गया था कि सभी निजी स्कूल नवंबर के प्रथम सप्ताह तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर पुस्तकों की सूची के साथ प्रकाशकों के नाम भी सार्वजनिक करेंगे। इसके बावजूद निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी किसी निजी स्कूल ने इसका अनुपालन नहीं किया है। महासंघ ने आरोप लगाया कि निजी स्कूल सरकारी निर्देशों की अनदेखी कर रहे हैं और शिक्षा विभाग इस मामले में उदासीन बना हुआ है। पुस्तकों की सूची और प्रकाशकों के नाम सार्वजनिक नहीं होने से पुस्तक माफियाओं को बढ़ावा मिल रहा है तथा अभिभावकों को आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। महासंघ ने शिक्षा विभाग से अविलंब हस्तक्षेप कर निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने और नियमों की अनदेखी करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर महासंघ आंदोलन करने को बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपने वालों में महासंघ के अध्यक्ष पप्पू सिंह, महासचिव मनोज मिश्रा, वरीय उपाध्यक्ष मुकेश पाण्डेय, कोषाध्यक्ष प्रेम ठाकुर एवं सदस्य सुनील चौधरी शामिल थे।

धनबाद मंडल में मेगा टिकट जांच अभियान, 479 यात्री पकड़े गए

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों से वसूले गए 3.79 लाख रुपये जुर्माना

धनबादः धनबाद रेल मंडल में बिना टिकट और अनियमित रूप से यात्रा करने वालों के खिलाफ लगातार टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार, 12 नवंबर को मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। सुनियोजित तरीके से दिन-रात चले इस अभियान में कुल 479 यात्रियों को पकड़ा गया। इनसे जुर्माने के रूप में 3,79,942 रुपये वसूले गए। अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले, उचित प्राधिकार के बिना सफर करने वाले तथा बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्री पकड़े गए। टिकट जांच टीमों ने विभिन्न स्टेशनों के साथ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में भी सघन जांच की। पकड़े गए यात्रियों को भविष्य में उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की हिदायत दी गई। रेलवे के अनुसार, अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल की ओर से यात्रियों से अपील की गई है कि वे उचित टिकट लेकर ही स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म में प्रवेश करें। साथ ही जिस श्रेणी का टिकट हो, उसी श्रेणी में यात्रा करें। मंडल रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि टिकट जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। यह जानकारी वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह वरीय जनसंपर्क अधिकारी मनीष सौरभ ने दी।

झरिया मास्टर प्लान के कार्यों में तेजी लाने का डीसी ने दिया निर्देश, समय-सीमा में पूरा करना होगा काम

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- बेलगड़िया में सड़क, बिजली, जलापूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की हुई समीक्षा, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

धनबादः समाहरणालय स्थित सभागार में गुरुवार को उपायुक्त सह झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (JRDA) के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में प्राधिकार के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज समेत JRDA के वरीय अधिकारी, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में संशोधित झरिया मास्टर प्लान (RJMP) के तहत पुनर्वास एवं विकास कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। इस दौरान बेलगड़िया में अप्रोच रोड, बाउंड्री वॉल, सिविल कार्य, विद्युत एवं यांत्रिक व्यवस्था तथा पावर इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रगति पर चर्चा हुई। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी केंद्र, जलापूर्ति, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), सुरक्षा व्यवस्था और कौशल विकास कार्यक्रमों की स्थिति का जायजा लिया गया। प्रभावित परिवारों की शिफ्टिंग, भूमि संबंधी समस्याओं, नजारत में लंबित मामलों, निविदाओं की स्थिति तथा पीएमओ समीक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त आदित्य रंजन ने सभी संबंधित विभागों, वेंडरों एवं कार्यकारी एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कार्य गुणवत्ता के निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं। उपायुक्त ने अधिकारियों को नियमित रूप से कार्यस्थलों का निरीक्षण और मॉनिटरिंग करने का निर्देश देते हुए अगली समीक्षा बैठक में अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के साथ उपस्थित होने को कहा।

ब्लास्टिंग से पहले ग्रामीणों को सुरक्षित विस्थापन की व्यवस्था करे बीसीसीएलः सीओ



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

- मंडल केंदुआडीह में परियोजना विस्तार कार्य का निरीक्षण, ड्रिलिंग मशीन तत्काल बंद कराई

कतरास (धनबाद): बाघमारा के अंचल अधिकारी (सीओ) गिरजानंद किस्कू गुरुवार शाम मंडल केंदुआडीह बस्ती पहुंचे। ग्रामीणों के आग्रह पर पहुंचे सीओ ने उनकी समस्याएं सुनीं और बीसीसीएल एरिया वन अंतर्गत संजय उद्योग एवं एएमपी कोलियरी में चल रहे परियोजना विस्तार कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण पथ के समीप ब्लास्टिंग के लिए की जा रही ड्रिलिंग पर उन्होंने तत्काल रोक लगाते हुए मशीन बंद करवा दी। सीओ ने बीसीसीएल के स्थानीय प्रबंधन को सख्त निर्देश दिया कि ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान करें तथा नियमानुसार सुरक्षित विस्थापन की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्देशों का पालन नहीं होने पर प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि वे पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से मंडल केंदुआडीह में रह रहे हैं। ऐसे में वे अपना पुश्तैनी घर छोड़कर कहां जाएंगे। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि पहले प्रबंधन उचित मुआवजा और रहने के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराए। इसके बाद वे स्वयं अपने घर खाली करने को तैयार हैं।

आईआईटी (आईएसएम) को गेट्स फाउंडेशन से मिला 1.38 करोड़ का रिसर्च ग्रांट

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- क्लेब्सिएला न्यूमोनिया बैक्टीरिया के खिलाफ एंटीबायोटिक खोजने के लिए विकसित होंगे प्रेडिक्टिव टूल्स

धनबादः आईआईटी (आईएसएम) धनबाद को अमेरिका के सिएटल स्थित गेट्स फाउंडेशन से 1.38 करोड़ रुपये का अंतरराष्ट्रीय रिसर्च ग्रांट मिला है। इस राशि से संस्थान के शोधकर्ता क्लेब्सिएला न्यूमोनिया बैक्टीरिया के खिलाफ नए एंटीबायोटिक की खोज को गति देने के लिए प्रेडिक्टिव टूल्स विकसित करेंगे। यह बैक्टीरिया गंभीर संक्रमण और एंटीबायोटिक प्रतिरोधक क्षमता के कारण वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के लिए संस्थान के केमिस्ट्री एंड केमिकल बायोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. नीलाद्रि पात्रा को ग्रांट प्रदान किया गया है। 12 अक्टूबर 2026 को हुए समझौते के तहत 1,44,242 अमेरिकी डॉलर (करीब 1.38 करोड़ रुपये) की राशि स्वीकृत की गई है। प्रोजेक्ट की अवधि 30 सितंबर 2028 तक निर्धारित है। 'प्रेडिक्टिव टूल्स फॉर एंटीबायोटिक डिस्कवरी इन क्लेब्सिएला न्यूमोनिया' नामक इस शोध परियोजना का उद्देश्य कंप्यूटेशनल मॉडलिंग और प्रेडिक्टिव तकनीकों की मदद से ऐसे संभावित कंपाउंड की पहचान करना है, जिनसे इस खतरनाक बैक्टीरिया के खिलाफ प्रभावी एंटीबायोटिक विकसित किए जा सकें। इससे दवाओं की खोज की प्रक्रिया तेज होने और एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की चुनौती से निपटने में मदद मिलने की उम्मीद है। प्रो. नीलाद्रि पात्रा ने कहा कि शोध में कंप्यूटेशनल और प्रेडिक्टिव तरीकों का उपयोग कर एंटीबायोटिक की खोज को तेज करने का प्रयास किया जाएगा। इसका उद्देश्य एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की बढ़ती समस्या से निपटने में योगदान देना है। उल्लेखनीय है कि प्रो. पात्रा ने 2013 में यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉय शिकागो से केमिस्ट्री में पीएचडी तथा 2008 में आईआईटी दिल्ली से एमएससी की डिग्री प्राप्त की है। आईआईटी (आईएसएम) में दिसंबर 2017 में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त होने से पहले वे ब्रुकहेवन नेशनल लेबोरेटरी और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पोस्टडॉक्टोरल एसोसिएट के रूप में कार्य कर चुके हैं। जुलाई 2024 में उन्हें एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नति मिली। उनके प्रमुख शोध क्षेत्रों में प्रोटीन-प्रोटीन एवं प्रोटीन-लिगैंड इंटरेक्शन, मॉलिक्यूलर डायनेमिक्स, कंप्यूटेशनल मॉडलिंग और एंजाइम कैटालिसिस शामिल हैं। गेट्स फाउंडेशन से मिला यह अनुदान आईआईटी (आईएसएम) के अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को नई मजबूती देने के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र की गंभीर चुनौती के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

जुआ अड्डे पर शोर मचाने से मना करने पर युवक पर चाकू से जानलेवा हमला, लगे 32 टांके

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- मुर्गा लड़ाई में इस्तेमाल होने वाले धारदार चाकू से किया वार, आरोपी फरार

कतरास (धनबाद): खरखरी ओपी क्षेत्र की बाँसजोड़ा पंचायत में जुआ अड्डे को लेकर हुए विवाद ने बुधवार देर रात हिंसक रूप ले लिया। शोरगुल करने से मना करने पर एक युवक पर धारदार चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना में विशाल श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके चेहरे, गर्दन के ऊपरी हिस्से और हाथों पर गहरे जख्म आए हैं। उसे इलाज के दौरान 32 टांके लगाए गए हैं। फिलहाल भुरुंगिया स्थित एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार देर रात डीपीएलएम प्लस टू उच्च विद्यालय की चहारदीवारी के पीछे जुआ अड्डा संचालित हो रहा था। वहां हो रहे शोरगुल को सुनकर स्थानीय युवक विशाल श्रीवास्तव मौके पर पहुंचा और जुआ खेल रहे युवकों को हल्ला करने से मना किया। इसी बात को लेकर उसकी स्थानीय युवक विराट रवानी उर्फ किसमिस से कहासुनी हो गई। बताया जाता है कि विवाद के कुछ देर बाद रात करीब 12 बजे विशाल अपने एक मित्र के साथ शिव मंदिर के समीप टहल रहा था। इसी दौरान आरोप है कि विराट रवानी उर्फ किसमिस वहां पहुंचा और मुर्गा लड़ाई में इस्तेमाल होने वाले धारदार चाकू से विशाल पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। शोर सुनकर पहुंचे परिजनों और स्थानीय लोगों ने घायल विशाल को तत्काल भुरुंगिया स्थित निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। डॉक्टर उसकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इधर, घायल के पिता किशोर श्रीवास्तव ने खरखरी ओपी में विराट रवानी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि हमले के दौरान आरोपी ने उनके पुत्र की जेब से 7,300 रुपये भी छीन लिए। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से आरोपी फरार बताया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

छठ महापर्व को लेकर जामसिंघ तालाब की सफाई में उतरे युवा, चला श्रमदान अभियान

छठ व्रतियों की सुविधा के लिए घाट को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में जुटे ग्रामीण युवा, लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील



दुलमी। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर जामसिंघ तालाब एवं छठ घाट की साफ-सफाई का अभियान चलाया जा रहा है। समाजसेवी राजू कुमार महतो की पहल पर स्थानीय युवा श्रमदान कर तालाब और घाट को स्वच्छ बनाने में जुटे हैं। युवाओं ने तालाब के आसपास जमा कचरा, प्लास्टिक, झाड़ियां और पूजा सामग्री हटाकर सफाई की। अभियान में सोनू कुमार, लखेश्वर कुमार, पंकज चौधरी, निखिल मुंडा, नीतीश मुंडा एवं घनश्याम कुमार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सभी युवा मिलकर छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट को साफ-सुथरा और व्यवस्थित बनाने में जुटे हैं। इस मौके पर समाजसेवी राजू कुमार महतो ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता और स्वच्छता का प्रतीक है। ऐसे में तालाब एवं छठ घाट की सफाई करना केवल कुछ लोगों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से घाट पर गंदगी नहीं फैलाने और स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की। युवाओं के इस सामूहिक प्रयास से गांव में सामाजिक एकता, सहयोग और जनभागीदारी का संदेश मिल रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए युवाओं के प्रयास को सराहनीय बताया।

दिगवार के गिरी तालाब की सफाई अधूरी, छठ व्रतियों को हो सकती है परेशानी

सांसद प्रतिनिधि ने किया घाट का निरीक्षण, नगर परिषद से सभी छठ घाटों की सफाई कराने की मांग



कुजू। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के दिगवार वार्ड संख्या चार स्थित गिरी तालाब का गुरुवार को सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तालाब और छठ घाट की साफ-सफाई अधूरी पाई गई। इस पर चिंता जताते हुए वार्ड के जमादार सूरज कुमार से संपर्क कर सफाई कार्य की स्थिति की जानकारी ली गई।इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी, रामगढ़ नगर परिषद से मांग की गई कि नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में स्थित छठ घाटों का स्वयं निरीक्षण कराकर विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। छठ महापर्व में अब कम समय शेष है। ऐसे में घाटों की समय पर सफाई, स्वच्छता और अन्य जरूरी सुविधाएंसुनिश्चित करना आवश्यक है।

भव्य शोभायात्रा के साथ भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमाओं का विसर्जन, मेधावी छात्र हुए सम्मानित



बोकारोः सेक्टर-2डी स्थित मां अम्बे गार्डन सहित सेक्टर-6, सेक्टर-12 और चास के विभिन्न क्षेत्रों में कायस्थ समाज द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई। पूजन के उपरांत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, वहीं नन्हे कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। कायस्थ परिवार के अध्यक्ष गोरख प्रसाद सिन्हा की अध्यक्षता में भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। विभिन्न इलाकों से लाई गई प्रतिमाओं की झांकियां प्रशासनिक भवन के समीप एकत्रित हुईं, जहां देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।

इसके बाद श्रद्धालु एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर भाईचारे का संदेश देते हुए चास स्थित सोलगीडीह तालाब पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नम आंखों से प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष गोरख प्रसाद सिन्हा, महासचिव मृत्युंजय प्रसाद सिन्हा, कोषाध्यक्ष संजय कर्ण, संरक्षक बी.बी.एल. श्रीवास्तव, नवल किशोर प्रसाद, पांडेय कृष्ण कुमार, अमरनाथ लाल दास, परिणव कुमार, अनिल कुमार श्रीवास्तव, विश्वराज आनंद, दिलीप श्रीवास्तव, राजीव कंठ, वंदना वर्मा और के.एन. प्रसाद सहित समाज के कई गणमान्य लोग सक्रिय रहे।

राजकुमार महतो पुनः बने जदयू के युवा प्रदेश सचिव

पतरातू में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश कमेटी ने सौंपी जिम्मेदारी, पार्टी विस्तार का लिया संकल्प



कुजू। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) झारखंड प्रदेश कमेटी ने राजकुमार महतो पर पुनः भरोसा जताते हुए उन्हें युवा प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। बुधवार को पतरातू प्रखंड स्थित मिडवे होटल एंड रिसॉर्ट में जदयू युवा प्रदेश कमेटी का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें राजकुमार महतो को दोबारा प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

पुनः जिम्मेदारी मिलने पर राजकुमार महतो ने प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उनका लक्ष्य झारखंड के सभी जिलों और प्रखंडों में संगठन का विस्तार कर युवाओं को पार्टी से जोड़ना है।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो, युवा प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिन्हा, जगदीश महतो, कौशल कुमार, रामगढ़ जिला अध्यक्ष ज्योतेंद्र साहू, युवा जिलाध्यक्ष भूषण उरांव, मांडू प्रखंड अध्यक्ष बालेश्वर तुरी, रांची लिा अध्यक्ष दिलीप कुमार महतो, प्रदेश सचिव सोहेल अंसारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने राजकुमार महतो को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

महापर्व छठ को लेकर 13 से 16 नवंबर तक शहर में मिट मछली मुर्गा दुकान व कसाईखाना रहेगा बंद : कार्यपालक पदाधिकारी

साहिबगंज।संवाददाता। चार दिवसीय लोक आस्था नेम निष्ठा सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा को लेकर चार दिनों तक शहर में मिट मछली मुर्गा दुकान व कसाईखाना बंद रहेगा। नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने आम सूचना जारी करके निर्देश दिया है कि नगर परिषद क्षेत्र में 13 नवंबर से 16 नवंबर तक एक भी मिट मछली मुर्गा दुकान ओर कसाईखाना बूचड़खाना वधशाला पूर्णता बंद ओर बिक्री वर्जित रहेगा। अगर इसका उनलंघन करते पाए जाने पर नगरपालिका एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत दुकानदार ओर उक्त व्यक्ति पर सख्त से सख्त कार्रवाई दुकानदारों पर की जाएगी।

13 सूत्री मांगों को लेकर ड्राइवरों ने शुरू किया स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन

राष्ट्रीय मुख्यधारा



डुमरी। अपनी 13 सूत्री मांगों के समर्थन में गुरुवार से ऑल झारखंड ड्राइवर ट्रेड यूनियन के बैनर तले जुटे ड्राइवरों ने एनएच-19 टोल प्लाजा के समीप अनिश्चितकालीन स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन शुरू किया। इस दौरान ड्राइवरों ने कहा कि लंबे समय से उनकी मांगों को अनसुना किया जा रहा है। वाहन चालक दिन-रात सड़क पर जान जोखिम में डालकर देश की अर्थव्यवस्था को चलाता है, परंतु उन्हें न तो सुरक्षा मिल रही है और न ही सम्मान। इसी को लेकर पहिया जाम किया गया है। ड्राइवरों की प्रमुख मांगों में राष्ट्रीय ड्राइवर सुरक्षा कानून लागू करना, राष्ट्रीय ड्राइवर आयोग तथा प्रत्येक राज्य में ड्राइवर आयोग व वेलफेयर बोर्ड का गठन करना शामिल है। ड्राइवरों का अनिवार्य दुर्घटना एवं जीवन बीमा, हेल्थ कार्ड से कैशलेस इलाज, 55 वर्ष के बाद पेंशन, रैन बसेरा व श्रमगृह, ड्यूटी के दौरान उत्पीड़न व मारपीट पर रोक, निश्चित कार्य समय, उचित वेतन व ओवरटाइम की व्यवस्था की मांग की गई है।इसके अलावा दुर्घटना में निष्पक्ष जांच, निर्दोष चालक को कानूनी सहायता, बच्चों की शिक्षा व रोजगार के लिए विशेष योजना, परिवार सहायता योजना, अवैध वसूली व दलाली पर रोक तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक ही ड्राइवर पहचान-पत्र व डिजिटल कार्ड जारी करने की भी मांग है।इस दौरान जिला अध्यक्ष भुनेश्वर पासवान, कोषाध्यक्ष जमालुद्दीन, सचिव बालगोविंद वर्मा, उप-सचिव कमरुद्दीन अंसारी, उपाध्यक्ष तैमूर अंसारी, प्रवक्ता राजकुमार यादव, मीडिया प्रभारी इकरार अली, कार्यकारी अध्यक्ष बिनोद मंडल, संचालक धीरेन्द्र राणा, सलाहकार चंदन अरविंद, जावेद खान, आशीष यादव, कलीम अंसारी, सुनील राय, ईश्वर पासवान, अमूल अंसारी आदि उपस्थित थे।

'वुमेन कॉन्क्लेव 2026' में महिला नेतृत्व और आत्मनिर्भरता पर मंथन



राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। महिलाओं को नेतृत्व के अवसर उपलब्ध कराने, उद्यमिता को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को फिरायालाल बैंक्वेट हॉल में 'वुमेन कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन किया गया। ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस (एआईपीसी) और चैरिटेबल चार्म्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की थीम 'ब्रेकिंग द ग्लास सीलिंगः वीमेन लीडिंग चेंज' थी। इसका नेतृत्व डॉ. ख्याति मुंजाल ने किया। कॉन्क्लेव में राजनीति, उद्यमिता, शिक्षा, चिकित्सा, कॉरपोरेट और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी हस्तियों ने हिस्सा लिया। चर्चा के दौरान महिला नेतृत्व, आर्थिक आत्मनिर्भरता, समान अवसर और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी जैसे मुद्दे उठाए गए। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को समान अवसर और नेतृत्व की जिम्मेदारी दिए बिना समग्र विकास संभव नहीं है। इस अवसर पर डॉ. ख्याति मुंजाल को ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस की झारखंड स्टेट हेड की जिम्मेदारी सौंपे जाने की भी जानकारी दी गई।

सोसो कलां पंचायत भवन में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन, ग्रामीणों को किया गया जागरूक

राष्ट्रीय मुख्यधारा



गोला। प्रखंड क्षेत्र के सोसो कलां पंचायत सचिवालय में 12 नवम्बर 2026 को वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं, बचत, बीमा, पेंशन, डिजिटल लेन-देन तथा विभिन्न सरकारी वित्तीय योजनाओं के प्रति जागरूक करना था।

शिविर के दौरान उपस्थित भारतीय रिजर्व बैंक के मैनेजर सोहम कुमार रामगढ़ जिला के अग्रणी जिला के प्रतिनिधि रोहिणी स्टेला,सोसो कलां पंचायत के मुखिया मो० लईक आलम तथा गोला प्रखण्ड के बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर अनिशा सिन्हा,एचडीएफसी बैंक और केनरा बैंक के प्रतिनिधि रानी प्रसाद सिन्हा साथ मे स्वधार फिनएक्सेस से राम प्रवेश चौधरी और बैंक ऑफ इंडिया के बीसी अशफाक अहमद,सरस्वती देवी, सुरेश ठाकुर उपस्थित रहे। ग्रामीणों को बैंक खाते के सही उपयोग, नियमित बचत के महत्व, डिजिटल बैंकिंग तथा सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के बारे में भी बताया गया।

कार्यक्रम में वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को जागरूक किया गया कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक से सावधान रहें। ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई।

इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों कोर्ट सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार अपनाने, बचत की आदत विकसित करने तथा वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। वित्तीय साक्षरता ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक जागरूकता, आत्मनिर्भरता और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम का उद्देश्यः ग्रामीणों को वित्तीय रूप से जागरूक एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से किया गया।

कलश यात्रा के साथ पांच दिवसीय भास्कर पूजन महोत्सव का शुभारंभ, पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो हुए शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा





पेटरवार। पेटरवार के कसमार रोड स्थित पटवा टोला में गुरुवार को पांच दिवसीय सार्वजनिक भास्कर पूजन सह छठ पूजा महोत्सव का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में युवतियों एवं महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो भी शामिल हुए। भास्कर सेवा समिति, पेटरवार (पटवा टोला) के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान छठी मैया एवं भगवान भास्कर के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। 12 से 16 नवंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में वैदिक पूजन, आदित्य स्त्रोत पाठ, नित्य भास्कर पूजन, संध्या आरती, अर्घ्य, हवन एवं प्रतिमा विसर्जन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

झारखंड के 26 वर्षों की विकास-यात्रा को जनभागीदारी और सांस्कृतिक गौरव के साथ मनाएंः उपायुक्त अजय नाथ झा

राष्ट्रीय मुख्यधारा



बोकारोः झारखंड राज्य गठन के छब्बीस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन द्वारा विकास के छब्बीस वर्ष - आस्था और विश्वास के छब्बीस वर्ष थीम पर आगामी पंद्रह से अट्ठाइस नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर उपायुक्त अजय नाथ झा ने संबंधित जिला पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं और सभी प्रस्तावों की तैयारियां समयबद्ध व सुव्यवस्थित तरीके से पूरी करने के साथ विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

उपायुक्त ने कहा कि झारखंड की छब्बीस वर्षों की इस विकास यात्रा को जनभागीदारी, आदिवासी सांस्कृतिक विरासत, खेल, शिक्षा, कला और संस्कृति के माध्यम से भव्य रूप से प्रदर्शित किया जाए, ताकि राज्य की तमाम उपलब्धियों से आम नागरिकों को सीधे तौर पर जोड़ा जा सके। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सुबह छह से आठ बजे तक छठ घाट तक रन या वॉक का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही एक विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। छठ घाट को आस्था और विश्वास के छब्बीस वर्ष थीम पर बेहद आकर्षक ढंग से ब्रांडेड किया जाएगा।

इस पखवाड़े के दौरान पारंपरिक आदिवासी खेल, स्थानीय खेल विधाओं और हॉकी प्रतियोगिताओं के साथ-साथ निबंध लेखन, कविता लेखन, काव्य पाठ, चित्रकला और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भागीदारी के लिए रांची भेजा जाएगा। जिला मुख्यालय के टाउन हॉल में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी संस्कृति, परंपरा और ऐतिहासिक लुगुबुरु की विशिष्ट पहचान को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

26 से 28 नवंबर तक खेल गांव में जिला स्तरीय प्रदर्शनीः खेल गांव में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रदर्शनी में जिले की विकास यात्रा, प्रमुख उपलब्धियों, स्थानीय उत्पादों, पर्यटन स्थलों और आर्थिक गतिविधियों को जीवंत रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके लिए एक जिला-एक उत्पाद, एक जिला-एक पर्यटन स्थल तथा एक जिला-एक आर्थिक गतिविधि की थीम पर विशेष रूप से तीन स्टॉल लगाए जाएंगे।

सामाजिक सरोकारों से जुड़े होंगे विविध आयोजनः नवंबर माह में चलने वाले इन कार्यक्रमों के तहत सखी सम्मेलन, महिला सशक्तिकरण, स्वयं सहायता समूहों की उपलब्धियों, नशामुक्ति जागरूकता अभियान तथा बधाई हो, बेटी हुई है अभियान के माध्यम से बालिका जन्म और बेटियों के सम्मान का मजबूत संदेश समाज में दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों और पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ इन आयोजनों को अत्यधिक आकर्षक और जनभागीदारी से परिपूर्ण बनाने का निर्देश दिया है।

विश्वनाथ महतो मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल का मुकेश महतो ने किया उद्घाटन



राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। पेटरवार +2 उच्च विद्यालय मैदान में आयोजित विश्वनाथ महतो मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले का उद्घाटन गुरुवार को झारखंड सरकार के मंत्री श्री योगेंद्र प्रसाद के प्रतिनिधि सह झामुमो जिला सचिव मुकेश कुमार महतो ने किया। इस दौरान स्थानीय लोगों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने उनका भव्य स्वागत किया। उन्होंने मैदान में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारा है। ऐसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं तथा आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मौके पर खेल समिति अध्यक्ष बबली जैन, संरक्षक अजय सिंह, खेल प्रभारी अनुज सिंह, सचिव सानू अहमद, प्रकाश महतो, आहसनुल अंसारी, अभय सिंह, प्रभाकर कुमार, कालीचरण महतो सहित अन्य गणमान्य लोग एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे।

डीवीसी के विकास से जुड़ेगी जन-जन की समृद्धि, प्रदूषण से मिलेगी निजात : चेयरमैन राजेश पांडेय

राष्ट्रीय मुख्यधारा कुमार संजय



बोकारो थर्मल : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के चेयरमैन राजेश पांडेय (भाप्रसे) गुरुवार को कोलकाता मुख्यालय की उच्चस्तरीय टीम और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बोकारो थर्मल के महत्वपूर्ण दौरे पर पहुंचे। निदेशक भवन आगमन पर डीवीसी के परियोजना प्रधान (एचओपी) मधुकर श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (ओएंडएम) राजेश विश्वास और महाप्रबंधक (एचआर) एए कुजूर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर चेयरमैन राजेश पांडेय, उनकी धर्मपत्नी शालिनी पांडेय, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) संजीव श्रीवास्तव तथा अधिशासी निदेशक (प्रोजेक्ट) राजेश कुमार का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर सीआईएसएफ के सहायक अवर निरीक्षक कौशिक सरकार एवं जवानों की टुकड़ी ने चेयरमैन को भव्य गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया।

दौरे के क्रम में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए चेयरमैन राजेश पांडेय ने डीवीसी की कार्यप्रणाली में सुधार, मौजूदा विद्युत संयंत्रों के सुदृढ़ीकरण, विस्थापितों के कल्याण और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से क्षेत्र के समग्र विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि डीवीसी की स्थापना का मूल ध्येय संपूर्ण दामोदर घाटी क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करना है और इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए सबका साथ लेकर आगे बढ़ने के संकल्प के साथ यह दौरा किया जा रहा है।

चेयरमैन ने बताया कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता मौजूदा पावर प्लांटों की कार्यक्षमता और परफॉर्मेंस को और बेहतर बनाना है। इसके साथ ही भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए नए संयंत्रों की स्थापना के लिए भूमि की उपलब्धता और बुनियादी आवश्यकताओं पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। चंद्रपुरा में प्रस्तावित 800-800 मेगावाट की दो नई अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल यूनिटों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि वे शुक्रवार को चंद्रपुरा पावर प्लांट का दौरा कर वहां की जमीनी स्थिति और समस्याओं की समीक्षा करेंगे। बोकारो थर्मल में भी किसी नए बड़े पावर प्लांट की स्थापना के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी विभिन्न तकनीकी और भूमि संबंधी पहलुओं का आकलन किया जा रहा है, सकारात्मक परिणाम सामने आने पर इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

सोलर और फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट्स का होगा विस्तारः बोकारो थर्मल और चंद्रपुरा क्षेत्र में ऐश डिस्पोजल (राख निस्तारण) के कारण स्थानीय ग्रामीणों को होने वाली प्रदूषण की समस्या पर चेयरमैन ने बेहद संवेदनशील रुख दिखाया। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस गंभीर समस्या का दीर्घकालिक और पर्यावरण के अनुकूल स्थायी समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि राख के परिवहन से प्रभावित होने वाले गांवों को धूल और प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए कवर्ड (ढंके हुए) और इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से कंटेनराइज्ड मूवमेंट की आधुनिक व्यवस्था लागू करने की योजना पर काम चल रहा है। चेयरमैन ने विस्थापितों और स्थानीय नागरिकों को सीधा संदेश देते हुए कहा कि डीवीसी जनता का अपना संस्थान है और यदि स्थानीय लोगों का सकारात्मक सहयोग मिलेगा, तो क्षेत्र की सामूहिक प्रगति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि जब डीवीसी के संयंत्र निर्बाध रूप से चलेंगे और मुनाफा अर्जित करेंगे, तो उसका सीधा लाभ क्षेत्र के विकास और जनकल्याण में ही लगेगा। पारंपरिक थर्मल ऊर्जा के साथ-साथ डीवीसी हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भी तेजी से कदम बढ़ा रहा है और भूमि की उपलब्धता के आधार पर सोलर ऊर्जा तथा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट्स का निरंतर विस्तार किया जा रहा है।

- **मौजूदा प्लांटों के सुदृढ़ीकरण और नए प्रोजेक्ट्स पर मंथन, ढंके ई-वाहनों से होगी अब छाई की दुलाई**

ऐश पौंड का किया स्थलीय निरीक्षण, स्प्रिंकलर लगाने का दिया भरोसाः दौरे के दौरान चेयरमैन राजेश पांडेय ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डीवीसी के ऐश पौंड का सघन स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने एचओपी मधुकर श्रीवास्तव और जीएम एचआर एए कुजूर के साथ छाई उठाव की वर्तमान प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर जीएम एचआर ने अवगत कराया कि एनएचएआई और हजारीबाग मार्ग के जरिए छाई उठाव का कार्य युद्धस्तर पर जारी है तथा 16 नवंबर के बाद से प्रतिदिन 6,000 मीट्रिक टन से अधिक छाई उठाव का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पिछले दिनों बारिश और त्योहारों के कारण राजमार्गों पर वाहनों के फंसने से परिवहन में जो अस्थायी बाधा आई थी, उसे अब पूरी तरह दुरुस्त कर लिया गया है। निरीक्षण स्थल पर मौजूद गोविंदपुर ए पंचायत के पंचायत समिति सदस्य (पंसस) अख्तर अंसारी ने चेयरमैन के समक्ष ऐश पौंड से उड़ने वाली राख और गांवों में होने वाले प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसके त्वरित निदान के लिए पूरे पौंड परिसर में वाटर स्प्रिंकलर लगाने की मांग की, जिस पर चेयरमैन ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए इसे शीघ्र पूरा करने का ठोस आश्वासन दिया। इस अवसर पर सीआईएसएफ के सहायक समादेष्टा अरुण कुमार गिरी, निरीक्षक अजीत कुमार शर्मा, बोकारो थर्मल थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रोहित कुमार सिंह और अवर निरीक्षक दीपक कुमार पासवान भी सशस्त्र बल के जवानों के साथ सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहे।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

भगवान गणेश की पूजा सबसे पहले क्यों की जाती है?

हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य, पूजा-पाठ, नए उद्यम या धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत भगवान गणेश की वंदना और पूजा से करने की एक अत्यंत प्राचीन और अडिग परंपरा है। सनातन मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश को प्रथम पूज्यनीय देवता माना गया है, और ऐसी दृढ़ आस्था है कि किसी भी कार्य के आरंभ में उनकी आराधना करने से मार्ग में आने वाली समस्त बाधाएं और संकट दूर हो जाते हैं। यही प्रमुख कारण है कि उन्हें स्नेह और आदर के साथ 'विघ्नहर्ता' और 'मंगलकर्ता' के रूप में संबोधित किया जाता है। परंतु, क्या कभी आपने विचार किया है कि भगवान गणेश को अन्य सभी देवी-देवताओं से पहले पूजे जाने का यह विशिष्ट अधिकार और गौरव कैसे प्राप्त हुआ था? इसके पीछे एक बेहद रोचक और प्रेरणादायक पौराणिक कथा छिपी हुई है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, प्राचीन काल में एक बार सभी देवी-देवताओं के बीच इस बात को लेकर लंबी चर्चा और असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई कि संपूर्ण ब्रह्मांड में सबसे पहले किस देवता की पूजा की जानी चाहिए। इस गंभीर प्रश्न का सटीक और निष्पक्ष उत्तर प्राप्त करने के लिए सभी देवता देवाधिदेव भगवान शिव के पास पहुँचे। तब भगवान शिव ने सभी देवताओं के समक्ष एक अनोखी शर्त रखी। उन्होंने स्पष्ट घोषणा की कि जो भी देवता सबसे पहले अपनी पूरी गति और सामर्थ्य के साथ संपूर्ण ब्रह्मांड की परिक्रमा करके कैलाश वापस लौटेगा, वही तीनों लोकों में सबसे पहले पूजा जाने का अधिकारी और प्रथम पूज्यनीय कहलाएगा। शिव जी की इस शर्त के घोषित होते ही पराक्रमी भगवान कार्तिकेय ने बिना एक पल गंवाए अपने वाहन मोर पर सवार होकर तुरंत ब्रह्मांड की परिक्रमा करने के लिए लंबी और कठिन यात्रा शुरू कर दी। इसके विपरीत, भगवान गणेश का वाहन एक छोटा सा चूहा था, जिसके लिए अपने उस सीमित वाहन पर बैठकर संपूर्ण ब्रह्मांड की विशाल परिक्रमा करना बिल्कुल भी आसान कार्य नहीं था। लेकिन संकट की इस घड़ी में भगवान गणेश ने अपनी अद्वितीय बुद्धिमानी, चातुर्य और विवेक का अद्भुत परिचय दिया। उन्होंने तनिक भी संकोच न करते हुए अपने स्थान पर माता पार्वती और भगवान शिव की सात बार विधिवत परिक्रमा पूरी कर ली। परिक्रमा समाप्त करने के बाद भगवान गणेश ने अत्यंत विनम्रता और तार्किकता से भगवान शिव को समझाया कि माता-पिता में ही संपूर्ण ब्रह्मांड, समस्त लोक और संपूर्ण सृष्टि का वास होता है। भगवान गणेश की इस अगाध बुद्धि, माता-पिता के प्रति अटूट निष्ठा और अनन्य भक्ति से भगवान शिव और माता पार्वती अत्यंत प्रसन्न हुए। उनकी इस विलक्षण समझ से संतुष्ट होकर शिव जी ने गणेश जी को यह आशीर्वाद प्रदान किया कि आज से सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले उन्हीं की पूजा की जाएगी। इसी पौराणिक प्रसंग के बाद से हर शुभ कार्य में सबसे पहले गणेश जी की पूजा करने की सनातन परंपरा चली आ रही है।

छठ महापर्वः लोक आस्था, प्रकृति उपासना और सामाजिक समरसता का अनुपम पर्व



आस्था, अनुशासन, पवित्रता और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम है छठ; सूर्योपासना के माध्यम से मानव जीवन को प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता है यह महापर्व।

राजीव रंजन

भारत की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में छठ महापर्व का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोक आस्था, आत्मसंयम, पवित्रता, प्रकृति प्रेम और सामाजिक समरसता का अद्भुत प्रतीक है। सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना को समर्पित यह पर्व भारतीय संस्कृति की उस जीवनदृष्टि को प्रदर्शित करता है, जिसमें प्रकृति को ही जीवन का आधार और ईश्वर का स्वरूप माना गया है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला छठ महापर्व चार दिनों तक चलने वाला कठिन साधना और तपस्या का पर्व है। इसकी शुरुआत नहाय-खाय से होती है। दूसरे दिन खरना के अवसर पर व्रती पूरे दिन उपवास रखकर शाम को प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रत का समापन किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में स्वच्छता, शुद्धता, नियम और आत्मानुशासन का विशेष महत्व होता है। छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य की उपासना की जाती है। अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देना जीवन के संघर्षों और उपलब्धियों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है, वहीं उगते सूर्य की आराधना नई ऊर्जा, आशा और सकारात्मकता का संदेश देती है। यह परंपरा हमें सिखाती है कि जीवन में अस्त और उदय दोनों का समान महत्व है। सफलता के साथ-साथ संघर्ष और कठिनाइयों का भी सम्मान करना चाहिए।

इस महापर्व का प्रकृति से गहरा संबंध है। पूजा में बांस के सूप, दौरा, मिट्टी के दीपक, मौसमी फल, गन्ना, नारियल और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया जाता है। नदी, तालाब और जलाशयों के किनारे सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। यह पर्व हमें जल, वायु, सूर्य और धरती जैसे प्राकृतिक संसाधनों के महत्व का एहसास कराता है। आज जब पर्यावरण प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का असंतुलित दोहन गंभीर चुनौती बन चुका है, तब छठ का प्रकृति संरक्षण का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। छठ महापर्व सामाजिक एकता और समरसता की भी अनुपम मिसाल है। इस पर्व में जाति, वर्ग, भाषा और आर्थिक स्थिति का कोई भेदभाव नहीं दिखाई देता। सभी लोग एक साथ घाटों की सफाई करते हैं, सजावट करते हैं और व्रतियों की सेवा में जुट जाते हैं। समाज के हर वर्ग की सहभागिता इस पर्व को विशेष बनाती है। कहीं लोग घाटों की सफाई करते हैं, तो कहीं दूध, फल, पूजन सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण कर सेवा भाव प्रकट करते हैं। यही सामूहिकता भारतीय समाज की वास्तविक शक्ति है। छठ पर्व में मातृशक्ति की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। व्रती महिलाएं कठिन नियमों और संयम के साथ परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की मंगलकामना और सबके कल्याण के लिए सूर्यदेव की आराधना करती हैं। हालांकि इस पर्व में पुरुष भी समान श्रद्धा और निष्ठा के साथ व्रत रखते हैं। यह पर्व त्याग, समर्पण और पारिवारिक एकजुटता का संदेश देता है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से निकलकर आज छठ महापर्व देश-दुनिया के अनेक हिस्सों में अपनी सांस्कृतिक पहचान स्थापित कर चुका है। महानगरों से लेकर विदेशों तक बसे भारतीय समुदाय के लोग पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ इस पर्व को मनाते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि छठ केवल किसी क्षेत्र विशेष का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की व्यापक पहचान बन चुका है। धनबाद सहित पूरे झारखंड में छठ की छटा देखते ही बनती है। शहरों और गांवों के तालाबों, नदियों एवं जलाशयों के किनारे श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है। घाटों की सफाई, आकर्षक सजावट, भक्ति गीतों की गूंज और व्रतियों की सेवा में जुटे लोगों का उत्साह इस पर्व को जीवंत बना देता है। इस अवसर पर प्रशासन, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों की सामूहिक भागीदारी भी सराहनीय होती है। आज आवश्यकता है कि हम छठ की धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ इसके मूल संदेशों को भी अपने जीवन में आत्मसात करें। स्वच्छता को केवल पर्व तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। जलाशयों को प्रदूषित न करें, प्लास्टिक का उपयोग कम करें और प्रकृति के संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। साथ ही, समाज में प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करें। वास्तव में छठ महापर्व हमें सिखाता है कि प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। सूर्य की ऊर्जा, जल की पवित्रता और धरती की उदारता ही मानव अस्तित्व का आधार है। इसलिए इस महापर्व की सार्थकता केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान, समाज के प्रति संवेदनशीलता और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने में है। छठ महापर्व आस्था का उत्सव होने के साथ-साथ मानवता, प्रकृति प्रेम और सामाजिक एकता का महापर्व भी है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता और भारतीय संस्कृति की सबसे सुंदर पहचान है।



"प्रकृति कभी जल्दबाजी नहीं करती, फिर भी उसका हर काम समय पर पूरा हो जाता है।"
-लाओ त्सु
"दूसरों को जानना बुद्धिमत्ता है, खुद को जानना ही असली ज्ञान है।"
-लाओ त्सु



शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि आज दोपहर 03:22 बजे तक रहेगी, जिसके उपरांत चतुर्थी तिथि आरंभ हो जाएगी। अभिजित मुहूर्त : पूर्वाह्न 11:44 बजे से दोपहर 12:27 बजे तक, विजय मुहूर्त : दोपहर 01:53 बजे से 02:37 बजे तक पूर्वाह्न 10:43 बजे से दोपहर 12:04 बजे तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

धनु राशि का स्वामित्व गुरु ग्रह के पास है, जिसके प्रभाव से ये बच्चे तीव्र बुद्धि वाले और ज्ञान के पिपासु होते हैं। कला, साहित्य, प्रशासन, शिक्षा, प्रबंधन, खेलकूद या तकनीकी क्षेत्रों में ये बच्चे काफी नाम कमाते हैं। इनकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतरीन होती है।

मेष राशि : आज दिन कॉन्फिडेंस और टेक्सटाइल कारोबारियों फायदा मिलने से पक्ष मजबूत रहेगा।

वृषभ राशि : अनुकूल कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों सहयोग मिलने के साथ व्यापार अवसर मिलेंगे।

मिथुन राशि : आज क्रोध नियंत्रण रखने आवश्यकता क्योंकि लापरवाही काम बिगड़ सकते हैं।

कर्क राशि : आज दिन मानसिक शांति लाएगा जिसमें कारोबार रुका हुआ पैसा सकता है।

सिंह राशि : आज दिन पराक्रम आत्मविश्वास बढ़ाएगा जिससे सामाजिक लोगों सम्मान मिलेगा।

कन्या राशि : आज वाणी संयम रखना चाहिए ताकि किसी विवाद न हो मामलों निर्णय लें।

तुला राशि : आज सभी कार्य पूरे होंगे जिससे व्यापार नए अनुबंध मिलने स्थिति मजबूत होगी।

वृश्चिक राशि : आज खर्चों नियंत्रण रखने जरूरत और खरीदारी बचते हुए विरोधियों सतर्क रहें।

धनु राशि : आज दिन शुभ रहेगा जिसमें व्यापार डील फाइनल होने लाभ मिलेगा।

मकर राशि : आज कार्यक्षेत्र जिम्मेदारी मिल सकती जिसे मेहनत निभाएंगे संपत्ति योग हैं।

कुंभ राशि : आज दिन ऊर्जावान रहेगा और रचनात्मक कार्यों रुचि बढ़ने कला सराहना होगी।

मीन राशि : आज धन लाभ अवसर प्राप्त होंगे जिसमें नौकरीपेशा अधिकारियों प्रशंसा मिलेगी।

देशभक्ति पर तकरार क्यों? राहुल गांधी का बढ़ता आत्मविश्वास क्या कोई राजनीतिक संदेश है ?

सौरभ वार्ष्णेय

देशभक्ति किसी राजनीतिक दल या विचारधारा की बपौती नहीं है। यह संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति नागरिकों की निष्ठा से जुड़ी भावना है। फिर आखिर देशभक्ति को लेकर राजनीतिक तकरार क्यों ? क्या राष्ट्रप्रेम का प्रमाण एक-दूसरे पर आरोप लगाकर और बहस की चुनौती देकर दिया जाएगा? भारतीय राजनीति में इन दिनों जिस तरह बयानबाजी और कटाक्ष का दौर तेज हुआ है, उसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बदला हुआ राजनीतिक तेवर विशेष चर्चा का विषय बन गया है।

देश में कथित वोट चोरी और मतदाता सूची की पारदर्शिता को लेकर विपक्षी आंदोलन शुरू होने के बाद राहुल गांधी लगातार केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर हैं। अब उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री को सीधे बहस की चुनौती देकर राजनीतिक सरगर्मी और बढ़ा दी है। राजनीति में एक-दूसरे पर कटाक्ष करना और सवाल उठाना नई बात नहीं है, लेकिन आंदोलन के बीच राहुल गांधी का इस तरह आत्मविश्वास के साथ सामने आना कई राजनीतिक संकेत दे रहा है। सवाल है कि क्या यह केवल उनकी व्यक्तिगत राजनीतिक शैली में बदलाव है या विपक्ष की बदलती रणनीति का हिस्सा?

दरअसल, राहुल गांधी लंबे समय से अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता और नेतृत्व क्षमता को लेकर उठते सवालों का सामना करते रहे हैं। लेकिन अब उनका आक्रामक अंदाज, सरकार से सीधे सवाल और चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगातार हमले यह संकेत दे रहे हैं कि वह विपक्ष की राजनीति में अपनी भूमिका को नए सिरे से स्थापित करना चाहते हैं। वोट चोरी का मुद्दा उनके लिए केवल चुनावी आरोप नहीं, बल्कि लोकतंत्र और मतदाता के अधिकारों से जुड़ा ऐसा विषय बन गया है, जिसके सहारे कांग्रेस विपक्षी दलों को एक साझा मंच पर लाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी के बढ़ते आत्मविश्वास के पीछे बदलता राजनीतिक माहौल भी एक कारण हो सकता है। जिस तरह उनके समर्थन में विपक्षी दलों और कार्यकर्ताओं की सक्रियता दिखाई दे रही है, उससे कांग्रेस को उम्मीद बंधी है कि वह इस मुद्दे को व्यापक जनआंदोलन का रूप दे सकती है। हालांकि, किसी नेता के पक्ष में बनता राजनीतिक माहौल स्थायी जनसमर्थन का प्रमाण नहीं होता। उसे चुनावी परिणामों और जनता के वास्तविक विश्वास की कसौटी पर ही परखा जा सकता है। फिर भी इतना स्पष्ट है कि राहुल गांधी अब केवल सरकार की आलोचना करने वाले नेता की भूमिका तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि विपक्ष के प्रमुख चेहरे के रूप में अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं।

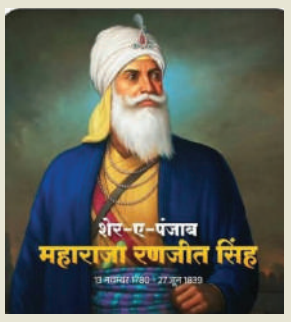
प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती देना भी इसी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि बहस किस मुद्दे पर होगी? क्या देश को केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की बहस चाहिए या चुनाव सुधार, बेरोजगारी, महंगाई, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर गंभीर संवाद की आवश्यकता है? लोकतंत्र में प्रधानमंत्री और विपक्ष के बीच नीतिगत बहस निश्चित रूप से स्वस्थ परंपरा हो सकती है, लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों को तथ्यों और तर्कों के साथ सामने आना होगा। केवल चुनौती देना और उसे राजनीतिक सुर्खियों में बदल देना जनता की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता। यहां देशभक्ति का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। सरकार की आलोचना करना देश का विरोध करना नहीं है और सरकार का समर्थन करना ही राष्ट्रभक्ति का प्रमाण नहीं हो सकता। सत्ता पक्ष को विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहिए, वहीं विपक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह अपने आरोपों को प्रमाणों के साथ जनता के सामने रखे। यदि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि आरोप गलत हैं तो तथ्यों के आधार पर उनका खंडन किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता किसी एक दल का नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र का विषय है। वास्तव में राहुल गांधी के इस बदले तेवर के पीछे एक बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा हो सकता है। कांग्रेस यह समझ रही है कि केवल चुनावी हार-जीत पर प्रतिक्रिया देने से विपक्ष मजबूत नहीं होगा। उसे ऐसे मुद्दे उठाने होंगे, जो आम मतदाता के अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था से सीधे जुड़े हों।

13 नवंबर 1780 : सनातन धर्म के रक्षक और खालसा साम्राज्य के संस्थापक महाराजा रणजीत सिंह का जन्म

अफगान क्षेत्रों में विजय प्राप्त कर फहराया भगवा ध्वज, कोहिनूर हीरा जगन्नाथ मंदिर को भेंट करना चाहते थे

रमेश शर्मा

महाराजा रणजीत सिंह ऐसे वीर सम्राट थे, जिन्होंने अफगान क्षेत्रों में विजय प्राप्त कर भगवा ध्वज फहराया और इतिहास प्रसिद्ध हमलावर अहमद शाह अब्दाली के वंशजों से सुप्रसिद्ध कोहिनूर हीरा वापस प्राप्त किया। ऐसे पराक्रमी, दूरदर्शी और अपना संपूर्ण जीवन भारत राष्ट्र एवं संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित करने वाले महाराजा रणजीत सिंह का जन्म 13 नवंबर 1780 को गुजरांवाला में हुआ था। वर्तमान में यह क्षेत्र पाकिस्तान में स्थित है। वे अपने शौर्य, पराक्रम, सूझबूझ और रणनीतिक कौशल के लिए इतिहास में प्रसिद्ध हैं। वे सिख साम्राज्य के संस्थापक थे। उनका पूरा जीवन भारत राष्ट्र और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उनके राज्य की सीमाएं अटक, पेशावर, काबुल और जमरूद तक फैली थीं। उन्होंने अपने शासनकाल में इन सभी क्षेत्रों में सनातन परंपराओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया। उनके पिता सरदार महासिंह भी वीर योद्धा थे। महाराजा के मन में गुरु गोविंद सिंह के संकल्प और गुरु तेग बहादुर के बलिदान की स्मृतियां सदैव जीवंत रहीं। यही संस्कार उन्हें बचपन से मिले थे। उन दिनों पंजाब और कश्मीर के अधिकांश क्षेत्रों पर अफगानों का शासन था। कहीं-कहीं सिख सूबेदारों का प्रभाव था और कुछ स्थानों पर उनकी छोटी-छोटी रियासतें थीं। महाराजा रणजीत सिंह के पिता महासिंह सुकरचकिया मिसल के सेनानायक थे। पश्चिमी पंजाब स्थित इस क्षेत्र का मुख्यालय गुजरांवाला था। बचपन में उन्हें चेचक हुई, जिसके कारण उनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। पिता का सान्निध्य भी उन्हें अधिक समय तक नहीं मिल सका। रणजीत सिंह अभी 12 वर्ष के ही थे कि उनके पिता का निधन हो गया। उनकी देखभाल माता महताब कौर ने की। माता के संरक्षण और पिता के सहयोगियों के मार्गदर्शन में उन्होंने जीवन की समझ विकसित की और युद्धकला सीखी। उन दिनों पूरे पंजाब के सामाजिक जीवन में एक विशेष प्रकार का तनाव व्याप्त था। मुगल सल्तनत भले ही अपने अंतिम दौर में थी, लेकिन उसके संरक्षण में पनपे कट्टरपंथी समूह सनातन समाज के मतांतरण का अभियान चला रहे थे। दूसरी ओर अंग्रेज भी अपने पैर जमाने के लिए प्रतिदिन नई कूटनीतिक चालें चल रहे थे। इसी वातावरण में रणजीत सिंह ने अपनी राजनीतिक और सैन्य यात्रा आगे बढ़ाई तथा युद्ध के मैदान में अपनी शक्ति का परिचय दिया। वर्ष 1799 में उन्होंने लाहौर पर अपना ध्वज फहरा दिया और इसे अपने राज्य की राजधानी बनाया। वर्ष 1801 में उनका विधिवत राज्याभिषेक हुआ। इसके बाद उन्होंने अमृतसर की ओर कदम बढ़ाए। वर्ष 1805 में अमृतसर पर भी उनका अधिकार हो गया। उनकी वीरता और नीतिगत निर्णयों से व्यापक समाज प्रभावित हुआ। सिख योद्धाओं के साथ अन्य सनातन परंपरा से जुड़े योद्धा भी उनकी कमान में एकत्र होने लगे। इससे उनकी सैन्य शक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने कसूर, जम्मू, मुल्तान, कांगड़ा और शिमला सहित कश्मीर पर भी अपना प्रभाव स्थापित किया। उन्हें जम्मू के डोगरा शासक गुलाब सिंह का भी भरपूर सहयोग मिला। उनके सेनानायक जोरावर सिंह के सहयोग से लद्दाख पर भी अधिकार स्थापित हुआ। इस प्रकार राज्य की सीमाओं का विस्तार होता गया। उन्होंने साम्राज्य के प्रत्येक प्रमुख स्थान पर किलेदार नियुक्त किए। इससे प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़ हुई और समाज का मनोबल बढ़ा। महाराजा रणजीत सिंह जानते थे कि अस्तित्व की रक्षा के लिए समृद्धि और राज्य विस्तार के साथ शौर्य एवं सैन्य शक्ति भी आवश्यक है। उन्होंने अपने साम्राज्य की सुरक्षा के लिए विशाल सेना तैयार की। इसमें 92 हजार पैदल सैनिक, 31 हजार घुड़सवार, 384 भारी और 400 हल्की तोपें थीं। उनकी दूरदर्शी रणनीति के चलते ही भारत की पश्चिमी सीमा पर सदियों से हो रहे आक्रमणों पर प्रभावी रोक लगी। महाराजा की सैन्य शक्ति को देखकर अंग्रेज भी हतप्रभ थे। उन्होंने कूटनीति का सहारा लिया और महाराजा के सामने मित्रता संधि का प्रस्ताव रखा। महाराजा ने इसे स्वीकार कर लिया और वर्ष 1809 में अंग्रेजों के साथ मित्रता संधि हुई। इसके अंतर्गत अंग्रेजों ने महाराजा की राज्य सीमा को स्वीकार किया और सतलुज नदी के पश्चिमी तट तक महाराजा के अधिकार क्षेत्र को मान्यता दी। इस संधि के बाद महाराजा रणजीत सिंह ने अपनी सेना के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने यूरोपीय सैन्य अधिकारी बापिस्ते वेंचूरा को पैदल सेना तथा जीन फ्रांसिस अलार्ड को घुड़सवार सेना के प्रशिक्षण का दायित्व सौंपा। बंदूकों के निर्माण के लिए क्लाड आगरस्ट तथा बारूद एवं अन्य युद्धोपकरणों के लिए हंगरी के होनाइजर की सेवाएं लीं। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए अपने राज्य को खालसा पंथ की परंपराओं के अनुरूप संचालित किया, ताकि व्यापक समाज सुरक्षित रह सके और अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेज सके। उनके शौर्य, सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक संरक्षण की चर्चा पूरे भारत में हुई। वे एक आदर्श शासक के रूप में लोकप्रिय हुए। महाराजा रणजीत सिंह को अफगान क्षेत्रों में विजय के बाद जो स्वर्ण प्राप्त हुआ था, उसका आधा हिस्सा उन्होंने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर और आधा काशी विश्वनाथ मंदिर को समर्पित किया। इसी अभियान के दौरान उन्होंने हमलावर अहमद शाह अब्दाली के वंशजों से प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा प्राप्त किया। महाराजा इस हीरे को पुरी के जगन्नाथ मंदिर को भेंट करना चाहते थे, लेकिन कोषाध्यक्ष बेलीराम की कथित कुनीति के कारण उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। आगे चलकर अंग्रेजों ने इस हीरे पर अधिकार कर लिया और इसे लंदन भेज दिया।



महाराजा रणजीत सिंह ने लगभग 38 वर्षों तक शासन किया। उनके राज्य में विभिन्न वर्गों की उन्नति हुई और सनातन समाज का आत्मविश्वास लौटा। ऐसे महानायक का निधन 27 जून 1839 को हुआ। उनकी समाधि लाहौर में बनी है। उनके निधन के बाद आंतरिक सत्ता संघर्ष आरंभ हो गया और मात्र नौ वर्षों के भीतर सिख साम्राज्य बिखर गया।

अमेरिका में ट्रंप की करारी हार, अहंकारी नेताओं को सबक

सनत जैन

अमेरिका के 3 नवंबर 2026 के मध्यावधि चुनाव परिणामों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति को जबरदस्त झटका दिया है। अमेरिका और इजरायल के मतदाताओं ने अपने अहंकारी नेताओं का अहंकार अपने मताधिकार से ठिकाने लगा दिया है। अमेरिका में यह रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी पराजय नहीं, बल्कि ट्रंप की नीतियों, कार्यशैली और उनके अहंकारी नेतृत्व के खिलाफ अमेरिकी मतदाताओं का स्पष्ट संदेश है। इस चुनाव के जो परिणाम अभी तक प्राप्त हुए हैं, उसमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इसे ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को उन राज्यों में भी नुकसान उठाना पड़ा, जिसे रिपब्लिकन का मजबूत गढ़ माना जाता था। टेक्सास में रिपब्लिकन के गवर्नर ग्रेग एबॉट को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जीना हिनोजोसा ने पराजित किया है। जॉर्जिया में कीशा लांस बॉटम्स, ओहायो में एमी एक्टन और आयोवा में रॉब सैंड ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों को हराकर गवर्नर का पद हासिल किया। इसके अलावा नेवादा में भी डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों की जीत ने रिपब्लिकन पार्टी की चिंता बढ़ाई है। सीनेट में टेक्सास, आयोवा, कंसास, ओहायो, मेन, नॉर्थ कैरोलाइना और साउथ कैरोलाइना जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर डेमोक्रेटिक ने जीत दर्ज की है। प्रतिनिधि सभा में दो दर्जन से अधिक सीटें रिपब्लिकन पार्टी के हाथ से निकल गई हैं। यह परिणाम बताता है, अमेरिकी मतदाता अब ट्रंप के राजनीतिक प्रभाव से प्रभावित होकर आंख मूंदकर मतदान करने के लिए तैयार नहीं हैं। अमेरिका की जनता ने कट्टरपंथी विचारधारा को नकार दिया है। ट्रंप की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण अमेरिकी नागरिकों की आर्थिक परेशानी रही। महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें, खाद्य वस्तुओं की महंगाई और आयात शुल्क (टैरिफ) नीति ने आम अमेरिकी परिवारों का जीना मुहाल कर दिया था। दूसरे देशों के साथ व्यापारिक संबंधों में तनाव ने अमेरिकी कारोबार को भी प्रभावित किया। इसके साथ ही ईरान के साथ युद्ध ने ट्रंप की लोकप्रियता को भारी नुकसान पहुंचाया। अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई के बाद मध्यपूर्व में अस्थिरता बढ़ी, जिससे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई। ऊर्जा की कीमतों का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ा। मतदाताओं ने यह सवाल समय-समय पर उठाया था, जब अमेरिका में महंगाई और आर्थिक समस्याएं हैं। ईरान से कोई सीधा झगड़ा अमेरिका का नहीं था। नेतन्याहू के कहने पर डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्ध में अमेरिका को फंसा दिया। विदेशी युद्धों में इतना पैसा अमेरिका क्यों खर्च कर रहा है। इसका लगातार विरोध अमेरिका में हो रहा था। इस चुनाव का बड़ा असर इजराइल पर पड़ना तय है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इजराइल में हार गए हैं। ट्रंप प्रशासन के साथ नजदीकी रिश्तों को विदेश नीति की बड़ी ताकत माना था। अब अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी का नियंत्रण होने से इजराइल को मिलने वाली सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और ईरान के खिलाफ अमेरिकी रणनीति पर भारी बदलाव हो सकते हैं। इजराइल की जनता ने चुनाव परिणाम को नेतन्याहू के नेतृत्व की विफलता से जोड़ना शुरू कर दिया है। इजरायल के नागरिकों को भी ईरान के साथ युद्ध की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। अमेरिका में इजराइल के प्रति समर्थन अब पहले जैसा निर्विवाद नहीं रहेगा। भविष्य में इजराइल को अमेरिकी समर्थन बनाए रखने के लिए दोनों देशों को अपने नए रिश्ते तैयार करने होंगे। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की पराजय के बाद ईरान के लिए यह परिणाम एक नई राजनीतिक संभावना लेकर आया है। डेमोक्रेटिक बहुमत वाली कांग्रेस ट्रंप प्रशासन से युद्ध के खर्च, सैन्य कार्रवाई और ईरान के साथ बातचीत और समझौते के लिए दबाव बना सकती है। सैन्य बजट और युद्ध संबंधी फैसलों पर भी अमेरिकी संसद की निगरानी बढ़ेगी, ट्रंप के फैसलों पर अब संसद का नियंत्रण होगा। इससे ईरान के साथ युद्धविराम और कूटनीतिक समझौते की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। यह क़हना जल्दबाजी होगी, ट्रंप अपनी ईरान नीति को तत्काल बदलने तैयार होंगे, क्योंकि अभी भी राष्ट्रपति के पास विदेश नीति और सैन्य कार्रवाई के व्यापक अधिकार बने रहेंगे। भारत के लिए अमेरिकी चुनाव परिणाम के दो पहलू हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति पर कांग्रेस का अंकुश बढ़ सकता है, जिससे भारतीय निर्यातकों को राहत मिलने की संभावना है। दूसरी तरफ रूस से भारत के तेल आयात, व्यापार समझौते, वीजा और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर अभी भी अमेरिकी दबाव बना रहेगा।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन**। बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव**. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ० यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

छठ-कार्तिक पूर्णिमा से पहले सोनपुर-हाजीपुर स्टेशन पहुंचे डीआरएम, पेयजल-सफाई और भीड़ प्रबंधन को लेकर दिए निर्देश

हाजीपुर। छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए आने-जाने वाले यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन ने 12 नवंबर को सोनपुर और हाजीपुर रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं और भीड़ प्रबंधन की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान DRM ने सोनपुर और हाजीपुर स्टेशन पर बनाए जा रहे होल्डिंग एरिया का जायजा लिया। उन्होंने यात्रियों की भीड़ को व्यवस्थित करने और उन्हें स्टेशन पर बेहतर सुविधा देने के लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। अमित सरन ने स्टेशन परिसर में पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने और साफ-सफाई बनाए रखने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि पर्व के दौरान यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो और सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएं। DRM ने कहा कि पर्व और धार्मिक अवसरों पर यात्रियों व श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुगम यात्रा प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति न बने। निरीक्षण के दौरान मंडल के विभिन्न शाखा अधिकारी, हाजीपुर स्टेशन के स्टेशन मास्टर और संबंधित रेलकर्मी मौजूद रहे। सोनपुर मंडल ने पर्व-त्योहारों पर यात्रियों और श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सुगम रेल यात्रा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई।



कपड़े के गोदाम में आग लगी, भारी मात्रा में रेडिमेड कपड़े जलकर खाक, एक घंटे बाद आग पर काबू

पटना। बिहटा स्टेशन रोड में गुरुवार को रेडिमेड कपड़े के एक गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि दमकल की कई गाड़ियों को करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद इस पर काबू पाने में सफलता मिली। आग लगने की घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गोदाम से उठती आग की तेज लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। वहीं, दमकल विभाग की टीम लगातार आग बुझाने का प्रयास कर रही थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग कैसे लगी, इसका स्पष्ट कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। गोदाम में भारी मात्रा में रेडिमेड कपड़े रखे होने की बात सामने आ रही है। आग की चपेट में आने से लाखों रुपये के कपड़े जलकर बर्बाद होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अब तक गोदाम के मालिक की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है। आग लगने के कारणों और वास्तविक नुकसान का आकलन भी अभी तक नहीं हो पाया है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है।



अनंत सिंह ने घुड़दौड़ की तैयारियों का जायजा लिया, 10 बीघा जमीन में बन रहा मैदान, 10-10 घोड़े एक साथ दौड़ेंगे



पटना। मोकामा विधायक अनंत कुमार सिंह की बेटी की शादी 25 नवंबर को होगी। शादी के दौरान नदावां में घुड़दौड़ प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। पहले स्थान पर आने वाले घुड़सवार को थार, दूसरे को मोटरसाइकिल और तीसरे को स्कूटी मिलेगी। गुरुवार को अनंत कुमार सिंह अपने पैतृक गांव नदावां पहुंचे। उन्होंने समर्थकों के साथ आयोजन स्थल का जायजा लिया। प्रयागराज से लौटकर पटना पहुंचे अनंत सिंह अब शादी की तैयारियों की निगरानी के लिए नदावां में रहेंगे। निरीक्षण के दौरान वे मैदान में अपने घोड़े को अभ्यास कराते भी दिखे। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए राजस्थान, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से घुड़सवार और उनके घोड़े पहुंचने लगे हैं। आयोजन के लिए करीब 10 बीघा जमीन पर मैदान तैयार किया गया है। पुरस्कार देने के लिए मंच भी बनाया जा रहा है। शादी समारोह के लिए करीब 10 बीघा जमीन पर पंडाल तैयार किया जा रहा है। करीब चार लाख लोगों के भोजन की व्यवस्था की बात सामने आई है। दूसरे राज्यों से आने वाले घुड़सवारों और उनके सहयोगियों के ठहरने और भोजन का इंतजाम भी किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, शादी में बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्म जगत की कई हस्तियों के शामिल होने की संभावना है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से किशोर की मौत, लोगों ने पहुंचाया अस्पताल, आधार कार्ड लेने नानी के घर आया था

हाजीपुर। वैशाली के जंदाहा थाना क्षेत्र के विशनपुर खोपी में बुधवार शाम सड़क हादसे में 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उसे सदर अस्पताल हाजीपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के ताजपुर थाना क्षेत्र के चक सिकंदर मारीपुर गांव निवासी कुशेश्वर सहनी के बेटे अरविंद कुमार के रूप में हुई है। वह मजदूरी कर परिवार की मदद करता था। आधार कार्ड लेने के लिए नानी के घर आया हुआ था। जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब चार बजे अरविंद बाइक से जा रहा था। इसी दौरान विशनपुर खोपी के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोग और परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर ले गए। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

वैशाली में दरवाजे पर मिला विवाहिता का शव, पति पर हत्या का आरोप, 4 महीने का बेटा

हाजीपुर। वैशाली जिले के चांदपुरा थाना क्षेत्र के आजमपुर गांव में 22 वर्षीय महिला का शव घर के दरवाजे पर मिला। मायके वालों ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद पति को छोड़कर ससुराल के अन्य सदस्य घर से फरार हैं। मृतका की पहचान जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव निवासी अर्जुन राम की बेटी मोनी कुमारी के रूप में हुई है। उसकी शादी दो साल पहले शिवमोहन राम से हुई थी। उसका चार महीने का बेटा है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि पति शिवमोहन राम का अपनी बड़ी भाभी से प्रेम-प्रसंग था। मोनी इसका विरोध करती थी। इस बात को लेकर पति उसके साथ मारपीट करता था। परिजनों के मुताबिक, पति की बड़ी भाभी ने फोन कर मोनी की मौत की सूचना दी थी। इसके बाद मायके वाले आजमपुर पहुंचे, जहां घर के दरवाजे पर शव मिला। मोनी के दादा जागुनंदन राम ने आरोप लगाया कि उसके पति ने हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया। उन्होंने कहा कि पति के अपनी बड़ी भाभी से संबंध थे, जिसका मोनी विरोध करती थी। पहले भी पति उसे किराए के मकान में छोड़कर अपनी भाभी के पास चला गया था। सूचना मिलने पर चांदपुरा थानाध्यक्ष शालिनी कुमारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। परिजनों से लिखित आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। मृतका के ससुराल वाले फिलहाल फरार हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की वजह स्पष्ट होगी।

पटना में 2 बच्चों की लाश कुएं से मिली, 2 की तलाश जारी

एजेंसी, पटना



- महिला बोली- 4 बच्चों को मेरे सामने मारकर फेंका

पटना से सटे मोकामा में एक कुंए से 2 बच्चों की लाश मिली है। गांव वालों का कहना है कि कुएं में 4 बच्चों को फेंका गया है। पुलिस 2 अन्य बच्चों की तलाश कर रही है। जिन बच्चों की लाश मिली में उनकी पहचान रजनीश कुमार और मिलन कुमार के रूप में हुई है। घटना मोकामा के बरहपुर गांव की है। गांव के लोगों का कहना है एक महिला बकरी चरा रही थी। वो गांव में आई और उसने सबको कहा कि एक आदमी ने चार बच्चों को मार कर कुएं में फेंक दिया है। वो बच्चों की लाश देखकर बेहोश हो गई। गांव वालों ने महिला की बात पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर मोकामा थाना पुलिस और बाढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रामकृष्ण कुमार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से 2 बच्चों की लाश निकाली गई है। अन्य बच्चों की तलाश जारी है।

फोन पर मिली मौत की जानकारी: मृतक मिलन की मां ने बताया कि, मुझे पता नहीं है कि कौन फोन किया है। 3 बजे कॉल आया कि तुम्हारे बेटे को मारकर कुंए में गिराया है। मुझे नहीं पता किसने फोन किया था। वहीं रजनीश के पिता रामप्रवेश ने बताया कि उनका लड़का सुबह 7 बजे से लापता था, एक घंटा पहले ही कॉल पर इस बारे में जानकारी मिली। मेरा लड़का इन चारों के साथ पहले कभी नहीं गया। ना ही हमारा किसी के साथ कोई विवाद है।

लाश पर चोट के निशान: जिन दो बच्चों की लाश कुएं से निकाली गई है, उनके सिर पर चोट के निशान हैं। लोगों का कहना है कि मारपीट कर बच्चों को कुएं में फेंका गया है। एसडीपीओ 1 बताया कि इन बच्चों को मारा गया है और उसी के बाद या तो ये गिरे हैं या फेंका गया है। जांच जारी है। ग्रामीणों ने 4 हत्या की बात कही है,इस पर एसडीपीओ ने बताया कि आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन दो शव बहुत पहले ही मिल गए थे, बाकी के लिए प्रयास जारी है।

गेस्ट हाउस में युवक की संदिग्ध मौत, कमरे में मिला शव

एजेंसी, पटना



पटना के मीठापुर पुरानी बस स्टैंड स्थित गेस्ट हाउस में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। शव कमरे में मिला है। गले में गमछा लिपटा हुआ था। बॉडी फर्श पर पड़ी थी। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिला के लगमा निवासी रवि कुमार सिंह(31) के रूप में हुई है। मध्यप्रदेश में कारोबार करते थे। पोल्ट्री फार्म और दूसरे बिजनेस करते थे।

मंगलवार रात को कमरा बुक किया था: जानकारी के अनुसार, रवि कुमार सिंह 10 नवंबर की रात से श्रीराम गेस्ट हाउस के 203 नंबर कमरे में ठहरे हुए थे। इसके बाद गुरुवार सुबह शव मिला। जानकारी मिलने पर जक्कनपुर पुलिस मौके पर पहुंची।

जांच के लिए FSL को बुलाया गया: मामले की गंभीरता को देखते हुए FSL की टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। गेस्ट हाउस में कोई सीसीसीटीवी कैमरा भी नहीं है।

'कमरा लेने 2 लोग आए थे': होटल स्टाफ राजा कुमार ने बताया कि 10 तारीख की रात(बुधवार) में 9:45 बजे दो लोग रूम लेने आए थे। 500 रुपए में पर डे के हिसाब से रुम दिया। मृतक के साथ एक और व्यक्ति थे, जिन्होंने अपना नाम सुरेश वर्मा बताया था। उस समय उनका मोबाइल डिस्चार्ज था, तो आईडी नहीं दे पाए थे। गुरुवार सुबह 7:30 बजे मैं ऊपर पेमेंट लेने के लिए गया। दरवाजा बंद था। मुझे लगा कि गहरी नींद में सो रहे हैं, तो जोर जोर से दरवाजा खटखटाने लगा। इसी बीच दरवाजा खुल गया।

मौत का कारण स्पष्ट नहीं: फिलहाल युवक की मौत के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

रौशन आनंद ने छठ पर किया भाई प्रिंस को याद, व्रती महिलाओं को बांटी साड़ी

एजेंसी, पटना



पटना में छठ महापर्व को लेकर बाजारों से लेकर घरों तक तैयारियां चल रही हैं। शिक्षक रौशन आनंद ने सामाजिक पहल करते हुए 100 से अधिक छठ व्रती महिलाओं के बीच साड़ी, सूप और पूजा की सामग्री का वितरण किया। उनका कहना है कि इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक या किसी अन्य परेशानी के कारण महिलाओं को छठ पूजा करने में कोई दिक्कत न हो। छठ के मौके पर जरूरतमंद महिलाओं को पूजा की सामग्री उपलब्ध कराकर उन्होंने पर्व की खुशियों में अपनी भागीदारी निभाई। शिक्षक रौशन आनंद ने बताया कि इस साल उनके भाई का निधन हो गया। भाई के जीवित रहते वे मुख्य रूप से पढ़ने और पढ़ाने के काम पर ही ध्यान देते थे, जबकि सामाजिक कार्यों की जिम्मेदारी उनके भाई संभालते थे। भाई जरूरतमंद लोगों की मदद करने के साथ सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहते थे। उनके निधन के बाद रौशन आनंद ने उनके इन कार्यों को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, '2026 से पहले हम सिर्फ पढ़ने और पढ़ाने के काम में विश्वास रखते थे। हमारा भाई सामाजिक कार्य करता था। अब उसके जाने के बाद हम उसके कामों को आगे बढ़ा रहे हैं। वह जितने भी काम करता था, उन्हें अब हम पूरा करने की कोशिश करेंगे।' रौशन आनंद ने बताया कि इस साल उन्होंने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए बाढ़ प्रभावित लोगों की भी मदद की थी। अब छठ महापर्व के मौके पर 100 से अधिक महिलाओं को पूजा सामग्री दी जा रही है, ताकि वे बिना किसी परेशानी के भगवान सूर्य को अर्घ्य दे सकें।

फर्जी जमीन दिखाकर करोड़ों की ठगी करने वाला सरगना गिरफ्तार, बेऊर पुलिस ने रवि रंजन को पकड़ा

एजेंसी, पटना



- पत्नी और बेटा फरार

फर्जी जमीन और जाली दस्तावेज दिखाकर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी करने के आरोप में गिरोह के सरगना रवि रंजन को बेऊर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसकी पत्नी माधुरी कुमारी और बेटा फरार हैं। पुलिस ने गुरुवार को रवि रंजन को कुशवाहा चौक से पकड़ा। वह पिछले दो साल से फरार था। पुलिस उसकी पत्नी और बेटे की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

फुलवारीशरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-1 सह एएसपी नारायण उपाध्याय ने बताया कि करीब दो साल पहले पटना के बेऊर और जक्कनपुर थाना क्षेत्रों में फर्जी जमीन और कागजात दिखाकर एक दर्जन से अधिक लोगों से ठगी का मामला सामने आया था। जांच में पता चला कि रवि रंजन बिहार के अलग-अलग जिलों में छिपने के बाद दिल्ली में रह रहा था। छठ पूजा के दौरान उसके पटना पहुंचने की सूचना पुलिस को मिली। इसके बाद टीम ने कुशवाहा चौक के पास छापा मारकर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, रवि रंजन ने 2023-24 में बेऊर की तत्कालीन थानाध्यक्ष उषा सिन्हा और उनके परिवार के सदस्यों से भी फर्जी जमीन और दस्तावेज दिखाकर लाखों रुपए की ठगी की थी। जांच में बेऊर थाना क्षेत्र के चार लोगों से करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है।

80 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला: जक्कनपुर थाना क्षेत्र में भी कई लोगों से करीब 80 लाख रुपये की धोखाधड़ी किए जाने की जानकारी मिली है। इतना ही नहीं, आरोपी पर बिहार के सहरसा और शेखपुरा जिले में भी कई लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर फरार होने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, अब तक की जांच में सामने आया है कि रवि रंजन ने अपने गिरोह के माध्यम से एक दर्जन से अधिक लोगों को निशाना बनाकर करोड़ों रुपये की ठगी की है। एसडीपीओ ने बताया कि वर्ष 2024 में संजीव प्रकाश की ओर से रवि रंजन के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। इसके बाद पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन शुरू की। जांच में फर्जी जमीन और दस्तावेज के आधार पर बड़े पैमाने पर ठगी किए जाने की बात सामने आई है।

गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ होगी: पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों, ठगी की रकम और धोखाधड़ी के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। वहीं, रवि रंजन की पत्नी माधुरी कुमारी और उसके बेटे के खिलाफ न्यायालय से वारंट निर्गत होने के बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है। पूरे मामले की गहराई से जांच जारी है।

उलार सूर्य मंदिर में छठ की तैयारी देखने पहुंचे मंत्री, तालाब की सफाई, श्रद्धालुओं के लिए इंतजामों का जायजा लिया

- बंद उलार महोत्सव शुरू कराने की बात कही

एजेंसी, पटना



बिहार के कला एवं संस्कृति मंत्री प्रमोद कुमार ने पटना जिले के उलार सूर्य मंदिर में छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर के तालाब की सफाई और श्रद्धालुओं के लिए किए जा रहे इंतजाम देखे। मंत्री ने पालीगंज अनुमंडल के दुल्हिनबाजार प्रखंड के उलार गांव स्थित ओलार्क (उलार) सूर्य मंदिर पहुंचे। उन्होंने तालाब की सफाई का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

मंदिर में भगवान भास्कर की पूजा की: इसके बाद मंदिर परिसर में छठ पूजा की तैयारियां देखीं। इस दौरान पालीगंज के अनुमंडल पदाधिकारी चंदन कुमार और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के बाद प्रमोद कुमार ने मंदिर में भगवान भास्कर की पूजा की। मंत्री बनने के बाद वह पहली बार उलार सूर्य मंदिर पहुंचे थे। मंदिर कमेटी के सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

देश-विदेश और बिहार के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु आते: प्रमोद कुमार ने कहा कि छठ पूजा की तैयारियों के लिए बिहार सरकार और प्रशासन के अधिकारी घाटों पर सुरक्षा इंतजाम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उलार सूर्य मंदिर में देश-विदेश और बिहार के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु आते हैं। उनके ठहरने, सफाई और शौचालय की व्यवस्था की जा रही है।

मंत्री ने कहा, तैयारियां अंतिम चरण में हैं और बाकी कमियां भी जल्द दूर की जाएंगी। स्थानीय लोगों ने उनसे उलार महोत्सव फिर शुरू कराने की मांग की। इस पर प्रमोद कुमार ने कहा कि इस बार उलार महोत्सव कराया जाएगा और इसकी तैयारी की जाएगी।

इसके अलावा बिहार सरकार के तरफ से लगभग 15 करोड़ की लागत से उदार और मंदिर परिसर में विकास कार्य किया जा रहे हैं जिस पर मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार उलार मंदिर के विकास को लेकर कार्य कर रही है और जल्द ही उसे भी पूरा कर लिया जाएगा ताकि और भी सुविधा इस मंदिर में मिल सके।

बाढ़ में छठ के लिए फलों-पूजन सामग्री की दुकानें सजीं, कद्दू और गन्ने के दाम बढ़े

एजेंसी, पटना



बाढ़ (पटना) के बाजार समिति में छठ पूजा के लिए फल और पूजन सामग्री की दुकानें सज गई हैं। बाजार में केला, सेब, संतरा, अनार, नाशपाती और महताबी समेत पूजा में इस्तेमाल होने वाले फल बिक रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में कई फलों और सब्जियों के दाम बढ़े हैं। दुकानदारों ने बताया कि कद्दू और गन्ने के दाम में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। उनके मुताबिक, अरनब चक्रवात से बिहार में गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचा था। तेज हवाओं से गन्ने के पौधे झुक गए, जिससे बाजार में इसकी आवक कम हुई।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बाजार में कद्दू थोक में 100 से 150 रुपए प्रति पीस बिक रहा है। कद्दू की आवक कम होने से इसके दाम बढ़े हैं। फल विक्रेता मदन मालाकार ने बताया कि छठ पूजा के दौरान फलों की मांग बढ़ जाती है। हाजीपुर से आने वाले केले से सभी बाजारों की मांग पूरी नहीं हो पाती, इसलिए उत्तर प्रदेश और मद्रास से भी केले मंगाए जा रहे हैं।

मदन मालाकार के मुताबिक, दूसरे राज्यों से फल मंगाने पर परिवहन और अन्य खर्च बढ़ते हैं। इसका असर फलों की कीमतों पर पड़ता है। इसी वजह से इस बार फल पिछले साल की तुलना में महंगे बिक रहे हैं। विक्रेता राहुल कुमार ने भी गन्ने के दाम बढ़ने की वजह चक्रवात से फसल को हुए नुकसान और बाजार में कम आवक को बताया।

महंगाई के बावजूद छठव्रतियों के उत्साह में कोई कमी नहीं: छठ पूजा की खरीदारी करने पहुंचीं छठव्रती महिला आशा साहू ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार फलों सहित पूजा में इस्तेमाल होने वाली कई सामग्रियों की कीमतें बढ़ गई हैं। लगातार बढ़ती महंगाई का असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि छठ पूजा आस्था और श्रद्धा का महापर्व है। ऐसे में सामान महंगा होने के बावजूद पूजा के लिए जरूरी सामग्री खरीदनी ही पड़ेगी। उन्होंने कहा कि महंगाई जरूर बढ़ी है, लेकिन छठ पर्व मनाने को लेकर उन्हें कोई दुख नहीं है। कुल मिलाकर, छठ पूजा को लेकर बाढ़ बाजार समिति में फलों और पूजन सामग्री की दुकानें सज चुकी हैं। एक ओर दुकानदार आपूर्ति में कमी और बढ़ती लागत को कीमतों में वृद्धि की वजह बता रहे हैं, तो दूसरी ओर श्रद्धालु महंगाई के बावजूद पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ महापर्व की तैयारियों में जुटे हैं।

फतुहा में विधायक ने छठ घाटों का निरीक्षण किया

पटना। फतुहा में स्थानीय विधायक और पूर्व मंत्री डॉ. रामानंद यादव ने अलग-अलग छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, सुरक्षा, रोशनी, घाटों तक पहुंचने के रास्ते और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने स्थानीय लोगों और संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी भी ली। डॉ. यादव ने अधिकारियों से छठ पूजा से पहले सभी जरूरी काम पूरे करने को कहा। उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा के इंतजाम करने के निर्देश दिए, ताकि छठव्रतियों को गंगा में अर्घ्य देने के दौरान परेशानी न हो। उन्होंने घाटों की व्यवस्था बेहतर बनाने और श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देने की बात कही।

छठ में बिहार लौटने वाली ट्रेनें यात्रियों से भरीं, टॉयलेट के पास भी जगह नहीं

एजेंसी, पटना



- जनरल कोच में क्षमता से तीन गुना यात्री, 18-20 घंटे खड़े सफर

छठ मनाने बिहार लौट रहे यात्रियों की भीड़ से लंबी दूरी की ट्रेनें भर गई हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, सूरत, पंजाब और केरल समेत कई जगहों से आने वाली ट्रेनें यात्रियों से भरी पटना जंक्शन पहुंच रही हैं। जनरल कोच में बैठने की जगह नहीं है और कई यात्रियों को खड़े होने की जगह भी नहीं मिल रही। यात्रियों के मुताबिक, उन्हें टॉयलेट के पास और गेट पर खड़े होकर सफर करना पड़ रहा है। कुछ यात्री 18 से 20 घंटे तक खड़े रहने को मजबूर हैं। पटना जंक्शन पहुंचने वाली राज्यरानी सहरसा एक्सप्रेस, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, हावड़ा-अमृतसर एक्सप्रेस और अर्चना एक्सप्रेस में भी यात्रियों को परेशानी हो रही है। जनरल कोच में तय क्षमता से करीब तीन गुना यात्री सफर कर रहे हैं।

गंदे शौचालय और पानी की परेशानी ने बढ़ाई मुश्किल: कोच में जगह नहीं होने से यात्रियों को अपनी सीट तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। जनरल, स्लीपर और एसी कोच में रिजर्वेशन वाले यात्रियों के लिए भी बैठना मुश्किल हो रहा है। भीड़ के कारण कोच में गर्मी और उमस है। इसका असर बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों पर पड़ रहा है। लंबी दूरी के सफर में उन्हें परेशानी हो रही है। भीड़ के बीच यात्रियों की परेशानी सिर्फ बैठने और खड़े होने तक सीमित नहीं है। शौचालयों में गंदगी और बदबू के कारण यात्रियों को परेशानी हो रही है। कोच में इतनी भीड़ है कि शौचालय तक पहुंचना भी चुनौती बन गया है। वहीं, पानी और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल हो रहा है।

यात्री बोले- हर साल छठ में यही हाल, रेलवे को पहले से करनी चाहिए तैयारी: पटना की एक महिला यात्री ने बताया कि छठ के दौरान हर साल ट्रेनों में भीड़ बढ़ जाती है। इसके बावजूद यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाते। लोगों को घंटों खड़े होकर सफर करना पड़ता है। सरकार और रेलवे को इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। पटना के आनंद कुमार ने बताया कि रेलवे की ओर से कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, लेकिन उनके समय पर नहीं चलने से यात्रियों की परेशानी बढ़ रही है। ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण प्लेटफॉर्म पर भी भीड़ जमा हो रही है। इससे स्टेशन पर अव्यवस्था की स्थिति बन रही है।

परिवार के साथ छठ मनाने के लिए मुश्किल हालात में सफर: सुरेश कुमार ने बताया कि छठ के दौरान बिहार आने वाली ट्रेनों में हर साल ऐसी स्थिति देखने को मिलती है। इसके बावजूद नियमित ट्रेनों में जनरल कोच की संख्या पर्याप्त नहीं बढ़ाई जाती। दूसरे राज्यों में रोजी-रोटी कमाने वाले कामगार परिवार के साथ छठ मनाने के लिए मुश्किल हालात में सफर करने को मजबूर हैं।

यात्रियों ने रेलवे से छठ के दौरान अतिरिक्त जनरल कोच लगाने और स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की मांग की है। साथ ही स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाने और उनके समय पर परिचालन की व्यवस्था करने की अपील की है। यात्रियों का कहना है कि छठ बिहार का सबसे बड़ा लोक आस्था का पर्व है। इस दौरान लाखों प्रवासी अपने घर लौटते हैं। ऐसे में रेलवे को पहले से अतिरिक्त व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि लोगों को त्योहार पर घर पहुंचने के लिए घंटों खड़े होकर और भीड़-भाड़ के बीच जान जोखिम में डालकर सफर न करना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

कराटे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम, जीते 16 पदक

गोरखपुर , एजेंसी। विजय चौक स्थित एक खेल प्रशिक्षण संस्थान के कराटे के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए गोरखपुर सहित पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। दिल्ली के राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक नवंबर को आयोजित एसजीडीएए नेशनल गेम्स-2026 में गोरखपुर की कराटे टीम में शामिल 9 खिलाड़ियों नंदनी मौर्य, राजवीर यादव, अभिषेक गुप्ता, रुद्र मिश्रा, तनिष्क राव, श्रेय शर्मा, अंशिका यादव, इशांत यादव और अंश पांडेय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 16 पदक अपने नाम किए। इनमें 9 स्वर्ण एवं 7 रजत पदक शामिल हैं। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सभी 9 खिलाड़ियों का आगामी अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी खिलाड़ियों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

छठ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, समभाव और लोकमंगल का महोत्सव

वाराणसी , एजेंसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति बिहारी लाल शर्मा ने छठ के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक महत्व पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, समभाव और लोकमंगल की सनातन चेतना का महोत्सव है। कुलपति ने छठ को भारतीय जीवन-दर्शन की समग्रता और प्रकृति के प्रति असीम कृतज्ञता का अनुपम सांस्कृतिक महोत्सव बताया। कुलपति ने बताया कि छठ की सबसे विशिष्ट विशेषता अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य दोनों की समान श्रद्धा से उपासना करना है। अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना समभाव, विनम्रता और कृतज्ञता का आदर्श दर्शाता है। षष्ठी देवी की आराधना मातृत्व, संतान के आरोग्य और परिवार की सुख-समृद्धि की भावना को प्रतिष्ठित करती है। व्रती महिलाओं का त्याग, कठिन तप और अटूट श्रद्धा भारतीय नारी शक्ति की आध्यात्मिक सामर्थ्य का प्रेरक उदाहरण है। यह पर्व परिवार और समाज को श्रद्धा और आत्मीयता के सूत्र में बांधता है। उन्होंने कहा कि सूर्य, जल, पृथ्वी और वनस्पतियों के प्रति श्रद्धा हमें प्रकृति के संतुलन पर मानव जीवन की निर्भरता का बोध कराती है।

बंगलूरू की सीधी उड़ान का किराया 19750 रुपये पार

लखनऊ, एजेंसी। दिवाली और भैया दूज का पर्व मनाने के बाद दिल्ली, मुंबई, बंगलूरू, पुणे जैसे शहरों में वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। बृहस्पतिवार से बड़ी संख्या में लखनऊवासी विमानों के जरिये अपने गंतव्य पर लौटेंगे। त्योहार मनाने राजधानी आए लोगों की वापसी से उड़ानों पर दबाव बढ़ा है। इसके चलते किराये में भी वृद्धि हुई है। बृहस्पतिवार को लखनऊ से बंगलूरू का किराया 19,750 रुपये पहुंच गया है। हालांकि लखनऊ से दिल्ली व मुंबई की उड़ानें अभी बहुत अधिक महंगी नहीं है लेकिन बंगलूरू, पुणे आदि का किराया तीन गुने से अधिक बढ़ गया है। लखनऊ से मुंबई जाने वाली अकासा एयर की दोपहर 2:50 बजे की उड़ान का टिकट 7,274 रुपये, इंडिगो की शाम 4:55 बजे की उड़ान का 7,495 रुपये, इंडिगो की सुबह 11:10 बजे की फ्लाइट का 8,376 रुपये, एयर इंडिया की शाम 4:50 बजे की फ्लाइट का टिकट 10,054 रुपये तक पहुंच गया। लखनऊ से दिल्ली की इंडिगो की दोपहर 1:50 बजे का किराया 5,338 रुपये, एयर इंडिया की दोपहर 1:40 बजे की उड़ान का किराया 6,041 रुपये, इंडिगो की सुबह 7:20 बजे की उड़ान का किराया 7,228 रुपये, इंडिगो की शाम 4:25 बजे की उड़ान का किराया 8,299 रुपये तक पहुंच गया है। लखनऊ से बंगलूरू की दोपहर सवा तीन बजे की इंडिगो की सीधी उड़ान का किराया 10,950 रुपये, अकासा एयर की सुबह 10:35 बजे की फ्लाइट 11,781 रुपये, इंडिगो की रात पौने आठ बजे की फ्लाइट का टिकट 19,750 रुपये पहुंच गया है। लखनऊ से पुणे की एयर इंडिया एक्सप्रेस की दोपहर 2:10 बजे की सीधी उड़ान 12,459 रुपये, इंडिगो की रात सवा ग्यारह बजे की उड़ान 12,999 रुपये में मिल रही है।

35 साल से सीवर और पानी को तरस रही आठ हजार की आबादी

कानपुर , एजेंसी। बादशाहीनाका सब्जी मंडी की करीब आठ हजार आबादी पिछले 35 साल से सीवर भराव और पेयजल संकट झेल रही है। वार्ड-89 के इस इलाके में अब तक सीवर और पानी की लाइनें नहीं बिछाई गई हैं। तंग गलियों में नालियां बजबजा रही हैं और सड़क पर गंदा पानी भरने से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। जलकल और नगर निगम की अनदेखी से लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। इलाके में मकान नंबर 81/54 से 81/46 और 81/51-ए से 81/171 तक सीवर और पेयजल लाइनें नहीं हैं। घरों की गंदगी सीधे नालियों में बहाई जाती है। आए दिन नालियां ओवरफ्लो होने से गंदा पानी सड़कों पर भर जाता है। स्थानीय निवासी सुधांशू गुप्ता, राजू कश्यप, अनिल राठौर, विशाल यादव और सुनील गुप्ता ने बताया कि लोगों को बजबजाती नालियों और गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। पीने के पानी के लिए सरकारी सबमर्सिबल या पड़ोसियों के घरों का सहारा लेना पड़ता है। इससे महिलाओं को घरेलू कामकाज में परेशानी होती है। गंदगी के कारण बच्चे भी बीमार पड़ रहे हैं। तंग गलियों की सड़कें भी लंबे समय से बदहाल हैं और उनकी मरम्मत नहीं कराई गई है। स्थानीय निवासी सुधांशू गुप्ता ने सांसद रमेश अवस्थी को समस्या से अवगत कराया था। उनके पत्र पर नगर आयुक्त ने जलकल महाप्रबंधक को सर्वे कराने के निर्देश दिए। इसके बाद जलकल जोन-1 के अधिशासी अभियंता ने रिपोर्ट सौंपी। इसमें समस्या के स्थायी समाधान के लिए 185 मीटर सीवर लाइन और 190 मीटर पीवीसी पेयजल पाइपलाइन बिछाने की जरूरत बताई गई है। इसके लिए बजट बनाकर भेज दिया गया है। वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद निविदा प्रक्रिया पूरी कर काम शुरू कराया जाएगा।

गाजीपुर के 51 गंगा घाटों पर अभी तक पूरी नहीं हो पाईं तैयारियां

जुटेंगे पांच लाख लोग, सुरक्षा की चुनौती

वाराणसी , एजेंसी। गाजीपुर जनपद में डाला छठ महापर्व को लेकर लोग तैयारियों में जुटे हुए हैं। कई गंगा घाटों पर वेदी बनाने का कार्य भी शुरू हो गया है। जिला प्रशासन भी श्रद्धालुओं के सुरक्षा व सहूलियत के मद्देनजर तमाम दावे कर रहा है। लेकिन, जमीन पर जिला प्रशासन की तैयारियां आधी-अधूरी दिख रही हैं। जिले में 90 किलोमीटर लंबा गंगा का तटीय क्षेत्र है। साथ ही 51 गंगा घाट हैं। इनमें से 30 प्रतिशत यानी 15 से अधिक गंगा घाटों पर अभी कोई तैयारी नहीं दिख रही है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार पूरे जिले में करीब पांच लाख लोग लोक आस्था के महापर्व डाला छठ में शामिल होते हैं।

अकेले शहर में 25 हजार लोग डाला छठ महापर्व में शामिल होते हैं। शहर में 15 प्रमुख गंगा घाट हैं। ऐसे में पांच लाख लोगों की सुरक्षा प्रशासन के लिए एक चुनौती है। यही कारण है कि जिला प्रशासन की ओर से डाला छठ महापर्व को लेकर कई प्रकार की तैयारियों को अमलीजामा पहनाने की बात कही जा रही है।

जिला प्रशासन की ओर से गंगा घाटों पर



बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, चेजिंग रूम, गोताखोरों व नाविकों की तैनाती तथा उनका मोबाइल नंबर घाट पर अंकित किया जाना, गहरे पानी में न जाने को लेकर चेतावनी बोर्ड आदि चीजें शामिल हैं। 13 नवंबर से नहाय-खाय संग डाला छठ का महापर्व शुरू हो जाएगा। ऐसे में समय बहुत कम हैं, लेकिन उसके सापेक्ष तैयारियों की रफ्तार काफी धीमी दिख रही है।

जिले के प्रमुख गंगा घाट : गाजीपुर जिले के प्रमुख गंगा घाटों में ददरी घाट, कलक्टर घाट, पक्का घाट, चीतनाथ घाट, नवापुरा घाट, महादेवा घाट, स्टीमर घाट, पोस्ता घाट, सैदपुर घाट, गहमर घाट, वराह गंगा घाट वराह, वीरपुर, शेरपुर आदि शामिल हैं। इन गंगा घाटों का जनपद में एक प्रमुख स्थान है।

तैयारियों में यहां है कमी : गाजीपुर जिला प्रशासन की ओर से गंगा घाटों पर चेजिंग रूम की व्यवस्था करने की बात कही जा रही है। लेकिन, सामान्य दिनों की तरह अधिकांश गंगा घाटों पर केवल एक चेजिंग रूम है। ऐसे में डाला छठ पर्व पर महिला श्रद्धालुओं की भीड़ के सामने यह चेजिंग रूम नाकाफी साबित होंगे। कुछ यही हाल बैरिकेडिंग का है। सभी प्रमुख गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग नहीं की गई है। कुछ जगहों पर जुगाड़ के सहारे बांस की बैरिकेडिंग कर दी गई है। अर्घ्य देते समय भीड़ के दबाव में यह बैरिकेडिंग टूट सकती है। इसी तरह प्रकाश, सजावट आदि की व्यवस्था भी विभिन्न कमेटियों के माध्यम से किया जाता है।

केस एक - वराह गंगा घाट औड़िहार का एक प्रमुख गंगा घाट है। डाला छठ महापर्व पर यहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। लेकिन, यहां पर अभी तक बैरिकेडिंग नहीं की गई है। ऐसे में पूजन के दौरान हादसा होने की संभावना है। लोगों की मांग है कि सुरक्षा को लेकर पहल की जाए।

केस दो - गहमर के नरवा गंगा घाट पर नाविकों व गोताखोरों के मोबाइल नंबर अंकित नहीं है। साथ ही चेतावनी बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। ऐसे में हादसा होने की स्थिति में लोगों को मदद के लिए इधर-उधर भटकना पड़ सकता है। साथ ही जुगाड़ के तहत बांस के सहारे बैरिकेडिंग कर दी गई है।

डाला छठ महापर्व पर महिला श्रद्धालुओं की काफी भीड़ होती है। इसलिए भीड़ के हिसाब से चेजिंग रूम की व्यवस्था होनी चाहिए।

- जयशंकर उपाध्याय, गहमर

वराह गंगा घाट पर अभी तक बैरिकेडिंग नहीं की गई है। जबकि डाला छठ महापर्व शुरू होने में कुछ दिन ही शेष रह गए हैं। जिम्मेदारों को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

- किशन, मेहनाजपुर

संबंधित अधिकारियों को घाटों पर बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड, चेजिंग रूम आदि लगाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम अनुपम शुक्ला की ओर से यह भी निर्देश दिया गया है कि डाला छठ महापर्व पर कोई दुर्घटना घटित न होने पाए।

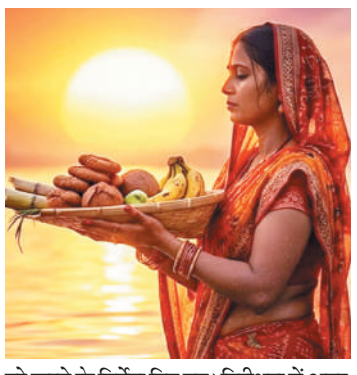
- वेद सिंह चौहान, एडीएम

नहाय-खाय से होगी शुरुआत 36 घंटे निर्जला व्रत रखेंगे व्रती

लखनऊ , एजेंसी। लोक आस्था का महापर्व छठ 13 नवंबर से शुरू होगा। चार दिवसीय पर्व का समापन 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा। इस दौरान व्रती 36 घंटे का निर्जला व्रत रखेंगे। 15 नवंबर को शाम 5:26 बजे डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि 16 नवंबर को सुबह 6:36 बजे के बाद उगते सूर्य को अर्घ्य देने का समय है।

ज्योतिषाचार्य पं. राकेश पांडेय ने बताया कि 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ पर्व की शुरुआत होगी। इस दिन स्नान और घर की सफाई के बाद सात्विक भोजन किया जाता है। 14 नवंबर को खरना होगा। व्रती खीर का प्रसाद ग्रहण करने के बाद निर्जला व्रत शुरू करेंगे। उगते सूर्य को अर्घ्य देकर होगा पारणः 15 नवंबर की शाम व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे। अगले दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करेंगे। मान्यता है कि सूर्य उपासना से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली आती है।

संझिया घाट पर छठ पूजा की तैयारियों का लिया जायजा : गोमती नदी के संझिया घाट पर छठ पूजा की तैयारियों का नगर निगम और एलडीए के अधिकारियों ने बुधवार को निरीक्षण किया। इस दौरान घाटों की सफाई, प्रकाश, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए जरूरी इंतजाम समय से



पूरे करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता, जोनल अधिकारी अजीत राय, अधिशासी अभियंता नजमी मुजफ्फर और जोनल स्वच्छता अधिकारी सचिन सक्सेना मौजूद रहे। छठ पूजा समिति के अध्यक्ष अशोक वर्मा और महामंत्री एमके सिंह भी उपस्थित थे।

छठ घाट की मरम्मत कराने की मांग : गोमतीनगर के रुचि खंड-एक स्थित पार्क में 10 वर्षों से आयोजित हो रही छठ पूजा पर इस बार संशय बना हुआ है। कॉलोनी निवासी अखिलेश कुशवाहा और अन्य लोगों ने बताया कि छठ घाट की मरम्मत के लिए पार्षद से कई बार मांग की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में नाराजगी है। कॉलोनीवासियों ने छठ पूजा से पहले घाट की मरम्मत कराने की मांग की है।

शेयर बाजार में तेजी, कानपुर के निवेशकों को 600 करोड़ का लाभ

कानपुर , एजेंसी। शेयर बाजार में दमदार शुरुआत हुई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,400 अंकों से अधिक उछलकर 82,520.40 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली के चलते अंत में सेंसेक्स 773 अंकों की बढ़त के साथ बंद हुआ। इस तेजी से शहर के निवेशकों के पोर्टफोलियो में करीब 600 करोड़ रुपये की वृद्धि का अनुमान है। केश्री ब्रोकिंग के सह-संस्थापक राजीव सिंह ने बताया कि मंगलवार को दिवाली बलिप्रतिपदा के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहा था।

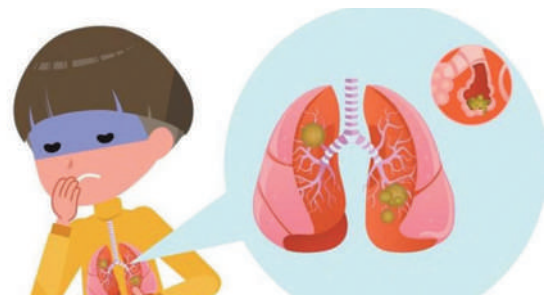
बाजार में तेजी की एक प्रमुख वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में वापसी भी है। एनएसडीएल के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 15 कारोबारी सत्रों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में करीब 71,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। नवंबर के शुरुआती छह कारोबारी सत्रों में ही इनकी खरीदारी करीब 53,739 करोड़ रुपये रही। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भी बाजार को सहारा मिला है।

लक्षण पहचानें- कराएं इलाज

दूर होगा नौनिहालों की सांसों का संकट

लखनऊ, एजेंसी। सर्दी की शुरुआत हो चुकी है। इस बदलते मौसम में निमोनिया का खतरा भी बढ़ने लगा है। बच्चों की जिंदगी पर भारी पड़ने वाली बीमारी निमोनिया के लक्षणों की पहचान और समय पर इलाज से नौनिहालों की सांसों का संकट दूर किया जा सकता है। खासकर पांच साल से कम उम्र के बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह बीमारी अधिक घातक है। बृहस्पतिवार को होने वाले विश्व निमोनिया दिवस पर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सावधानी बरतकर बीमारी से बचने की सलाह दी है।

जब बच्चा कुपोषित, कम वजन, कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित हो तो निमोनिया का खतरा और बढ़ जाता है। अगर बच्चे की सांस सामान्य से तेज चल रही हो, सांस लेने में कठिनाई, छाती का निचला हिस्सा अंदर की ओर धंस रहा हो या बच्चा दूध और भोजन लेने में असमर्थ है तो बिना देरी किए चिकित्सक से सलाह लें। निमोनिया की रोकथाम के लिए प्रदेश में वर्ष 2019 से केंद्र सरकार का सांस (सोशल



अवेयरनेस एंड एक्शन टू न्यूट्रलाइज फियोमेनिया सक्सेसफुली) अभियान चलाया जा रहा है। अभिभावकों को भी बच्चों और बुजुर्गों को निमोनिया से सुरक्षित रखने के लिए सजग रहने की जरूरत है।

52 लाख बच्चों को पहली-दूसरी खुराक, 27 लाख को बूस्टर डोज : राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि बच्चों को निमोनिया से बचाने के लिए प्रदेश में न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन (पीसीवी) टीकाकरण की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी। पीसीवी टीकाकरण के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में लगभग 57,21,205 लाख बच्चों को पहली, 55,62,351 दूसरी खुराक और 57,39,982 बच्चों को बूस्टर खुराक दी गई। वर्ष 2026-27 में सितंबर तक लगभग 26,75,428 बच्चों को पहली खुराक, 26,44,619 बच्चों को दूसरी और 27,84,459 बच्चों को बूस्टर खुराक दी जा चुकी है।

बच्चों का समय पर कराएं टीकाकरण : राज्य टीकाकरण अधिकारी ने विश्व निमोनिया दिवस के उपलक्ष्य में अभिभावकों से अपने बच्चों का समय पर और पूर्ण टीकाकरण कराने की अपील की है। कहा कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर नियमित टीकाकरण की सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध हैं। प्रदेश का कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे और हर बच्चे को निमोनिया जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित बचपन मिल सके।

एआई से तैयार फर्जी मार्कशीट पेश करने पर हाईकोर्ट सख्त

कहा- ये जहरीले पेड़ का फल, जांच का आदेश

लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में एक मामले में पेश की गई हाईस्कूल की मार्कशीट के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से तैयार करने का अंदेशा जताया गया है। कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लिया है और लखनऊ के पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि वह मामले की विस्तृत जांच के लिए डीसीपी रैंक के किसी सक्षम अधिकारी को नियुक्त करें। अदालत ने प्रथमदृष्टया दस्तावेज को %जहरीले पेड़ का फल% करार दिया।



न्यायमूर्ति रजनीश कुमार और न्यायमूर्ति बबिता रानी की खंडपीठ ने नेहा पांडे और एक अन्य याचिकाकर्ता की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि चार सितंबर को अलीगंज स्थित आर्य समाज मंदिर में विवाह करने के बाद पुलिस उन्हें परेशान कर रही है। हालांकि, सुनवाई के दौरान अदालत का ध्यान दूसरे याचिकाकर्ता की जन्मतिथि में सामने आई विसंगति पर गया।

याचिका के साथ दाखिल हाईस्कूल की मार्कशीट में याचिकाकर्ता की जन्मतिथि 29 जुलाई, 2006 दर्ज थी, जबकि आर्य समाज मंदिर की ओर से जारी विवाह प्रमाणपत्र में जन्मतिथि 29 जुलाई, 2005 अंकित थी। इस अंतर को देखकर कोर्ट ने मार्कशीट की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए। दस्तावेज के एआई की मदद से तैयार किए जाने की आशंका भी जताई।

अदालत ने टिप्पणी की कि हेरफेर किए गए, जाली अथवा एआई से तैयार दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना गंभीर मामला है। इससे न्यायिक संस्था की गरिमा प्रभावित होती है, वादियों का न्याय व्यवस्था पर भरोसा भी कमजोर पड़ता है। खंडपीठ ने पुलिस को यह पता लगाने का निर्देश दिया है कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने और उसे अदालत में पेश करने के पीछे किन लोगों की भूमिका रही है। अगली सुनवाई 12 नवंबर को होगी।

देश में स्वच्छता के तीसरे पायदान पर दूसरी बार राजधानी काबिज

लखनऊ, एजेंसी। स्वच्छता सर्वेक्षण प्रतियोगिता 2025-26 में लखनऊ नगर निगम ने 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देश भर में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। बुधवार शाम को दिल्ली में इसकी घोषणा हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में महापौर सुषमा खर्कवाल को पुरस्कार प्रदान किया। शिवरी प्लांट के बेहतर कूड़ा निस्तारण सिस्टम की बदौलत राजधानी लगातार दूसरी बार तीसरे पायदान पर काबिज रही है।

देश भर में केंद्र सरकार की ओर से हर साल शहरों के बीच स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इसमें नगर निगम की ओर से अपनाए जा रहे स्वच्छता के उपायों को विभिन्न मानकों पर परखा जाता है। बीते साल लखनऊ 44वें पायदान से छलांग लगाकर तीसरे पायदान पर पहुंचा था। इसकी मुख्य वजह शिवरी प्लांट पर जमा करीब 20 लाख मीट्रिक टन कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण था। उसके बाद से यहां पर अब कूड़े का जमाव नहीं होने दिया जा रहा है। निगम का दावा है कि हर दिन करीब 2000 से 2200 मीट्रिक टन कूड़ा शहर से पहुंचता है और उसी दिन उसका निस्तारण कर दिया जाता है। ऐसे में डंपिंग शून्य हो गई है।इस कारण निगम को गार्बेज फ्री सिटी में सेवन स्टार रेटिंग मिली है।

बच्चों की ओपीडी में आधे सांस के रोगी, इनमें से हर पांचवां निमोनिया पीड़ित

लखनऊ, एजेंसी। बदलते मौसम, तापमान में उतार-चढ़ाव और प्रदूषण के कारण बच्चों में सांस संबंधी संक्रमण के साथ निमोनिया के मामले भी बढ़ रहे हैं। लखनऊ के अस्पतालों में बाल रोग ओपीडी में आने वाले करीब आधे बच्चे सर्दी, खांसी और सांस लेने में परेशानी से पीड़ित हैं। इनमें 15 से 20 प्रतिशत बच्चों में निमोनिया की पुष्टि हो रही है। केजीएमयू, लोहिया संस्थान और डफरिन अस्पताल में ऐसे मरीजों की संख्या भी सामान्य दिनों के मुकाबले बढ़ी है।पड़ताल में सामने आया है कि लोहिया संस्थान की बाल रोग ओपीडी में सामान्य दिनों में करीब 150 बच्चे आते थे। अब यह संख्या 200 तक पहुंच गई है। इसी तरह केजीएमयू में रोजाना आने वाले बच्चों की संख्या 200 से बढ़कर 250 से अधिक हो गई है। यानी दोनों अस्पतालों में बच्चों की ओपीडी में करीब 25 से 33 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। डफरिन अस्पताल के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान खान के अनुसार, सांस संबंधी परेशानी लेकर आने वाले बच्चों में करीब 15 से 20 प्रतिशत निमोनिया से पीड़ित मिल रहे हैं।

तेज सांस चलना और छाती धंसना खतरे का संकेत : डॉ. सलमान खान ने बताया कि निमोनिया में फेफड़ों की छोटी वायु थैलियों में सूजन आ जाती है। इनमें तरल या मवाद भरने से शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। प्रदूषण के बारीक कण भी फेफड़ों में सूजन बढ़ाकर संक्रमण का खतरा बढ़ाते हैं। तेज सांस चलना, सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, तेज बुखार और खांसी इसके प्रमुख लक्षण हैं। छोटे बच्चों में दूध पीने में परेशानी, सुस्ती और सांस लेते समय पसलियों के नीचे छाती का अंदर धंसना गंभीर संकेत हैं।

मोबाइल टॉर्च की रोशनी से उतारी उलूक देव की आरती,

कवि सम्मेलन में जमकर लगे ठहाके, खूब चले व्यंग्य बाण

वाराणसी , एजेंसी। बनारसियों की अल्हड़ मिजाजी, बेफिक्र फक्कड़पन और ठिठोली की अनूठी परंपरा का जीवंत नजारा पहड़िया मंडी स्थित सुपर मार्केट में देखने को मिला। शनिवार गोष्ठी के वार्षिक अनुष्ठान में आयोजित हास्य-व्यंग्य का बहुचर्चित आयोजन उलूक महोत्सव ठहाकों, व्यंग्य बाणों और तालियों की गूंज के बीच संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का आगाज उलूक देव की भव्य और मनोरंजक शोभायात्रा के साथ हुआ। इसके बाद पूजन का जो दृश्य उपस्थित हुआ, उसने श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। अगरबत्ती, लैंप और आधुनिकता का तड़का लगाते हुए मोबाइल की टॉर्च जलाकर उलूक देव की पारंपरिक बनारसी शैली में आरती उतारी गई। अतिथियों को शॉल और माला पहनाने के साथ-साथ कई बेढंगी वस्तुएं, विचित्र उपहार और प्रतीकात्मक स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

हास्य कवि सम्मेलन ने श्रोताओं को हंसी के फव्वारों से सराबोर कर दिया। मंच का प्रभावशाली



और चुटीला संचालन हास्य कवि दमदार बनारसी ने किया। सम्मेलन में झगडू भइया, हिमांशु ठाकुर रुद्र, नवल सुधांशु, अंकिता सिन्हा, शांतनु त्रिवेदी, ओंकार कश्यप, वसंत लाल यादव, कुमार प्रवीण, अखिलेश द्विवेदी, बिहारीलाल लंबर, प्रतिभा यादव, अंकिता शुक्ला, प्रशांत सिंह, प्रशांत बजरंगी, अमित चौरसिया और मनमोहन मिश्र सहित अनेक चर्चित व युवा रचनाकारों ने काव्यपाठ किया। कवियों ने समकालीन सामाजिक विसंगतियों, राजनीति और रोजमर्रा की आपाधापी पर ऐसे व्यंग्यात्मक तीर चलाए कि देर रात तक लोग हंसते-हंसते लोटपोट होते रहे।

लोगों ने उठाया लुत्फ

इस अवसर पर दो उदीयमान युवा कवियों नवल सुधांशु एवं ओंकार कश्यप को प्रतिष्ठित डॉ. मोहनलाल तिवारी स्मृति काव्य सृजन सम्मान से नवाजा गया। स्वर्गीय डॉ. तिवारी की सुपुत्री प्रतिभा तिवारी ने उन्हें अंगवस्त्रम, प्रशस्ति पत्र और 5100-5100 रुपये की सम्मान राशि भेंट की।

अध्यक्षता श्यामलाल यादव ने की। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के उपाध्यक्ष विवेक सिंह ने किया। कार्यक्रम में रामानंद सिंह, एसएसबी और साईं ग्रुप के प्रतिनिधियों सहित सब्जी एवं फल व्यवसायी समिति पहड़िया के अध्यक्ष धनंजय मौर्या, महामंत्री जय प्रकाश मिश्रा और सुपर मार्केट के पीयूष अग्रवाल का सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएनएच की आधारशिला रखी, कहा-

देश-विदेश की कंपनियां यूपी में कर रहीं निवेश

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यमुना सिटी के सेक्टर-8 में 100 एकड़ मे 1220 करोड रुपये की लागत से बनने वाली सीएनएच कंपनी की आधारशिला लखनऊ से ऑनलाइन रखी। इस दौरान जेवर में आयोजित कार्यक्रम में गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर, दादरी के विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, सीएनएच इंडस्ट्रियल एनवी के सीईओ गेरिट मार्क्स और सीएनएच इंडिया रीजन के प्रेसिडेंट एवं एमडी नरेंद्र मित्तल, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक और अधिकारी मौजूद रहे।

यमुना प्राधिकरण ने सीएनएच कंपनी को सेक्टर-8 में 100 एकड़ जमीन आवंटित की है। यहां कंपनी ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनरी का निर्माण करेगी। गुरुवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री ने इस कंपनी की वर्चुअल आधारशिला रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विश्वास प्रकट करने के लिए के मै सीएनएच के प्रबंधन का हृदय है आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह प्रोजेक्ट प्रदेश में कृषि क्षेत्र, विकास और मॉडर्न मैन्युफैक्चरिंग को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से स्थानीय युवाओं को रोजगार और व्यापार का अवसर मिलेगा।



उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश के नाम में ही उत्तर है, उसके सामने 2017 से पहले कई प्रश्न थे। पलायन का, उपेक्षा का, पिछड़ेपन का, पहचान का, अराजकता का। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रूल ऑफ माफिया के स्थान पर रूल आफ लॉ स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि अच्छी कानून व्यवस्था की वजह से उत्तर प्रदेश में निवेश बढा है।प्रदेश विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। अच्छी कानून व्यवस्था और उद्योग क्षेत्र को मिल रही बेहतरीन सुविधा के चलते देश- विदेश की कंपनियां लाइन लगाकर यहां पर निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख निवेश क्षेत्र के रूप में अपनी नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था स्थापित होने के पीछे केवल पुलिस भर्ती ही नहीं है, उनके आधुनिकरण के साथ-साथ अपराध और अपराधियों के प्रति सरकार का सख्त रूख एक प्रमुख कारण रहा है। उन्होंने इस अवसर पर चुटकी लेते हुए कहा कि आपने यूपी के बुलडोजर की जरूर चर्चा सुनी होगी। इसलिए मैं कंपनी से इसबारे में कहूंगा कि आप यूपी में बुलडोजर और ट्रैक्टर की मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए आए हैं ,तो देश और विदेश में स्वतः ही इसकी डिमांड होगी। बुलडोजर यहां का ब्रांड बन चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उन्होंने कहा की उद्योग को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश में कई पॉलिसी लागू की गई है। विशाल इंडस्ट्रियल लैंड बैंक नेटवर्क एक मजबूत आधार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि निवेश में प्रदेश टॉप पर है। उन्होने कहा कि एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और डेडिकेटेड फ्रेड कॉरिडोर ने प्रदेश में कनेक्टिविटी को एक नई ताकत प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि टाटा, सैमसंग, माइक्रोसॉफ्ट ,आईबीएम, इंफोसिस, एचसीएल, हिंदूजा ग्रुप आदि के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में संयुक्त ग्रुप से उद्योग का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप और डाटा सेंटर से लेकर साइबर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी तथा खेलकूद जैसे क्षेत्र में उत्तर प्रदेश आज तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। निवेश ,नवाचार, रोजगार के नए द्वार ढूंढ रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसका विकास 25 हजार हेक्टेयर में किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नोएडा जेवर के विकास के साथ इस पूरे क्षेत्र को एक बड़े इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स और लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

छठ पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या

नई दिल्ली। छठ पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किया है। यात्रियों, विशेषकर बिहार और पूर्वी भारत की ओर जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के अनुसार, बुधवार (11 नवंबर) को दिल्ली क्षेत्र से कुल 34 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं। इनमें 31 निर्धारित और तीन अनिर्धारित विशेष रेलगाड़ियां शामिल थीं। रेलवे के अनुसार, 11 नवंबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 12, आनंद विहार से नौ, शकूरबस्ती से सात, हजरत निजामुद्दीन से चार, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी चलाई गई। वहीं, गुरुवार (12 नवंबर) को दिल्ली क्षेत्र से कुल 31 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निर्धारित किया गया है। इनमें नई दिल्ली से नौ, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन, रोहतक से एक और दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ और मांग को देखते हुए अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई जाएंगी।

पंजाब पुलिस के पूर्व एसएसपी गुरमीत सिंह रंधावा को पांच साल की कैद

एजेंसी, मोहाली



- लुधियाना के ट्रांसपोर्टर अमरीक सिंह के अपहरण मामले में मोहाली की विशेष सीबीआई अदालत का फैसला

मोहाली की विशेष सीबीआई अदालत ने गुरुवार को वर्ष 1992 में लुधियाना के एक ट्रांसपोर्टर के लापता होने के मामले में पंजाब पुलिस के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गुरमीत सिंह रंधावा को पांच साल की कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने बुधवार को रंधावा को दोषी करार दिया था। यह फैसला ट्रांसपोर्टर अमरीक सिंह सकरी के लापता होने के करीब 34 साल बाद आया है, जिन्हें लुधियाना में एक शादी समारोह से पुलिस अपने साथ ले गई थी। इसी मामले में आरोपित बनाए गए सिपाही परमिंदरजीत सिंह उर्फ बब्बू को अदालत ने बरी कर दिया है। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता पुष्पिंदर सिंह नत्त ने बताया कि अदालत ने रंधावा को भारतीय दंड संहिता की धारा 365 (अपहरण) के तहत पांच साल की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत उन्हें दो साल की कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। दोनों सजाएं एक साथ चलेंगी। अधिवक्ता नत्त ने बताया कि रंधावा को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। घटना के समय रंधावा तरनतारन में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर तैनात थे।

मामले के अन्य आरोपित सहायक उपनिरीक्षक जसवंत सिंह, उपनिरीक्षक सुरिंदर सिंह, निरीक्षक सूबा सिंह और तरनतारन के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह संधू की मामले की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो चुकी है। दरअसल, 25 नवंबर, 1992 को अमरीक सिंह सकरी अपने साले की बेटी की शादी में शामिल होने लुधियाना पहुंचे थे। इसी दौरान पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई थी। इसके बाद अमरीक सिंह का कोई पता नहीं चला।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप

तेलअवीव। इजराइल के दक्षिणी तटीय शहर ईलात और लाल सागर के इलाकों में बुधवार को 4.5 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके लगे। झटके लगते ही लोगों और पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा के लिहाज से रमन एयरपोर्ट को तुरंत खाली करा लिया गया और कुछ समय के लिए उड़ानें रोक दी गईं। इसमें किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इजराइल के जियोलॉजिकल सर्वे के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र दक्षिणी सिनाई में ताबा के पास था, जो इजराइल सीमा से करीब 224 किलोमीटर की दूरी पर है। इसकी गहराई जमीन से 8 किलोमीटर नीचे बताई गई थी। केंद्र सीमा के पास होने के कारण इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते ही दक्षिणी इजराइल के कई इलाकों में तुरंत अलर्ट सिस्टम सक्रिय हो गया और खतरे के सायरन बजने लगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस भूकंप का सबसे ज्यादा असर ईलात के पास स्थित रमन एयरपोर्ट पर हुआ। जैसे ही भूकंप का अलर्ट मिला, एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हुए यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला और टर्मिनल को खाली करवा लिया। एयरपोर्ट के अंदर कुछ जगहों पर कांच टूटने की खबरें भी सामने आईं, लेकिन सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया। इजराइली रक्षा बलों ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। इस भूकंप ने इजराइल के इतिहास में आए 1927 के भयानक भूकंप की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें करीब 300 लोग मारे गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सीरियाई-अफ्रीकी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में हर सौ साल के बाद एक शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंप आने का खतरा हमेशा बना रहता है। इसको देखते हुए इजराइली होम फ्रंट कमांड ने साल 2027 को भूकंप तैयारी वर्ष घोषित किया है। इस पूरे साल कई प्रशिक्षण सत्र और मॉक ड्रिल आयोजित किए जाएंगे, ताकि भविष्य में संभावित बड़े भूकंपों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

मेलोनी की कार में बम और स्कूलों को मिली धमकी से हड़कंप

रोम। इटली में 11 नवंबर का दिन उस समय दहशत भरा साबित हुआ, जब देशभर के कम से कम 300 स्कूलों को अचानक अजीबो-गरीब ईमेल्स मिलने लगे। इन ईमेल्स में स्कूलों में भीषण बम धमाके करने और इटली के लोगों के खिलाफ हिंसा फैलाने जैसी खौफनाक धमकियां दी गई थीं। इन धमकियों ने न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए, बल्कि सीधे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भी निशाना बनाने का दावा किया गया। ईमेल मिलते ही देश के 300 से ज्यादा स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और पुलिस, बम निरोधक दस्ते तथा खुफिया एजेंसियां सभी कैंपसों की तलाशी में जुट गईं। धमकी में कहा गया था कि पीएम मेलोनी की कार में बम है। इन धमकी भरे ईमेल्स में इटली के लोगों के 'नरसंहार' और हिंसा फैलाने की बात कही गई थी। मैसेज में दावा किया गया था कि स्कूल की इमारतों के अंदर एक 'पावरफुल विस्फोटक डिवाइस' रखी गई है, जिसे दूर बैठे ही रिमोट कंट्रोल से उड़ाया जा सकता है। इन धमकियों का दायरा केवल स्कूलों और बच्चों तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का नाम सीधे तौर पर शामिल करते हुए लिखा गया था कि 'एक बम पीएम मेलोनी की कार के इंजन में भी फिट कर दिया गया है'। एक साथ देशभर के सैकड़ों स्कूलों और देश की प्रधानमंत्री को ऐसी सीधी धमकी मिलने से पूरी इतालवी सरकार में हड़कंप मच गया। स्कूलों और प्रशासन को भेजे गए इन सभी ईमेल्स के नीचे एक ही नाम लिखा हुआ था, 'मिखाइल एंड्रोपॉव, विलायत ऑफ मिसोगिनिस्तान का नेता'। हालांकि, इतालवी अधिकारियों के अनुसार, इस नाम या संस्था का कोई स्वतंत्र सत्यापन अभी तक नहीं हो सका है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह कोई इकलौता मामला नहीं है। पिछले हफ्ते ही यूरोप के अन्य देशों, जैसे आयरलैंड और बुल्गारिया के मीडिया संस्थानों को भी इसी नाम से ऐसे ही धमकी भरे ईमेल्स मिले थे।



अल्मोड़ा में वाहन दुर्घटनाग्रस्त, मां-बेटी समेत तीन की मौत



अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के धौलछीना थाना क्षेत्र के हरड़ा में बुधवार देर रात एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन सवार तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर तीनों के शव बरामद किए। एसडीआरएफ के अनुसार, 12 नवंबर को अल्मोड़ा के आपदा नियंत्रण कक्ष से हरड़ा में वाहन दुर्घटना की सूचना मिली थी। वाहन में तीन लोगों के सवार होने की जानकारी मिलने पर सरियापानी पोस्ट से उप निरीक्षक पंकज डंगवाल के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से बचाव अभियान चलाया और दुर्घटनाग्रस्त वाहन से तीनों के शव बाहर निकाले। इसके बाद शवों को अग्रिम कार्रवाई के लिए जिला पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मृतकों की पहचान हयात सिंह (36), निवासी ग्राम न्योली, बसंती देवी (40) और बीना देवी (19), निवासी ग्राम हरड़ा के रूप में हुई है। बसंती देवी और बीना देवी मां-बेटी थीं। दोनों हिम्मत सिंह की पत्नी और पुत्री थीं।

कैंचीधाम के पास कार खाई में गिरी, एक की मौत, चार घायल

एजेंसी, नैनीताल

उत्तराखंड के नैनीताल जिले के कैंचीधाम क्षेत्र में निगलाट के पास गुरुवार तड़के एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। कार सवार सभी पांच लोग उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के निवासी थे। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवाली में भर्ती कराया गया है।



आपदा कंट्रोल रूम नैनीताल से सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की खैरना पोस्ट से उप निरीक्षक देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय कर रेस्क्यू अभियान चलाया। चार घायलों को खाई से निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवाली पहुंचाया गया।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना रात के समय हुई। हादसे के दौरान कार (यूपी25ईजे4586) में पांच लोग सवार थे। दुर्घटना में बरेली जिले के भूत थाना क्षेत्र के मनकापुर निवासी संदीप शर्मा (पुत्र राजकुमार शर्मा) की मौत हो गई। घायलों की पहचान अनुज तिवारी (29), सनी (23), संचित तिवारी (26) और रवि के रूप में हुई है। सभी बरेली जिले के निवासी हैं। चारों को उपचार के लिए भवाली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

समुद्र में उतरने से पहले वर्चुअल समंदर में होगा जहाजों का इम्तिहान, आईआईटी मद्रास ने बनाया 'सीनैव'

एजेंसी, नई दिल्ली



- स्वायत्त समुद्री नौवहन के लिए विकसित किया रियल टाइम डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म

अब जहाजों का समुद्र में उतरने से पहले वर्चुअल समंदर में इम्तिहान होगा। 'सीनैव' तकनीक को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले परखने की चुनौती का समाधान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी),मद्रास के शोधकर्ताओं ने खोजा है। दरअसल, भविष्य की जहाजरानी में इन सवालों के जवाब कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वायत्त प्रणालियां दे सकती हैं। संस्थान ने 'सीनैव' नाम का रियल टाइम डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो समुद्र, जहाजों, लहरों, सेंसरों और पोत यातायात का आभासी प्रतिरूप तैयार कर स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणालियों का परीक्षण, सत्यापन और प्रशिक्षण संभव बनाता है। इसके साथ ही आगे के लिए यह विश्वास पैदा हुआ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वर्चुअल रियलिटी और अत्याधुनिक सेंसर फ्यूजन से लैस यह तकनीक भारत को भविष्य की स्मार्ट जहाजरानी के क्षेत्र में नई ताकत दे सकती है।

आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग ने यह प्लेटफॉर्म ऐसी चुनौती के समाधान के लिए विकसित किया है, जिसमें स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणाली को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से परखा जा सके। समुद्र में परीक्षण के लिए विशाल जहाज, विशेषज्ञ दल, ईंधन, समय और अनुकूल परिस्थितियों की जरूरत पड़ती है। किसी तकनीकी चूक से जहाज, माल, पर्यावरण और मानव जीवन पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। 'सीनैव' इस पूरी प्रक्रिया को आभासी वातावरण में ले जाता है। इसमें समुद्र की लहरें, जहाजों की गतिविधियां, मौसम, सेंसरों के संकेत और आसपास चल रहे दूसरे पोतों का यातायात वास्तविक समय में तैयार किया जा सकता है। शोधकर्ता अलग-अलग परिस्थितियां बनाकर जांच सकते हैं कि स्वायत्त प्रणाली किस तरह निर्णय लेती है और कठिन परिस्थितियों में उसका प्रदर्शन कैसा रहता है। उल्लेखनीय है कि शोध दल ने वास्तविक सेंसर इनपुट और समुद्री तरंगों की परिस्थितियों में स्वायत्त पथ-अनुसरण तथा एआई आधारित टक्कर बचाव का प्रदर्शन किया है। यह इस अनुसंधान की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका अर्थ है कि जहाज की दिशा तय करने और संभावित टक्कर से बचने वाली प्रणाली को वास्तविक समुद्री चुनौतियों के अनुरूप परखने की दिशा में कामयाबी मिली है। इस शोध का नेतृत्व करने वाले आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेश राजेंद्रन ने 'सीनैव' की उपयोगिता स्पष्ट करते हुए कहा, "सीनैव स्वायत्त समुद्री नौवहन प्रौद्योगिकियों के विकास और सत्यापन के लिए एक व्यावहारिक तथा विस्तार योग्य मंच प्रदान करता है।

संविधान दिवस पर आपातकाल को लेकर राष्ट्रीय सम्मेलन करेगा लोकतंत्र सेनानी संघ

एजेंसी, नई दिल्ली

संविधान दिवस पर 26 नवंबर को लोकतंत्र सेनानी संघ नई दिल्ली में आपातकाल को लेकर राष्ट्रीय सम्मेलन एवं संगोष्ठी आयोजित करेगा। जिसमें आपातकाल के दौरान संघर्ष करने वाले देशभर के लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित करने और उनकी लंबित मांगों को उठाने की रणनीति बनाई जाएगी। संगठन ने केंद्र और दिल्ली सरकार से 13 राज्यों की तर्ज पर लोकतंत्र सेनानियों को मासिक सम्मान निधि, आधिकारिक ताम्र पत्र और कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में गुरुवार को कनॉट प्लेस स्थित रेडिसन ब्लू होटल में विचार गोष्ठी एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं संघ के राष्ट्रीय सह-संरक्षक अश्विनी कुमार चौबे ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। वहीं, संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ओ. पी. बब्बर, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजन ढींगरा और प्रदेश महामंत्री राज कुमार सपरा ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी।



अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोपा और नागरिक अधिकारों को निलंबित कर दिया। बड़ी संख्या में युवाओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जेलों में बंद किया गया तथा सत्याग्रहियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्होंने दावा किया कि आज वही लोग लोकतंत्र खतरे में होने का भ्रम फैला रहे हैं, जबकि देश को आपातकाल के वास्तविक इतिहास से परिचित कराने की आवश्यकता है।

चौबे ने कहा कि 26 नवंबर को नई दिल्ली के एनडीएमसी सभागार में आयोजित होने वाला सम्मेलन लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाली पीढ़ी के त्याग और बलिदान को सम्मान देने का अवसर है। इसमें एनडीए के वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों और देशभर के लोकतंत्र सेनानी संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जा रहा है। सम्मेलन के बाद अभियान को जिला स्तर तक ले जाकर लाखों युवाओं को जोड़ने और 'लोकतंत्र प्रहरी' तैयार करने की योजना है।

संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओ. पी. बब्बर ने दिल्ली में आपातकाल के दौरान हुई गिरफ्तारियों का उल्लेख करते हुए शाह आयोग की रिपोर्ट के आधार पर बताया कि उस दौरान दिल्ली में कुल 2,083 गिरफ्तारियां हुई थीं। इनमें करीब 1,900 लोग राजनीतिक बंदी थे। इनमें बड़ी संख्या 17 से 24 वर्ष की आयु के छात्रों और युवाओं की थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दिल्ली में लगभग 450 से 500 लोकतंत्र सेनानी ही जीवित हैं।

महादेव सट्टा ऐप केस: सौरभ चंद्राकर रायपुर की विशेष अदालत में होगा पेश

एजेंसी, रायपुर



आठ दिनों की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप केस के मुख्य आरोपित सौरभ चंद्राकर को आज रायपुर की विशेष न्यायालय में पेश किया जाएगा। ओमान से प्रत्यर्पण के बाद सौरभ चंद्राकर को नवंबर की शुरुआत में रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया था, जहां से अदालत ने उसे 8 दिनों की सीबीआई रिमांड पर सौंपा था। सीबीआई की यह रिमांड अवधि आज समाप्त हो रही है, जिसके तहत उसे निर्धारित समयानुसार विशेष अदालत के समक्ष दोबारा पेश किया जाना है। सीबीआई के अधिकारी दिल्ली में पूछताछ के बाद उसे फ्लाइट से रायपुर लेकर आएंगे। आज की सुनवाई में सबसे अहम बात यह होगी कि सीबीआई आगे की पूछताछ के लिए दोबारा रिमांड मांगती है या नहीं। अगर सीबीआई रिमांड नहीं मांगती है तो ईडी अपने वारंट को लागू कराने के लिए अदालत में फिर से आवेदन पेश कर सकती है। ज्ञात हो कि पिछली सुनवाई में ईडी ने सौरभ को अपने वारंट पर गिरफ्तार करने की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने उस समय ईडी के आवेदन को प्रीमैच्योर यानी समय से पहले दाखिल बताया था। अब आज की सुनवाई में ईडी दोबारा आवेदन देने की तैयारी में है। सीबीआई ने अन्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर सौरभ चंद्राकर को ओमान में पकड़ा था।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर चला बुलडोजर, फुटपाथ से हटाए गए अवैध निर्माण

एजेंसी, कोलकाता



तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर के बाहर गुरुवार सुबह कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने बड़ी कार्रवाई की। सांसद के घर (121, कालीघाट रोड) के बाहर फुटपाथ पर बांस से बने अस्थायी ढांचे (शेड) को बुलडोजर से ढहा दिया गया। इस ढांचे के साथ ही सांसद के घर की चहारदीवारी के मुख्य द्वार के बाहर फुटपाथ घेरकर लगाए गए एक लोहे के गेट को भी गैस कटर से काटकर हटा दिया गया। आरोप है कि यह गेट अवैध रूप से फुटपाथ पर कब्जा करके लगाया गया था।

अवैध निर्माण हटाने की इस कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह के विरोध या कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति से निपटने के लिए सांसद के घर के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल और केंद्रीय बलों के जवानों को तैनात किया गया था। शांतिपूर्ण कार्रवाई के बीच केएमसी कर्मियों ने बांस और अन्य मलबे को हटाकर फुटपाथ को पूरी तरह साफ कर दिया। यह मामला पिछले कुछ दिनों से विवादों में था। लोगों की शिकायत थी कि फुटपाथ पर इस शेड और गेट के कारण राहगीरों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। पिछले शुक्रवार रात अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन के जश्न के दौरान भी इस शेड के नीचे भारी भीड़ जमा हुई थी, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। बुधवार शाम को भी पुलिस शेड हटाने के लिए अभिषेक के घर पहुंची थी। हालांकि, अभिषेक के कार्यालय के कर्मचारियों ने खुद ही अस्थायी ढांचे को हटाना शुरू कर दिया था।

नक्सलवाद के खात्मे के बाद मप्र के बालाघाट के 100 गांवों की बदलेगी तस्वीर, 330 करोड़ की विकास योजना तैयार

एजेंसी, भोपाल



- शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, रोजगार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश एवं मार्गदर्शन में नक्सलवाद से मुक्त हुए बालाघाट जिले के प्रभावित क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखने की तैयारी है। नक्सलवाद के सफाये के बाद अब सरकार का विशेष फोकस इन क्षेत्रों को सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, पर्यटन और रोजगार की सुविधाओं से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में लाने पर है। इसके लिए 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 330 करोड़ रुपये की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। यह जानकारी गुरुवार को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), भोपाल एवं जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा संयुक्त मीडिया कार्यशाला में दी गई। यह कार्यशाला नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हुए बदलावों और विकास की संभावनाओं को सामने लाने के लिए आयोजित की गई। बताया गया कि 100 गांवों के विकास के लिए बनाई गई कार्ययोजना में 266 करोड़ रुपये के काम मंजूर भी हो चुके हैं। इन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार के प्रयास धरातल पर फलीभूत होने लगे हैं। यही कारण है कि भय को भुलाकर इस क्षेत्र में अब विश्वास और विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।

कार्यशाला में बालाघाट के डीआईजी विनीत जैन ने बताया कि 1239 अभियानों के बाद जिले से नक्सलवाद का खात्मा हुआ है। बालाघाट कलेक्टर आदित्य सिंह ने 100 गांवों के चहुंमुखी विकास के तैयार की गई 330 करोड़ रुपये की कार्ययोजना की सिलसिलेवार जानकारी दी। कार्यशाला में एसपी मलय जैन, एआईजी हॉक फोर्स रवि द्विवेदी, एडीशनल एसपी नितेश भार्गव, पीआईबी के निदेशक मनीष गौतम उपस्थित थे। कार्यशाला में जहां अधिकारियों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की भावी रणनीति पर अपनी बात रखी, वहीं नक्सल प्रभावित रहे ग्रामों के सरपंचों और युवाओं ने प्रशासन को क्षेत्रीय विकास के लिए अन्य जरूरतों की जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि बालाघाट में क़रीब 35 सालों तक नक्सलवाद एक बड़ी चुनौती रहा। मार्च 2026 तक पुलिस एवं सुरक्षा बलों ने 1239 अभियान चलाकर जिले से नक्सलवाद का खात्मा किया। अब प्रभावित गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले पांच वर्षों में 337 करोड़ रुपये की लागत से 35 सड़क और 43 पुल-पुलियों के कार्य कराए गए हैं।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

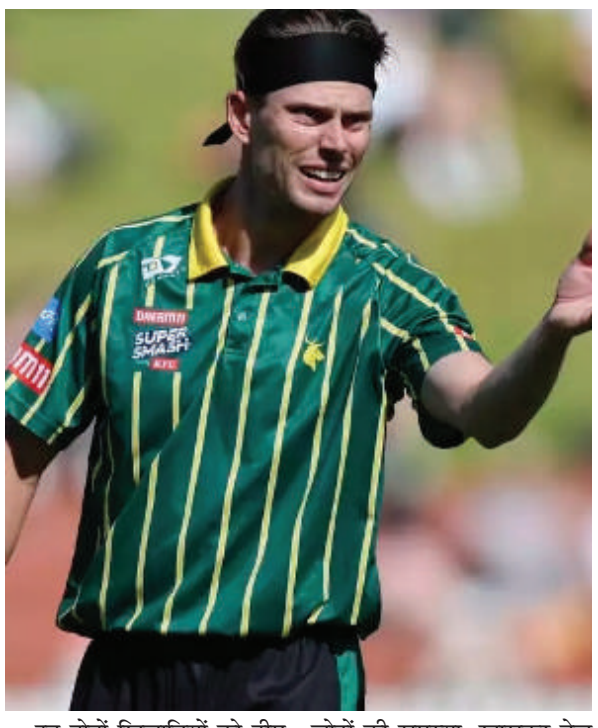
न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे के लिए ब्रेट रैंडेल को किया टीम में शामिल

एजेंसी, वेलिंगटन

भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे मुकाबले के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम में बदलाव किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की घोषणा की। इसके अलावा जोश क्लार्कसन को भी सीरीज के पांचवें और अंतिम वनडे के लिए टीम में वापस बुलाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक पदार्पण नहीं करने वाले रैंडेल हाल ही में डर्बीशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप में खेलकर लौटे हैं। उनसे इस सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने की उम्मीद है।

वहीं, क्लार्कसन न्यूजीलैंड के लिए अब तक छह वनडे मुकाबले खेल चुके हैं। उन्होंने आखिरी बार इस साल अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था।



इन दोनों खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने का फैसला चोटों की समस्या, खासकर तेज गेंदबाजी विभाग में खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण लिया गया है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, "जब किसी खिलाड़ी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिलती है, तो यह हमेशा खास मौका होता है। हम ब्रेट के लिए बहुत खुश हैं। वह पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने इस अवसर को हासिल किया है।"

उन्होंने कहा, "पूरी सीरीज के दौरान टीम में कुछ बदलाव हुए हैं। ऐसे में हम भाग्यशाली हैं कि ब्रेट और जोश को टीम में शामिल कर सके। इस सप्ताहांत मौसम अच्छा रहने की उम्मीद है। हमें उम्मीद है कि सीरीज का समापन शानदार अंदाज में होगा।"

चौथे और पांचवें वनडे के लिए नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के पाथवे कोच मिच रेनविक और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच कोरी माइल्स भी रॉब वाल्टर और मार्टिन गुप्टिल के साथ टीम से जुड़ गए हैं। वहीं, गेंदबाजी कोच जैकब ओरम, बल्लेबाजी कोच ल्यूक रोंची और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच क्रिस डोनाल्डसन टेस्ट मैचों की तैयारी के लिए वेलिंगटन रवाना हो गए हैं।

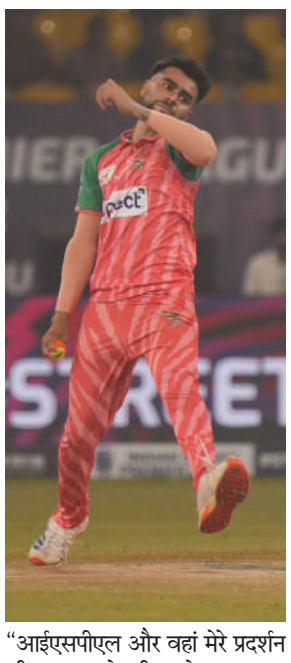
चौथे वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे (विकेटकीपर), मैट हेनरी, काइल जैमीसन, निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर) और विल यंग।

पांचवें वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : विवेक शेलार ने महाराष्ट्र टीम में चयन का श्रेय आईएसपीएल को दिया

एजेंसी, मुंबई

इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) में अपनी रफ्तार और शानदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले भिवंडी के तेज गेंदबाज विवेक शेलार को आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए महाराष्ट्र की टीम में चुना गया है। 26 वर्षीय शेलार ने इसी साल फरवरी में खेले गए अपने पहले आईएसपीएल सत्र में कोलकाता टाइगर्स के लिए नौ विकेट लिए थे। इसमें एलिमिनेटर मुकाबले में ली गई हैट्रिक भी शामिल है। कोलकाता टाइगर्स के सह-मालिक सैफ अली खान, करीना कपूर खान और सौरव गांगुली हैं। आईएसपीएल में सबसे तेज गेंदबाज रहे शेलार ने टूर्नामेंट के दौरान 145.2 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। उन्होंने महाराष्ट्र टीम में चयन का श्रेय आईएसपीएल में अपने प्रदर्शन को दिया। शेलार के मुताबिक, चयनकर्ताओं ने आईएसपीएल में उनकी गेंदबाजी और रफ्तार पर लगातार नजर रखी, जिसके बाद उन्हें महाराष्ट्र के लिए खेलने का मौका मिला। शेलार ने कहा,



"आईएसपीएल और वहां मेरे प्रदर्शन की वजह से ही मुझे राजस्थान रॉयल्स के ट्रायल में अभ्यास के लिए बुलाया गया था। चयनकर्ताओं ने आईएसपीएल में मेरे प्रदर्शन और गेंदों की रफ्तार देखने के बाद मुझ पर भरोसा जताया।" उन्होंने कहा, "अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए चयन हुआ है तो मैं वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। उम्मीद है कि इसके बाद आईपीएल में भी चयन हो सकेगा। मेरा लक्ष्य यही है, लेकिन सबसे पहले मैं महाराष्ट्र को जीत दिलाने की कोशिश करूंगा।" भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना हर क्रिकेटर की तरह शेलार भी देखते हैं, लेकिन वह फिलहाल एक-एक कदम आगे बढ़ना चाहते हैं। महाराष्ट्र की टीम में ऋतुराज गायकवाड़ और पृथ्वी शॉ जैसे भारतीय सितारे शामिल हैं। शेलार इस टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर अपनी जगह मजबूत करना चाहते हैं। भारत की पहली टेनिस बॉल आधारित टी10 क्रिकेट लीग आईएसपीएल ने स्थानीय स्तर पर टेनिस बॉल क्रिकेट खेलने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पेशेवर क्रिकेट तक पहुंचने का मंच दिया है। शेलार के लिए यह अनुभव बेहद खास रहा है। उन्होंने बताया कि जब वह गांव में खेलते हैं और उनका मैच टेलीविजन पर सीधा प्रसारित होता है तो वहां त्योहार जैसा माहौल बन जाता है।

जापान मास्टर्स : त्रीसा-गायत्री और हरिहरन-अर्जुन की चुनौती समाप्त

एजेंसी, कुमामोटो

जापान मास्टर्स-2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में गुरुवार को भारतीय खिलाड़ियों का सफर निराशाजनक रहा। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद तथा पुरुष युगल में हरिहरन अम्सकरुणन और एमआर अर्जुन को प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता त्रीसा और गायत्री की जोड़ी को जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी ने 21-14, 21-14 से हराया। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में जापान की हिनाता सुजुकी और नाओ यामाकिता को 42 मिनट में 21-17, 21-14



से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पहले गेम से ही जापानी जोड़ी ने दबदबा बनाए रखा। इवानागा और नाकानिशी ने लगातार छह अंक हासिल कर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में त्रीसा और गायत्री ने शानदार वापसी की कोशिश की। भारतीय जोड़ी ने लगातार चार अंक जुटाए और शुरुआती दौर में 5-1 की बढ़त बना ली। मुकाबला 14-14 तक बराबरी पर रहा, लेकिन इसके बाद जापानी खिलाड़ियों ने लगातार सात अंक हासिल कर मैच जीत लिया। मुकाबला करीब 40 मिनट चला। इससे पहले पुरुष युगल में हरिहरन अम्सकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी भी हारकर बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी का सामना जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हुआ। होकी और कोबायाशी 2021 विश्व चैंपियनशिप के विजेता हैं। हरिहरन और अर्जुन ने पिछले दौर में पूर्व विश्व चैंपियन मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर उलटफेर किया था, लेकिन इस बार जापानी जोड़ी ने उन्हें 21-14, 21-14 से शिकस्त दी। यह मुकाबला 35 मिनट से कुछ अधिक समय तक चला।

न्यूजीलैंड ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मैच में भारत को 5-0 से हराया

एजेंसी, ऑकलैंड

कप्तान क्रिस वुड के एक गोल और जेसी रैंडेल के दो गोल की बदौलत न्यूजीलैंड ने गुरुवार को यहां खेले गए अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मुकाबले में भारत को 5-0 से करारी शिकस्त दी। मेजबान टीम ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और भारतीय टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया। न्यूजीलैंड ने पांचवें मिनट में जवाबी हमले पर गोल कर बढ़त हासिल की। परमवीर द्वारा गेंद को क्लीयर किए जाने के बाद रैंडेल ने पेनल्टी बॉक्स में कटबैक दिया, जिस पर भारतीय डिफेंडर बिजॉय वर्गीस से गेंद टकराकर गोलपोस्ट में चली गई। इसके बाद भी रैंडेल ने



भारतीय रक्षापंक्ति को लगातार परेशान किया और पहले हाफ में 34वें तथा 43वें मिनट में गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-0 कर दी। दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड के कप्तान क्रिस वुड ने भी गोल किया। उन्होंने 57वें मिनट में कैलन इलियट के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। इस सत्र में गोल के लिए जूझ रहे वुड का यह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए सितंबर 2025 के बाद पहला गोल था। तब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-3 की हार में गोल किया था। भारतीय टीम की मुश्किलें 75वें मिनट में और बढ़ गईं, जब लियाम गिलियन के क्रॉस पर लैचलन बेलिस ने बेहतरीन हाफ-वॉली शॉट लगाकर स्कोर 5-0 कर दिया। पिछले महीने उरुग्वे के खिलाफ छह गोल गंवाने वाली भारतीय टीम पर एक बार फिर बड़ी हार का खतरा मंडराने लगा था। मैच में छठा गोल भी हो सकता था, जब मैथ्यू शेरिडन के प्रयास पर आकाश मिश्रा ने पेनल्टी बॉक्स में हाथ से गेंद रोक दी। हालांकि, 17 महीने बाद शुरुआती एकादश में वापसी कर रहे गोलकीपर विशाल कैथ ने बिल टुइलोमा के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर छठा गोल नहीं होने दिया। हालांकि, तब तक भारतीय टीम को काफी नुकसान हो चुका था। मुख्य कोच खालिद जमील के नेतृत्व में टीम का खराब प्रदर्शन जारी रहा। भारत ने अपने पिछले दो मुकाबलों में केवल एक गोल किया है, जबकि 11 गोल गंवाए हैं।

फीफा ने 2031 और 2035 महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए बोली मूल्यांकन रिपोर्ट जारी की

एजेंसी, नई दिल्ली

फीफा ने 2031 और 2035 महिला फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी के लिए पेश की गई संयुक्त बोलियों की मूल्यांकन रिपोर्ट जारी कर दी है। दोनों बोलियों ने मेजबानी के लिए निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा किया है। अब इस महीने के अंत में फीफा के सदस्य इन पर मतदान करेंगे। 2031 विश्व कप की मेजबानी के लिए अमेरिका, मैक्सिको, कोस्टा रिका और जमैका ने संयुक्त बोली पेश की है। वहीं, 2035 संस्करण के लिए इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड ने मिलकर दावेदारी की है। फीफा की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, दोनों बोलियां 23 नवंबर को होने वाली फीफा की विशेष कांग्रेस में मतदान के लिए योग्य हैं। फीफा की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2031 विश्व कप की बोली मजबूत आधार पर तैयार की गई है। अमेरिका हाल ही में मैक्सिको और कनाडा के साथ पुरुष विश्व कप की संयुक्त मेजबानी कर चुका है। इसके अलावा उसने 2025



में क्लब विश्व कप का भी आयोजन किया था। 2031 महिला विश्व कप में करीब 45 लाख दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। चारों देशों की संयुक्त बोली में कुल 20 स्टेडियमों को प्रस्तावित मेजबान स्थल के रूप में शामिल किया गया है। इनमें 14 स्टेडियम अमेरिका, चार मैक्सिको और एक-एक जमैका तथा कोस्टा रिका में हैं। प्रस्ताव में शामिल वाशिंगटन डीसी का नया आरएफके स्टेडियम अभी निर्माणाधीन है, जबकि अन्य प्रस्तावित स्थल पहले से मौजूद हैं। फाइनल मुकाबले की मेजबानी के लिए चार स्टेडियमों के नाम प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें अटलांटा का मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम, डलास के पास स्थित एटी एंड टी स्टेडियम, लॉस एंजिलिस का सोफाई स्टेडियम और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम शामिल हैं।

वर्ल्ड टेनिस लीग का पांचवां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक, बेंगलुरु करेगा मेजबानी

एजेंसी, बेंगलुरु

वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का पांचवां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित होगा। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारों के साथ भारत के शीर्ष और उभरते खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन केएसएलटीए के एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में किया जाएगा। आइकोनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स द्वारा लाइसेंस प्राप्त और संचालित यह लीग अपने पांचवें सत्र में प्रवेश कर रही है। आयोजकों के अनुसार, पिछले पांच सत्रों में इस लीग ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस के कई बड़े नामों को एक मंच पर लाकर भारतीय टेनिस प्रतियोगिताओं में अपनी अलग पहचान बनाई है।

पिछले सत्र में हिस्सा लेने वाले कई खिलाड़ी एक बार फिर डब्ल्यूटीएल में वापसी करेंगे। इनमें पाउला बडोसा, युकी भांबरी, सुमित नागल, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रिवल्ली भामिदिपति शामिल हैं। इनके अलावा इस सत्र में स्थापित अंतरराष्ट्रीय



खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण देखने को मिलेगा। वर्ल्ड टेनिस लीग के सह-संस्थापक महेश भूपति ने कहा, "पिछला सत्र वर्ल्ड टेनिस लीग के लिए एक रोमांचक अध्याय रहा। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं और भारतीय खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण देखने को मिला, जिन्होंने कुछ यादगार टेनिस मुकाबले पेश किए। प्रशंसकों की प्रतिक्रिया और प्रतियोगिता के आसपास का उत्साह एक विशिष्ट वैश्विक टेनिस आयोजन तैयार करने के हमारे दृष्टिकोण को मजबूती देता है।" उन्होंने कहा, "पांचवें सत्र में प्रवेश करते हुए हमारा लक्ष्य इस गति को आगे बढ़ाना, लीग को नए दर्शकों तक पहुंचाना और प्रत्येक संस्करण के साथ इसका स्तर और ऊंचा करना है।" लीग की सह-संस्थापक हेमाली शर्मा ने कहा, "हमें वर्ल्ड टेनिस लीग को फिर से बेंगलुरु लाकर बेहद खुशी हो रही है। इस शहर की खेल संस्कृति मजबूत है और यहां टेनिस के प्रशंसकों की अच्छी संख्या है। ऐसे में यह पांचवें सत्र के लिए एक शानदार आयोजन स्थल है।" उन्होंने कहा, "इस बार भी प्रतियोगिता में कुछ बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ भारत की स्थापित और उभरती टेनिस प्रतिभाएं एक मंच पर आएंगी। हम प्रशंसकों को एक यादगार अनुभव देने के साथ-साथ भारत में टेनिस प्रतिभा की गहराई का जश्न मनाने और एक और रोमांचक सत्र के लिए शानदार खिलाड़ियों को एक साथ लाने के लिए उत्सुक हैं।" आयोजकों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता और भारत में मजबूत होते टेनिस ढांचे के बीच डब्ल्यूटीएल अंतरराष्ट्रीय टेनिस को भारतीय प्रशंसकों के करीब लाने का मंच बन रही है।

लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, कुमामोटो

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को जापान मास्टर्स 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लक्ष्य ने चीन के डोंग तियान याओ को सीधे गेमों में 21-8, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीतकर जापान पहुंचे लक्ष्य ने इससे पहले चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। तियान याओ के खिलाफ लक्ष्य ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने लगातार आठ अंक हासिल किए और महज 13 मिनट में पहला गेम 21-8 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने वापसी की कोशिश की। एक समय वह 4-6 से पीछे था लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी से विश्व रैंकिंग में 32 स्थान ऊपर काबिज लक्ष्य ने खेल की गति बढ़ाई। उन्होंने लगातार छह अंक जीतकर स्कोर 12-6 कर दिया और फिर बढ़त बनाए रखते हुए मुकाबला सीधे गेमों में जीत लिया। 25 वर्षीय लक्ष्य के लिए यह



जीत इस सत्र में शानदार वापसी का हिस्सा है। जर्मनी पहुंचने से पहले उन्हें अंतरराष्ट्रीय टूर पर मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा था। हालांकि, हाइलो ओपन में खिताबी जीत ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के मौजूदा चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था। यह इस सत्र का उनका पहला और करियर का सातवां खिताब था। लक्ष्य ने कोरिया ओपन से अपना नाम वापस ले लिया था लेकिन जापान में उनके मजबूत प्रदर्शन से सत्र के अंत में होने वाले बीडब्ल्यूएफ टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें मजबूत हुई हैं। अब लक्ष्य की नजरें जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बनाने पर होंगी।

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के लिए केएल राहुल हो सकते हैं पहली पसंद : आकाश चोपड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के रिटेंशन की समयसीमा से पहले ऋषभ पंत को ट्रेड के जरिए टीम में वापस शामिल कर लिया है। सौरव गांगुली, युवराज सिंह, अमित मिश्रा और चामिंडा वास जैसे दिग्गजों से सजे नए कोचिंग स्टाफ के बीच अब टीम की कप्तानी और बल्लेबाजी क्रम को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और जियोस्टार विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में केएल राहुल दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के प्रबल दावेदार हो सकते हैं।

जियोस्टार के कार्यक्रम 'गेम प्लान' में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने पंत की वापसी के बाद दिल्ली कैपिटल्स के संभावित बल्लेबाजी संयोजन, अब तक हुए दो ट्रेड और टीम के कप्तानी



विकल्पों पर चर्चा की। आकाश चोपड़ा ने दिल्ली की कप्तानी को लेकर कहा, "वास्तव में यहां कई सवाल हैं। यह बहुविकल्पीय प्रश्न जैसा है कि कप्तान कौन होगा? ऋषभ पंत कप्तानी के दावेदार रहे हैं, केएल राहुल भी एक विकल्प हैं और मैं सुन रहा हूं कि अक्षर कप्तान नहीं बनना चाहते। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह भी स्पष्ट नहीं है कि टीम की कप्तानी कौन करेगा। फिलहाल केएल राहुल कप्तान हो सकते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "अब जब आपने ऋषभ पंत को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल किया है, तो उन्हें शीर्ष चार में बल्लेबाजी करनी चाहिए। यदि आप उन्हें इससे नीचे बल्लेबाजी कराते हैं, तो उनकी क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। मुझे लगा कि उस ट्रेड में लखनऊ सुपर जायंट्स को ज्यादा फायदा हुआ, क्योंकि उस पिच के लिए कुलदीप जैसे स्तर के गेंदबाज के बदले आप इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं कर सकते थे।" चोपड़ा ने दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी पर चिंता जताते हुए कहा कि टीम के सामने तेज गेंदबाजी का सही संयोजन तैयार करने की चुनौती होगी। उन्होंने खास तौर पर मिचेल स्टार्क की उपलब्धता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "आशुतोष, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स और अक्षर पटेल के अलावा आपके पास डेविड मिलर भी हैं। इसलिए बल्लेबाजी का संयोजन काफी अच्छा है। उनके लिए समस्या का क्षेत्र गेंदबाजी विभाग होगा। मिचेल स्टार्क खेलेंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल होगा। उनकी उपलब्धता को लेकर चर्चा करनी पड़ेगी। इस सत्र में उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी और उसे मजबूत करने की योजना को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वे इसे कैसे संभालेंगे, मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है।"

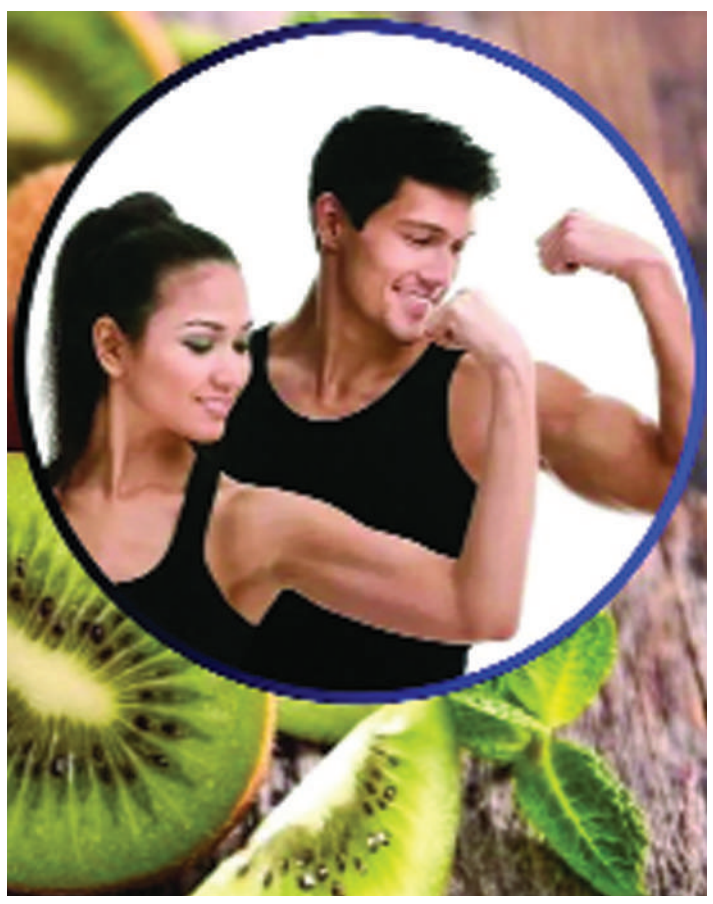
जापान मास्टर्स : श्रीकांत ने पांचवीं वरीयता प्राप्त नाराओका को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, कुमामोटो

भारतीय खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने जापान मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व नंबर एक श्रीकांत ने एक घंटे तक चले मुकाबले में घरेलू दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ी नाराओका को 21-15, 11-21, 21-18 से शिकस्त दी। पांच मुकाबलों में यह श्रीकांत की नाराओका के खिलाफ पहली जीत है। श्रीकांत ने तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में एक बार फिर जुझारू प्रदर्शन किया। इससे पहले उन्होंने पिछले दौर में डेनमार्क के रासमुस गेमके के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की थी। पहला गेम काफी करीबी रहा।



दोनों खिलाड़ियों के बीच लगातार अंक हासिल करने की होड़ देखने को मिली। मध्यांतर तक श्रीकांत ने 11-10 की बढ़त बना ली। इसके बाद नाराओका ने वापसी करते हुए 14-12 से बढ़त हासिल कर ली, लेकिन निर्णायक मौके पर भारतीय खिलाड़ी ने अपना खेल बेहतर किया। श्रीकांत ने अगले 10 में से नौ अंक जीतकर पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में नाराओका ने जोरदार वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने मध्यांतर तक 11-5 की बढ़त बना ली और इसके बाद स्कोर 14-7 कर दिया। श्रीकांत ने कुछ अंक हासिल कर अंतर कम करने की कोशिश की लेकिन नाराओका ने अपनी पकड़ बनाए रखी और 21-11 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक तीसरे गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। स्कोर 7-7 से बराबर होने के बाद श्रीकांत ने अहम बढ़त हासिल की और मध्यांतर तक 11-7 से आगे रहे। घरेलू दर्शकों के समर्थन से नाराओका ने मध्यांतर के बाद वापसी की भरपूर कोशिश की लेकिन श्रीकांत ने दबाव में संयम बनाए रखा। उन्होंने जापानी खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-18 से तीसरा गेम जीतकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ श्रीकांत ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इससे पहले बुधवार को उन्होंने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में डेनमार्क के रासमुस गेमके को 18-21, 21-16, 24-22 से हराया था। उस मुकाबले के पहले गेम में पांच अंकों की बढ़त गंवाने के बाद श्रीकांत ने वापसी करते हुए मुकाबले को तीसरे गेम तक पहुंचाया। निर्णायक गेम में वह एक समय 15-19 से पीछे थे और हार के करीब नजर आ रहे थे।



शरीर के लिए लाभप्रद है खट्टी-मीठी कीवी

फलों और सब्जियों के सेवन से स्वास्थ्य को जरूरी पोषक तत्व और विटामिन की पूर्ति होती है। ऐसा ही एक स्वादिष्ट फल हैं कीवी जिसे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता हैं। कीवी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, विटामिन सी, विटामिन बी, कैल्शियम, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, फॉस्फरोरस, कॉपर, जिंक, नियासिन, पोटैशियम, राइबोफ्लेविन, बीटा कैरोटीन आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से कई गंभीर बीमारियों से रिकवरी करने में बहुत फायदा मिलता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए कीवी बहुत फायदेमंद फल है। कीवी में फोलेट की पर्याप्त मात्रा होती है, जो गर्भ में पल रहे शिशु के दिमागी विकास के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। गर्भावस्था के दौरान कीवी खाने से बच्चों में न्यूरल डिफेक्ट का खतरा कम होता है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के बाद भी कीवी का सेवन जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से उनमें डिलीवरी के बाद कमजोरी और खून की कमी दूर करने में मदद मिलती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज के मरीजों के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। कीवी में मौजूद गुण डायबिटीज के मरीजों में ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में फायदेमंद माने जाते हैं। डायबिटीज के मरीज डॉक्टर की सलाह लेकर रोजाना कीवी का सेवन कर सकते हैं। इससे उनका पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहता है।

ब्लड क्लॉटिंग को रोके

कीवी के सेवन से शरीर में खून का थक्का जमने की दिक्कत भी नहीं होती है। इसमें एंटीथ्रोम्बोटिक यानी खून का थक्का न जमने देने का गुण मौजूद होता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक, किडनी और हार्ट अटैक संबंधी दिक्कत का खतरा भी कम रहता है।

हड्डियों का रखता है ख्याल

कीवी में विटामिन के भी मौजूद होता है, जो ओस्टियोट्रोपिक एक्टिविटी या नए बोन सेल्स के डेवलपमेंट में योगदान कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, मैग्नीशियम और फोलेट सभी तत्व स्वास्थ्य को कई लाभ प्रदान करते हैं।

कब्ज को दूर करे

कीवी फल, कब्ज को दूर करने में काफी मदद करता है। इसके सेवन से पुरानी से पुरानी कब्ज भी ठीक होने लगती है। यह गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, अपच जैसी पेट की दिक्कतों को भी ये दूर करता है। अगर आप भी लगातार कब्ज की बीमारी से परेशान हैं तो कीवी का फल आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। यह पेट साफ करने में भी मददगार है।



हाई बीपी रहता है कंट्रोल में

कीवी में पोटेशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से हृदय स्वस्थ रहता है। साथ ही उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। वहीं, फाइबर बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है। एक शोध में उच्च रक्तचाप के मरीजों को एक हफ्ते में 8 किवी खाने की सलाह दी गई है। इसके लिए रोजाना कीवी का सेवन जरूर करें।

क्या आपका भी मिट्टी खाने का मन करता है

पाइका के हो सकते हैं लक्षण

अक्सर आपने बच्चों एवं महिलाओं को बत्ती, चौक या मिट्टी खाते हुए देखा होगा। कई लोगों को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। साथ ही कई लोग इस आदत से परेशान भी होते हैं क्योंकि मिट्टी या चुना आपकी सेहत के लिए हानिकारक होता है। यह एक तरह की बीमारी होती है जिसे जियोफेजिया के नाम से जाना जाता है। वैसे मामूली स्थिति में मिट्टी खाने की क्रेविंग कैल्शियम की कमी के कारण होती है लेकिन इसके साथ यह एक बीमारी का भी लक्षण है।

क्या है पाइका

दरअसल मिट्टी खाने का सीधा संबंध पाइका नाम की बीमारी से है। इस बीमारी में इंसान मिट्टी खाने से खुद को रोक नहीं पाता है। ऐसी स्थिति ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं में देखी जाती है। इस बीमारी में मिट्टी खाने की लत किसी चीज़ के नशे के सामान होती है। एक्सपर्ट के अनुसार पाइका एक ऐसी बीमारी होती है जिसमें व्यक्ति को उन पदार्थों को खाने की इक्छा होती है जो खाने लायक नहीं है। इस बीमारी का नाम एक पक्षी के नाम पर रखा गया है। पाइका एक ऐसे पक्षी का नाम है जो कुछ भी खा लेते हैं इसलिए इस बीमारी को पाइका कहा जाता है।

इनकी कमी से होती है मिट्टी खाने की क्रेविंग

इसके साथ ही कई बार मिट्टी खाने का संबंध कैल्शियम की कमी से किया जाता है लेकिन यह एकमात्र ऐसा कारण नहीं है। आयरन की कमी के कारण भी मिट्टी या मिट्टी जैसे पदार्थों को खाने की इच्छा करती है। इस बीमारी में महिलाओं को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। ऐसे में जब आप बार बार मिट्टी खाते हैं तो आपके पेट में बहुत सी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी स्टोन की हो सकती हैं समस्या

बार बार मिट्टी खाने से आंतों में रुकावट होती है। साथ ही आपके लीवर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आपको बता दें कि मिट्टी खाने वाले बच्चों और बड़ों के शरीर में सूजन की परेशानी होने लगती है। मिट्टी खाने की वजह से आपका डाइजेशन भी खराब होता है जिससे खाना ठीक से पच नहीं पाता है।

नीमिया की समस्या भी हो सकती है

जैसा कि बताया कि आयरन की कमी के कारण भी आपको मिट्टी खाने की समस्या होती है। मिट्टी खाने से इंसान एनीमिया का भी शिकार हो जाता है क्योंकि शरीर में हीमोग्लोबिन हो जाता है। हीमोग्लोबिन कम होने से खून में ऑक्सीजन नहीं जा पाता इस वजह से एनीमिया हो जाता है।





सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी है हल्दी पानी

हल्दी का उपयोग हर किसी के घर में किया जाता है। हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। हल्दी का प्रयोग लगभग सभी प्रकार के खाने में किया जाता है। यह व्यंजनों के स्वाद में तो इजाफा करती ही है साथ ही इसमें अनेक औषधीय गुण भी होते हैं। यह गर्म और रूखी होती है। त्वचा, पेट और शरीर की कई बीमारियों में हल्दी का प्रयोग किया जाता है। हल्दी का सेवन पानी के साथ किया जाए, तो फायदे बढ़ जाते हैं। हल्दी का पानी सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी होता है। जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम और संक्रमण हो जाता है उन्हें अपनी डाइट में हल्दी के पानी को जरूर शामिल करना चाहिए।

गुणकारी हल्दी के अलग-अलग लाभ उठाने के लिए आपको किसी वैद्य या विशेषज्ञ की शरण में जाने की जरूरत नहीं है। अपने घर पर ही छोटे-छोटे प्रयोग कर इसके अलग-अलग लाभ उठाए जा सकते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि लोग उठते ही गर्म पानी या फिर निम्बू पानी का सेवन करते हैं जिससे कि उनका पेट साफ़ हो और खुल कर शरीर की गंदगी बाहर निकल जाए यह शरीर के लिए फायदेमंद है, यदि इसमें थोड़ी सी हल्दी मिक्स कर दी जाए तो इसके गुणों में भारी इजाफा हो जाता है।

शरीर को शक्तिशाली बनाना

लगभग 500 ग्राम की मात्रा में हल्दी की गांठे और एक किलो बुझा हुआ चूना लेकर इसको एक मिट्टी के बर्तन में डालकर इसमें ऊपर से 2 लीटर पानी डालें। पानी डालते ही चूना पकने लगता है और जब यह ठण्डा हो जाए तो बर्तन को ढककर रख दें। इसके बाद 2 महीने बाद हल्दी की गांठों को निकालकर पीसकर चूर्ण बना लें। हल्दी की गांठों के चूर्ण को 3 ग्राम की मात्रा में लेकर 10 ग्राम शहद के साथ मिलाकर लगातार 4 महीने तक रोजाना खाने से शरीर का खून साफ हो जाता है और इससे शरीर में भरपूर ताकत आती है।

वजन कम होता है

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो ऐसे में अपनी डाइट में हल्दी का पानी शामिल कर सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। फैट बढ़ाने वाले टिशूज को बनने से रोकने के लिए हल्दी का पानी पीना फायदेमंद होता है।

आंखों के रोग

हल्दी को अरहर की दाल में पकायें और छाया में सुखा लें उसे पानी में घिसकर, शाम होने से पहले ही दिन में दो बार जरूर लगायें इससे झामर रोग, सफेद फूली और आंखों की लालिमा में लाभ होता है।

नहीं होंगी त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं

हल्दी का पानी खून साफ करता है। साथ ही इस पानी को पीने से शरीर में विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे एजिंग साइन्स जैसे झुर्रियां या मुरझाई त्वचा की समस्या दूर होगी। त्वचा की सूजन कम करने में हल्दी फायदेमंद मानी जाती है। इसका इस्तेमाल करने से त्वचा में निखार बढ़ता है।

पेट से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी

हल्दी के पानी का सेवन करेंगे, तो पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे डायरिया, अपच, कब्ज, पेट में दर्द, पेट में ऐंठन आदि समस्याएं दूर होंगी। हल्दी का पानी पीने से शरीर में पित्त ठीक से बनता है और पाचन तंत्र मजबूत बनता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण भी होते हैं। हल्दी के पानी का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। हल्दी में मौजूद लिपो पॉलिसैकेराइड की मदद से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सेल्स बढ़ते हैं। एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीम्बू निचोड़कर उसमें एक चुटकी हल्दी मिला लें और इसे सुबह खाली पेट पीएं। ऐसा करने से पेट में गैस बनने की समस्या दूर होती है और एसिडिटी, बदहजमी, फूड पॉइजनिंग, कब्ज आदि बीमारी से भी छुटकारा मिलता है जिससे सुबह पेट पानी की तरह साफ़ होगा।

हार्ट की बीमारियों से होगा बचाव

हल्दी का पानी शरीर से कोलेस्ट्रॉल का स्तर को नियंत्रण रखने में मदद करता है। हल्दी का पानी पीने से खून के थक्के बनने से रोकने में मदद मिलेगी। इससे आपको हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा नहीं होगा।

कम होती है सूजन

शरीर में सूजन कितनी भी क्यों न हो हल्दी सूजन को कम करने में सहायक है इसमें करक्यूमिन नामक एक रसायन पाया जाता है जो दवा के रूप में काम करता है इसीलिए आपने देखा होगा किसी को भी चोट लग जाती है तो हमारे बुजुर्ग हल्दी दूध में डालकर पिलाते थे।

ब्लाकेज से बचाती है हल्दी

जिन लोगो की खून की धमनियों में ब्लाकेज की शिकायत है उनको तो अवश्य ही हल्दी वाला पानी सेवन करना लाभदायक है क्योंकि हल्दी खून को जमने से रोकती है अदरक भी खून को पतला रखती है और ब्लाकेज से बचाती है।

हड्डी के टूटने पर

हड्डी के टूटने पर रोज हल्दी का सेवन करने से लाभ मिलता है। एक प्याज को पीसकर एक चम्मच हल्दी मिलाकर कपड़े में बांध लें। इसे तिल के तेल में रखकर गर्म करें और इससे फिर सेंक करें। कुछ देर सेंकने के बाद पोटली खोलकर दर्द वाले स्थान पर बांध दें।

नहीं पनपने देती बैक्टीरिया

यदि किसी कारण से शरीर के बाहरी या अंदरूनी हिस्से में चोट लग जाए-तो हल्दी वाला दूध उसे जल्द से जल्द ठीक करने में बेहद लाभदायक है क्योंकि यह अपने एंटी बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुणों के कारण बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है।

त्वचा के रोग

हल्दी को पीसकर तिल के तेल में मिलाकर मालिश करें इससे चर्म रोग खत्म हो जाएगा। या अगर शरीर में खुश्की (चमड़ी सूख) गई हो तो सरसों के तेल में हल्दी को मिलाकर शरीर पर उसकी मालिश करने से लाभ होता है।

मसूढ़ों का रोग

हल्दी को मोटा-मोटा कूटकर आग पर भून लें। इसे बारीक पीसकर कपड़े से छानकर प्रतिदिन सुबह-शाम मसूढ़ों पर मलें। इससे मसूढ़ों के रोग ठीक हो जाते हैं।





सर्दियों में इन आदतों की वजह से बढ़ जाती है कब्ज की परेशानी

सर्दियों में अक्सर लोगों को कब्ज की परेशानी हो जाती है। इसका सबसे मुख्य कारण होता है ठंड के मौसम में शरीर के फंक्शन में बदलाव आना। डाइजेस्टिव सिस्टम स्लो हो जाता है, लेकिन हमारी कुछ आदतें भी हैं जो सर्दियों कब्ज को बढ़ा सकती हैं । आपका पाचन तंत्र ठीक से काम करें इसके लिए जरूरी है कि आप ठीक प्रकार से हाइड्रेट रहें। वहीं सर्दियों में गर्मी के मुकाबले लोग पानी कम पीते हैं, क्योंकि प्यास ही कम लगती है। पानी की कमी से मल सूखा और कठोर हो जाता है, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में लोग ज्यादातर घर में ही बिताते हैं। शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती है और इस वजह से आंतों की गतिविधि धीमी हो जाती है जिससे कब्ज हो सकती है। सर्दी का मौसम सुहावना होता है और इस मौसम में अक्सर लोग तला भुना, भारी खाना खाते हैं जो पाचन क्रिया को और भी धीमा कर देता है। सर्दियों में लोगों के आहार में फाइबर की कमी हो जाती है। लोग सलाद वगैरह कम खाने लगते हैं फाइबर की कमी से भी पाचन धीमा हो जाता है। जिससे कब्ज की समस्या पैदा हो सकती है।

ठंड में लोग चाय कॉफी- अधिक सेवन करते हैं और कैफीन अधिक सेवन करने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे मल सूखा और कठोर हो जाता है। वहीं सर्दियों के मौसम में लोगों को तनाव और उदासी बनी रहती है। इससे भी पाचन तंत्र प्रभावित होता है। आंतों की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा ठंडी हवा के कारण शरीर की मांसपेशियां संकुचित हो जाती है जिससे आंतों की गतिविधि में रुकावट आ सकती है।

सभी पोषक तत्वों की कमी पूरी करता है मल्टीग्रेन आटा

मल्टीग्रेन आटे का अर्थ है मिला जुला आटा या कई तरह के अनाज का मिक्स आटा। इस में गेहूं के साथ ही ज्वार, बाजरा, जौ, काला चना, रागी, जई, मक्का, क्विनोआ, सूजी, चावल, सिंघाड़े, राजगिरा आदि के आटे को मिलाकर आटा तैयार किया जाता है। इस आटे में विटामिन, प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कार्ब्स, आयरन, कैल्शियम, खनिज आदि कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। मल्टीग्रेन आटा ज्यादातर ग्लूटेन फ्री होता है।

वजन होता है कम

इसके लिए आपको गेहूं के आटे में जई, मक्का, ज्वार और चना मिलाकर उसकी रोटी बनाकर खाना चाहिए। इसमें फाइबर अधिक होने से यह पाचन के लिए ठीक रहेगा और साथ ही यह वेट लॉस करेगा। यह कई सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ शरीर को संपूर्ण पोषण प्रदान करता है। इसमें कई तरह के विटामिन होते हैं जिसके चलते शरीर में विटामिन की कभी कमी नहीं होती है।

पाचन तंत्र को सुधारता

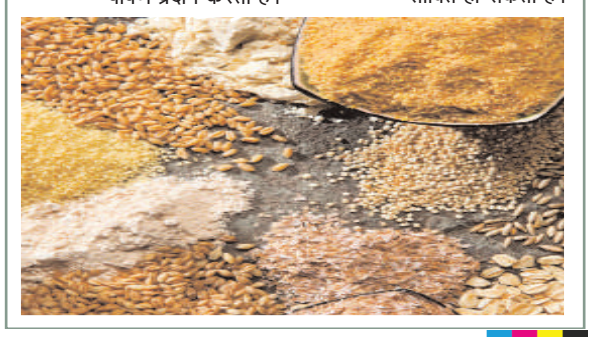
यह फाइबर से भरा होता है जो अच्छे आंत बैक्टीरिया का पोषण करता है, जिसके चलते पाचन तंत्र में सुधार होता है और मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करता है।

शारीरिक दर्द और सूजन को कम करता है बाजरा

बाजरा में सूजन-रोधी गुण होते हैं। मल्टीग्रेन आटा में बाजरे का आटा मिला होने से यह जोड़ों के दर्द और सूजन में लाभदायक है।

मांसपेशियां होती है मजबूत

इससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आटे में सोयाबीन, चना और जौ भी मिलाया जाए तो यह प्रोटीन का अच्छा सोर्स बन जाता है। बच्चों के शरीरिक विकास के लिए यह मददगार साबित हो सकता है।



Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक



4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस'

सलमान खान ने अपनी काफी समय से टल रही वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। इसके अलावा सलमान ने फिल्म में विजुअल इफेक्ट्स इस्तेमाल पर भी बात की है।

फिल्म की रिलीज में हो रही देरी को लेकर सलमान खान ने बताया कि मेकर्स चाहते थे कि फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स बेहतर हों और दर्शकों को शानदार अनुभव मिले। सलमान ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'आजकल वीएफएक्स के कई एक्सपर्ट मौजूद हैं, जो किसी भी फिल्म के हर एक सीन को बारीकी से देखते हैं। इसलिए हम इस फिल्म में किसी को भी ऐसा मौका नहीं देना चाहते, जिससे वह किसी सीन को जूम करके उसके वीएफएक्स की आलोचना कर सके। हम चाहते हैं कि फिल्म के विजुअल्स सभी को हैरान कर दें। इसकी शूटिंग बहुत खूबसूरती से की गई है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें लगा था कि हम फिल्म को 45-50 दिनों में पूरा कर लेंगे, लेकिन हमारी को-स्टार चित्रांगदा सिंह चोटिल हो गई थीं। उन्हें ठीक होने में समय लगा। पहले हम फिल्म को जनवरी या जून में रिलीज करने वाले थे, लेकिन बाद में इसे अगस्त तक टाल दिया गया। अब यह फिल्म 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' सलमान खान की इस फिल्म का एलान पहले 'बैटल ऑफ गलवान' नाम से किया गया था। हालांकि, इस साल फिल्म का नाम बदलकर 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' कर दिया गया। फिल्म की कहानी साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है।



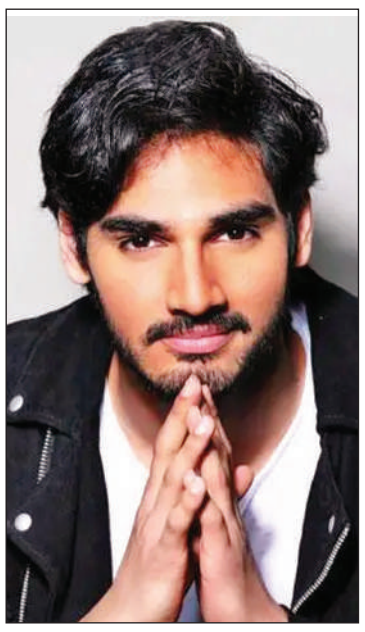


'जॉन डो' से तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं सृष्टि सिंह



अभिनेत्री सृष्टि सिंह आगामी तमिल मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' से तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री दर्शना नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। सृष्टि ने बताया कि दर्शना का किरदार उन्हें इतना पसंद आया कि वह खुद को इस फिल्म को करने से रोक नहीं पाईं। अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर वह खुद से अलग तरह का किरदार निभाना चाहती थीं और दर्शना का किरदार उनके लिए कुछ वैसा ही था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी और दर्शना को समझा, तो जाना कि वह असल जिंदगी में मुझसे बिल्कुल अलग है और यही बात मुझे सबसे पहले इस रोल की तरफ खींच लाई। एक एक्टर के तौर पर आप अलग-अलग किरदार निभाना चाहते हैं, खासकर ऐसे किरदार जो आपकी अपनी जिंदगी और हकीकत से बिल्कुल अलग हों।' उन्होंने आगे कहा, 'यह किरदार मुझे इतना पसंद आया कि इसे निभाने की मेरी उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई। हालांकि, मेरे साथ पहले ऐसा कभी हुआ नहीं है। मुझे पता था कि दर्शना को समझने, उसके अनुभवों को अपनाने और इस किरदार को अपना बनाने के लिए मुझे एक पूरी प्रोसेस से गुजरना होगा, जो मेरे लिए काफी एक्साइटिंग रही।'

फिल्म 'सनकी' में अहान शेट्टी की प्रेमिका का किरदार निभाएंगी मेधा राणा

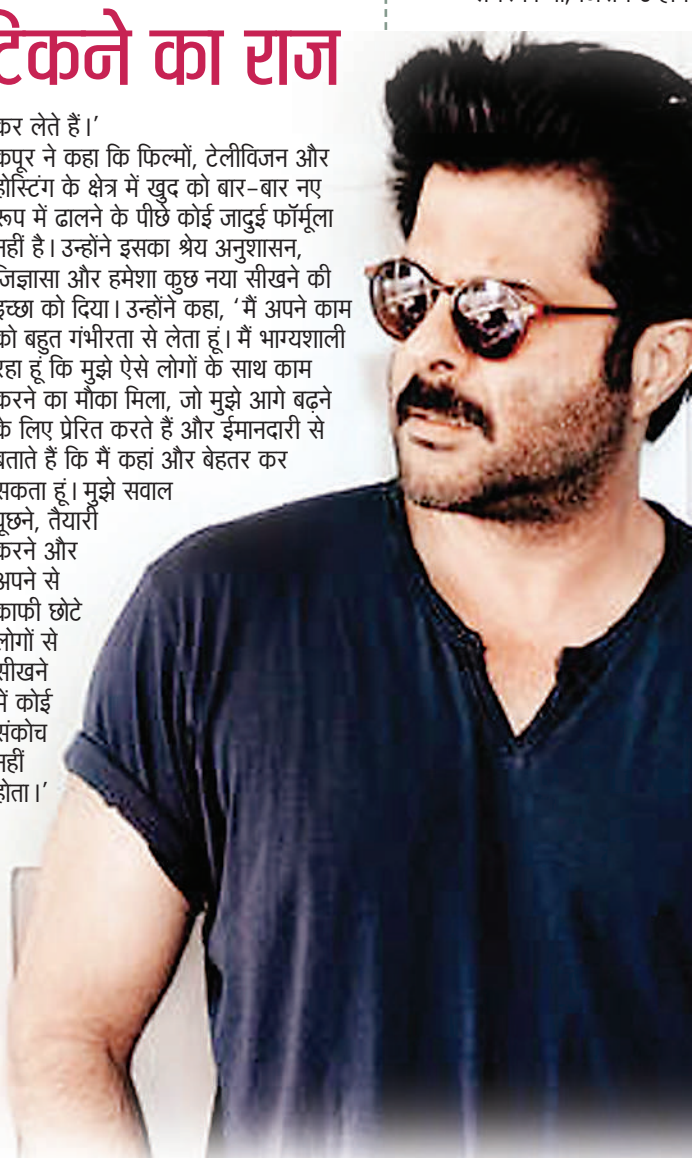


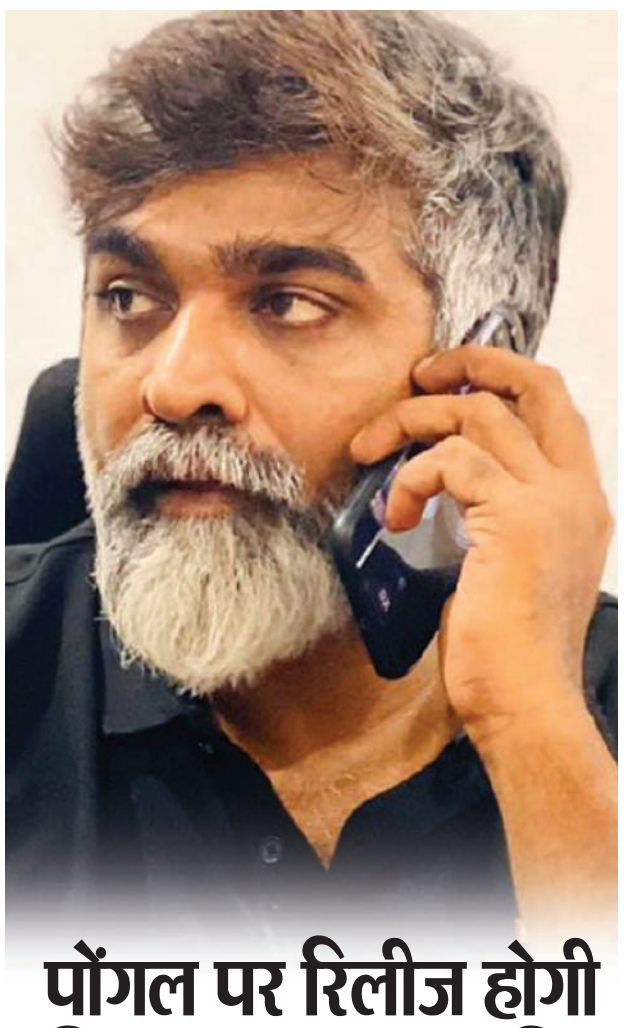
अहान शेट्टी की अगली बड़ी फिल्म 'सनकी' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बन रही इस एक्शन और रोमांस से भरपूर फिल्म में अब खूबसूरत अभिनेत्री मेधा राणा की भी एंट्री हो गई है। मेधा फिल्म में अहान शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मेधा इससे पहले फिल्म 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन के साथ नजर आई थीं। 'बॉर्डर 2' की शानदार सफलता के बाद मेधा अपनी अगली फिल्म को लेकर काफी सोच-समझकर फैसला लेना चाहती थीं। वह किसी ऐसी बड़ी फिल्म का इंतजार कर रही थीं, जिसमें उन्हें कुछ अलग और दमदार करने का मौका मिले। जब उन्हें 'सनकी' की कहानी सुनाई गई, तो उन्हें लगा कि यह वही फिल्म है, जिसका वह इंतजार कर रही थीं। मेधा पिछले दो महीनों से इस फिल्म के लिए लगातार तैयारी कर रही हैं। अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने और उसमें पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कई वर्कशॉप में हिस्सा लिया है। इसके अलावा, किरदार की मांग के मुताबिक उन्होंने खास तैयारी भी की है। फिल्म की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और अब मेधा भी अहान शेट्टी और फिल्म की बाकी टीम के साथ शूटिंग में शामिल हो गई हैं। फिल्म में मेधा, अहान की प्रेमिका के किरदार में नजर आएंगी। उनका यह किरदार रोमांस, गहरे जज्बात और जबरदस्त एक्शन से भरपूर होगा। मेधा हमेशा से ऐसे ही किरदार की तलाश में थीं, जिसमें उन्हें अभिनय के साथ-साथ एक्शन दिखाने का भी मौका मिले। पिछले दो महीनों से चल रही उनकी तैयारियां भी इसी किरदार को ध्यान में रखकर की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'बॉर्डर 2' में अहान और मेधा अलग-अलग कलाकारों के साथ नजर आए थे, लेकिन अब दोनों पहली बार 'सनकी' में एक-दूसरे के साथ रोमांस करते दिखाई देंगे। ऐसे में पर्दे पर दोनों की जोड़ी को देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। 'सनकी' की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली सबसे चर्चित एक्शन फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म की पहली झलक भी आने वाले कुछ दिनों में दर्शकों के सामने आ सकती है। इस फिल्म का निर्माण वी द पीपल, रोरिंग रिवर प्रोडक्शंस और पाल्स एंड पीयर्स एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं।

अनिल कपूर ने बताया इंडस्ट्री में 40 वर्षों तक टिकने का राज

दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर 'इंडिया के टॉप 1%' के होस्ट के रूप में टेलीविजन पर लौटे हैं। यह एक फैमिली गेम शो है, जो उनकी हाजिर जवाबी, सूझबूझ और लोगों से जुड़ने की क्षमता की परीक्षा लेता है। अभिनेता कहते हैं कि मनोरंजन जगत में चार दशकों से अधिक समय तक बने रहने के लिए उन्हें लगातार अपने 'कंफर्ट जोन' से बाहर निकलना पड़ता है। बातचीत में 69 साल के अभिनेता ने बताया कि उन्हें इस फॉर्मेट की एक बात बहुत पसंद आई है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि शो को कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है। उन्होंने अनुशासन, जिज्ञासा और सीखने की इच्छा के बारे में भी बात की। मनोरंजन उद्योग में काम करते हुए अनिल कपूर ने दर्शकों और उनकी पसंद में आए बदलावों को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि कोई भी अभिनेता कितने भी लंबे समय से इंडस्ट्री में क्यों न हो, लंबे समय तक टिके रहना कोई पक्की बात नहीं होती। उन्होंने कहा 'सिर्फ इसलिए कि आप 40 वर्षों से इंडस्ट्री में हैं, दर्शक आपको अपना ध्यान देने के लिए बाध्य नहीं हैं। आपको उन्हें आज भी कुछ ऐसा देना होगा, जिसका वे बेसब्री से इंतजार करें।' कपूर ने टीवी पर '24' लाने और 'इंडिया के टॉप 1%' को होस्ट करने के अपने फैसलों का उदाहरण देते हुए बताया कि वह हमेशा कुछ नया और अलग करने के लिए तैयार रहते हैं। उनके लिए, किसी सफल फॉर्मूले को बार-बार दोहराना काफी नहीं है। उन्होंने समझाया, 'आप हर मौके को यह सोचकर नहीं अपना सकते कि यह पहले मेरे लिए काम कर चुका है, तो चलो इसे फिर से कर लेते हैं।'

कपूर ने कहा कि फिल्मों, टेलीविजन और होस्टिंग के क्षेत्र में खुद को बार-बार नए रूप में ढालने के पीछे कोई जादुई फॉर्मूला नहीं है। उन्होंने इसका श्रेय अनुशासन, जिज्ञासा और हमेशा कुछ नया सीखने की इच्छा को दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अपने काम को बहुत गंभीरता से लेता हूं। मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे ऐसे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं और ईमानदारी से बताते हैं कि मैं कहां और बेहतर कर सकता हूं। मुझे सवाल पूछने, तैयारी करने और अपने से काफी छोटे लोगों से सीखने में कोई संकोच नहीं होता।'





पोंगल पर रिलीज होगी विजय सेतुपति की 'पॉकेट नॉवेल'

निर्देशक थियागराजन कुमारराजा की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। शुक्रवार को मेकर्स ने फिल्म के रिलीज डेट की जानकारी दी है। एक्टर जीवी प्रकाश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्टर शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्म 14 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने पहले इस फिल्म के लिए इसाईग्नानी इलैयाराजा को म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर ऐलान किया था। पिछले महीने से ही खबरें आ रही थीं कि इलैयाराजा ने फिल्म से हाथ खींच लिया है। इन खबरों को और हवा तब मिली, जब 9 अक्टूबर को मेकर्स ने शूटिंग खत्म होने का ऐलान किया तो उसमें टेक्नीशियनों की लिस्ट में इलैयाराजा का नाम नहीं था। हालांकि काफी समय से खबरें चल रही थीं कि इलैयाराजा की जगह जीवी प्रकाश आ गए हैं, लेकिन मेकर्स ने पहली बार हाल ही में इस खबर को ऑफिशियली कंफर्म किया। फिल्म की शूटिंग करीब दो हफ्ते पहले ही खत्म हुई थी।

आगामी तमिल फैंटेसी ड्रामा फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता थियागराजन कुमारराजा कर रहे हैं। यह फिल्म अपनी अनूठी शैली और बेहतरीन स्टार कास्ट के कारण काफी चर्चा में है। फिल्म में विजय सेतुपति और मालविका मोहनन मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके अलावा फिल्म में राज बी शेट्टी, किशोर और दिलीप सुब्बारायन भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे। यह थियागराजन कुमारराजा की तीसरी फीचर फिल्म है। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सुपर डीलक्स' के बाद निर्देशक थियागराजन और विजय सेतुपति की जोड़ी इस फिल्म के जरिए दूसरी बार साथ काम कर रही है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले को प्राइम वीडियो की मशहूर सीरीज 'वदंधी' के निर्माता एंड्रयू लुईस ने लिखा है।



समय के साथ बदला तब्बू का करियर?

अभिनेत्री तब्बू 55 वर्ष की हो गई हैं। सिनेमा की दुनिया में उनकी एंट्री 40 साल पहले हुई थी। इसका श्रेय देव आनंद को जाता है और उन्होंने ही अभिनेत्री को तब्बू नाम दिया। 1985 में देव आनंद की फिल्म 'हम नौजवान' से तब्बू ने सिनेमा में पहला कदम रखा। तब वे 14 वर्ष की थीं। फिर कुछ वर्षों के अंतराल के बाद 1991 में साउथ फिल्मों में काम किया। इसके बाद साल 1994 में 'विजयपथ' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर डेब्यू किया। इसमें उनके साथ अजय देवगन थे। तब से आज तक दो चीजें साथ चली आ रही हैं। अजय देवगन के साथ उनकी जबर्दस्त बॉन्डिंग, जो पर्दे पर भी जमती है। दूसरा, तब्बू के अभिनय का जादू। इतने वर्षों के करियर में तब्बू के किरदार किस तरह बदले?

तब्बू का असली नाम तबस्सुम फातिमा हाशमी है। उनका जन्म 04 नवंबर 1971 को हैदराबाद में हुआ था। तब्बू का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ। उनके पिता जमाल हाशमी और मां रिजवाना का तलाक हो गया था, इसलिए उन्हें अपनी मां और नाना-नानी ने पाला। उनकी बड़ी बहन फराह नाज भी अभिनेत्री हैं। शबाना आजमी, तब्बू की मौसी हैं। बचपन से ही तब्बू का झुकाव फिल्मों की तरफ रहा। वे किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि ऐसा लगता है कि उन्हें जीती हैं। रोमांटिक रोल हो, कॉमेडी या फिर कोई गंभीर भूमिका...तब्बू उसमें ढल जाती हैं।

पहली फिल्म के लिए झटका अवॉर्ड

तब्बू ने जब 14 की उम्र में 'हम नौजवान' में काम किया, तभी यह जता दिया कि वह लंबी पारी खेलेंगी। इतनी छोटी-सी उम्र में उन्होंने फिल्म में एक दुष्कर्म पीड़िता का किरदार निभाया। इस किरदार से तब्बू ने दर्शकों को अंदर तक झकझोर दिया और अपना मुरीद बना लिया। बतौर लीड एक्ट्रेस उनकी शुरुआत 1991 में तेलुगु फिल्म 'कुली नंबर 1' से हुई। यह सुपरहिट रही। 1994 में वो 'विजयपथ' फिल्म में आईं। इसमें अजय देवगन के साथ काम किया। हिंदी सिनेमा में डेब्यू के साथ ही तब्बू ने बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड अपने नाम कर लिया।

90 के दशक में तब्बू को शुरुआत में पारंपरिक कमर्शियल रोल मिले। इनमें उन्हें गानों में डांस करना और हीरो के साथ रोमांस करना होता था। उस दौर की फिल्मों में तब्बू ने 'जीत', 'साजन चले ससुराल', 'बॉर्डर' और 'हकीकत जैसी फिल्मों से अच्छी पहचान बनाई। साल 1996 तब्बू के करियर में बड़ा बदलाव लेकर आया। फिल्म 'माचिस' आई। 90 के दशक की फिल्मों में तब्बू के करियर की हाइलाइट्स में 'माचिस' शामिल है। गुलजार निर्देशित 'माचिस' में के लिए तब्बू ने पहला नेशनल अवॉर्ड जीता। इसके बाद 'विरासत' (1997) और 'हु तू तू' (1999) में उनकी अदाकारी दिखी। 1999 में आई 'हम साथ साथ हैं' को कैसे भूला जा सकता है? इस पारिवारिक फिल्म में भी तब्बू की भूमिका खूब पसंद की गई।

इंटरनेशनल स्तर पर बनाई पहचान

तब्बू के करियर में 2000 का दशक इसलिए भी याद किया जा सकता है कि उन्होंने हॉलीवुड की तरफ भी कदम बढ़ाए। उन्होंने फिल्म 'द नेमसेक' (2006) में बेहतरीन अदाकारी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ बटोरी। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि इस दशक में उन्होंने करियर चुनने के मामले में कुछ रिस्क लिए। उन्होंने स्वतंत्र और बोल्ड किरदार चुने।

2010 के बाद भी सिनेमा की धमक जारी

40 और 50 की उम्र में जहां अभिनेत्रियों के पास किरदारों की कमी हो जाती है या पसंदीदा भूमिकाएं नहीं मिलती, वहीं तब्बू का जलवा अब भी कायम है। 2010 के दशक के बाद तब्बू के खाते में कुछ अनोखे किरदार आए। उन्होंने एक्शन में भी दम दिखाया। 2014 में 'हैदर' में उनका 'गजाला' का किरदार काफी पसंद किया गया। इस रोल के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। 2015 में शुरू हुई 'दृश्यम' फ्रैंचाइजी में तब्बू ने जान फूंकी। 2022 में इसकी दूसरी किस्त आई और इस साल तीसरी। तीनों पार्ट में तब्बू मजबूत कड़ी साबित हुईं। 2017 में रोहित शेट्टी की हॉरर-कॉमेडी 'गोलमाल अगेन' में उन्होंने भूतों से बात करने वाली महिला का रोल किया। 2018 में कल्ट-क्लासिक फिल्म 'अंधाधुन' में 'सिमी' के रूप में ग्रे-शेड रोल में दिखीं।